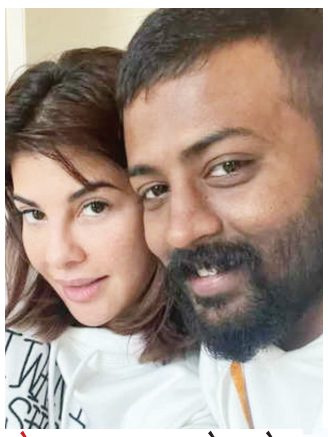

पेज-12: ठग सुकेश के साथ वायरल हुई

हर खबर पर हमारी पकड़

नजफगढ़ मैट्रो

नई दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी पाक्षिक समाचार पत्र

वर्ष: 12, अंक: 29, पृष्ठ: 12 || नई दिल्ली 01 दिसंबर से 15 दिसंबर 2021 RNI No. DELHIN/2009 28409 || मूल्य: ₹ 5

पेज-11: मानिका बत्रा-इतिहास रचने में नाकाम

गंभीर रोगियों के लिए बूस्टर डोज मुमकिन

नेशनल एडवाइजरी ग्रुप 2 हफ्ते में पॉलिसी तैयार करेगा, 44 करोड़ बच्चों के वैक्सीनेशन पर भी हो सकता है फैसला

नई दिल्ली। कोरोना के ओमिक्रॉन वैरिएंट के भारत पहुंचने की भी आशंका जताई जा रही है। इस बीच, देश की कोविड टास्क फोर्स के चेयरमैन डॉ. एनके अरोड़ा ने कहा है कि सरकार गंभीर रोगियों और कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों के लिए वैक्सीन की एडिशनल डोज पर नई पॉलिसी लाने जा रही है। नेशनल टेक्निकल एडवाइजरी ग्रुप इस पॉलिसी को 2 हफ्ते में तैयार करेगा। देश के 44 करोड़ बच्चों के वैक्सीनेशन के लिए भी नई पॉलिसी लाने जा रहा है। अरोड़ा ने कहा- देश की कई लैब्स फिलहाल नए वैरिएंट पर भारत में मौजूद वैक्सीन की एफिकेसी की जांच कर रही है। इसमें 2 हफ्ते लग सकते हैं। इसके बाद ही

हमें पता चलेगा कि कोवैक्सिन, कोवीशील्ड और दूसरी वैक्सीन नए वायरस से किस हद तक लड़ने में सक्षम हैं।

कई देशों में बुजुर्गों को बूस्टर डोजः एनटीएजी के मुताबिक बुजुर्गों के लिए बूस्टर डोज के बारे में पूछे जाने पर डॉ. अरोड़ा ने कहा कि कोरोना के नए वैरिएंट के सामने आने के बाद कई देशों में बुजुर्गों को बूस्टर डोज दिया जा रहा है। इनमें अमेरिका, ब्रिटेन और इजराइल शामिल हैं। बूस्टर का मतलब है कि हमें 94 करोड़ और डोज की जरूरत पड़ेगी। इन्हें एक रात में तैयार नहीं किया जा सकता। हालांकि देश में वैक्सीन की कोई कमी नहीं है। अरोड़ा ने कहा कि देश में 12 से 15 करोड़ लोगों को वैक्सीन का एक भी डोज नहीं लगा है। 30 करोड़ लोगों को दूसरा डोज नहीं लगा है। साफ है कि हमें वैक्सीनेशन तेज करना होगा। इसे प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाना चाहिए। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च में एपिडेमियोलॉजी के चीफ डॉ. समीरन पांडा ने ओमिक्रॉन के पहले से ही भारत में मौजूद होने की संभावना जताई है। पांडा ने कहा कि इस वैरिएंट की जानकारी केवल टेस्ट से ही सामने आएगी।

देश में ओमीक्रोन का कोई मामला नहीं: मंडाविया

नई दिल्ली। ओमिक्रॉन वैरिएंट को लेकर जहां दुनिया के कई देशों में लोग दहशत में हैं वहीं केंद्र सरकार ने राहत की खबर दी है।

स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने राज्यसभा कहा कि कोरोना का नया वायरस दुनिया के 14 देशों में पाया गया है लेकिन यहां अभी तक इसका कोई मामला मिला है। एक एडवाइजरी जारी की गई है अगर कोई संदिग्ध मामला मिलता है तो उसकी तुरंत जांच की जा रही है और जीनोम सीक्वेंसिंग भी की जा रही है। हालांकि, राज्यों में इसे लेकर डर का माहौल बना हुआ है। कई राज्यों की सरकारों ने एहतियातन कदम भी उठाने शुरू कर दिए हैं।

तेलंगाना में ओमिक्रॉन से निपटने के लिए बनाई उप-समितिः तेलंगाना में कोविड-19 के नए स्वरूप ओमिक्रॉन से निपटने और टीकाकरण की प्रक्रिया में तेजी लाने के उपायों के लिए कैबिनेट की एक उप-समिति बनाई गई है।

एमएसपी कमेटी के लिए 5 नेताओं के मांगे नाम

चंडीगढ़। केंद्र सरकार अब किसान आंदोलन को पूरी तरह खत्म कराने के लिए एक्शन में आ गई है। लोकसभा और राज्यसभा में तीन कृषि सुधार कानून वापस लेने के बावजूद धरनास्थलों पर बैठे किसान संगठनों की एमएसपी कानून की मांग पर भी कार्रवाई शुरू हो गई है। इसके लिए केंद्र सरकार ने एमएसपी कमेटी बनाने का फैसला किया है। साथ ही इस कमेटी में शामिल होने के लिए संयुक्त किसान मोर्चा से 5 किसान नेताओं के नाम मांगे हैं। किसान नेता मनजीत सिंह राय ने कहा कि कमेटी में शामिल होने वालों के नामों की लिस्ट जारी की जा सकती है।

सिंघु बॉर्डर पर बैठक में की सरकार के प्रस्ताव पर बातचीतः सिंघु बॉर्डर पर मंगलवार शाम को 32 किसान संगठनों की तरफ से की गई बैठक अब खत्म हो गई है। बैठक के बाद किसान नेताओं ने कहा कि ज्यादातर किसान संगठन अब आंदोलन को खत्म करने के पक्ष में हैं, हालांकि भाकियू (टिकैत) के राकेश टिकैत और गुरनाम चढ़ूनी आंदोलन को जारी रखने पर अड़े हुए हैं। हालांकि सर्वसम्मति से ही सब इसका हल चाहते हैं। अब 4 दिसंबर को एसकेएम की मीटिंग बुलाई गई है। इस मीटिंग में आंदोलन वापसी की घोषणा हो सकती है। बैठक के बाद किसान नेता हरिंदर सिंह लक्खोवाल ने कहा कि केंद्र सरकार ने हमसे 5 मेंबरों की सूची मांगी है।

हम एक-दो दिन में सूची दे देंगे।

अब 4 दिसंबर को हम संयुक्त किसान मोर्चा की मीटिंग बुलाएंगे। उसके बाद किसान आंदोलन

'क्रिप्टो करेंसी का कारोबार एक जोखिम भरा क्षेत्र'

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरूआत हो चुकी है और इसमें पहले दिन से क्रिप्टोकरेंसी को लेकर सवाल-जवाब शुरू हो चुके हैं। सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को राज्यसभा में बोलते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि क्रिप्टोकरेंसी का कारोबार एक जोखिम भरा क्षेत्र है और यह नियामक ढांचे में नहीं है। इस लिए इस पर अच्छी-तरह से विचार करना बेहद जरूरी है।

विज्ञापनों पर प्रतिबंध पर फैसला नहींः राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान उन्होंने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि सरकार की ओर से अभी तक क्रिप्टोकरेंसी से संबंधित विज्ञापनों पर किसी तरह का प्रतिबंध लगाने पर कोई फैसला नहीं लिया गया।

ट्रैक पर आई भारतीय इकोनॉमी

दूसरी तिमाही में 8.4 फीसदी पहुंची जीडीपी ग्रोथ रेट

मुंबई। देश की अर्थव्यवस्था दूसरी तिमाही में 8.4% की दर से बढ़ी है। यह विकास दर सभी अनुमानों के मुताबिक ही रही। लगातार चौथी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में बढ़त दिखी है। अर्थव्यवस्था में सुधार का सबसे बड़ा कारण निजी खपत और निवेश में सुधार रहा। लगातार वैक्सीनेशन, कम ब्याज दरों की वजह से सेंटिमेंट में भी सुधार दिखा। फिस्कल डेफिसिट पूरे साल के लक्ष्य की तुलना में अप्रैल से अक्टूबर के बीच 36.3% या 5.47 लाख करोड़ रुपए रहा। कुल खर्च 18.27 लाख करोड़ रुपए रहा।

फिस्कल डेफिसिट का मतलब सरकार का जितना खर्च है उसकी तुलना में इनकम में कमी से है। पिछले साल यह 119.7% था। इसी समय में सरकार का रेवेन्यू 12.6 लाख करोड़ रुपए रहा। बजट अनुमान की तुलना में यह 70.5% रहा। पिछले साल इसी समय में यह 34.2% था। टैक्स से कमाई 10.53 लाख करोड़ रुपए रही। इस पूरे साल के लिए सरकार ने फिस्कल डेफिसिट का लक्ष्य 6.8% रखा है। हालांकि सरकार के लिए यह संभव नहीं है।

'देश में एनआरसी लागू करने पर अभी फैसला नहीं'

नई दिल्ली/

देश में एनआरसी लागू होगा कि नहीं? इस पर केंद्र सरकार ने अभी तक कोई फैसला नहीं लिया है। यह जानकारी केंद्र की ओर से लोकसभा में लिखित जवाब के द्वारा दी गई है।

केंद्र की ओर से लोकसभा में बताया गया है कि देश भर में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर(एनआरसी) लागू करने पर फिलहाल कोई विचार नहीं किया गया है। इसके अलावा शीतकालीन सत्र के दौरान गृह मंत्रालय ने नागरिकता संसोधन अधिनियम पर पूछे गए एक सवाल

के लिखित जवाब में बताया है कि सीएए को 12 दिसंबर 2019 में अधिसूचित किया गया था और यह 10 जनवरी 2020 को लागू हुआ था, लेकिन इसके नियमों को बनने में अभी समय लगेगा और इनका अधिसूचित होना अभी बाकी है। गृह मंत्रालय ने कहा कि सीएए के दायरे में जो भी आएगा वह नियम लागू होने के बाद नागरिकता के

बिहार विस परिसर में मिली शराब की खाली बोतलें

पटना। बिहार विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन भी सदन के अंदर और बाहर हंगामा देखने को मिला। बिहार विधानसभा परिसर में खाली शराब की बोतलें मिलने के मुद्दे ने तुल पकड़ लिया। भोजनावकाश के बाद सदन में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इस मुद्दे को उठाया और मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग कर डाली। विपक्ष इसे मुद्दा बनाकर सीएम से जवाब चाह रहा था। इस बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सदन में पहुंचे और कहा कि उन्हें इस मामले की जानकारी नहीं थी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने साफ तौर पर कहा कि शराब

की बोतल विधानसभा परिसर में मिले इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

'गड़बड़ करने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा': भोजनावकाश के बाद सदन की कार्यवाही में शामिल होने पहुंचे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने यह कहा कि विस परिसर में शराब की बोतलें मिली हैं, मुझे इसकी जानकारी नहीं थी। उन्होंने कहा कि परिसर में शराब की बोतलों का मिलना कोई मामूली बात नहीं है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है।

आखिर यहां तक शराब की बोतलें आईं कैसे, इसकी जांच होनी चाहिए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि,विधानसभा अध्यक्ष इजाजत दें तो आज ही मैं डीजीपी और मुख्य सचिव को कहूंगा कि पूरे मामले की जांच हो। यहां तक शराब की बोतल आई है इसका मतलब कोई गड़बड़ कर रहा और तो उसको छोड़ना नहीं चाहिए। इस मामले की पूरी जांच होनी चाहिए और गड़बड़ करने वालों के खिलाफ कड़ा एक्शन लेना चाहिए। सदन में नीतीश कुमार ने तेजस्वी यादव पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि चिट्ठी मिलने से पहले समाचार पत्रों और इंटरनेट मीडिया पर आ जाता है। तो हम देखते ही नहीं हैं।

पंजाब: टीचर समेत 33 बच्चे पॉजिटिव

3 दिन में 100 से ज्यादा लोग मिले संक्रमित, मंगलवार को भी 77 लोगों के सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे गए

जालंधर। पंजाब के होशियारपुर जिले में एक ही सरकारी स्कूल के 32 स्टूडेंट्स और एक टीचर कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। पंजाब-हिमाचल सीमा पर बसे पलाहड़ गांव के सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले ये बच्चे अपने एक टीचर के संपर्क में आने से संक्रमित हुए हैं, जो हिमाचल प्रदेश के एक कस्बे से रोजाना स्कूल आता-जाता है। कुछ दिन पहले इस टीचर में कोरोना के लक्षण पाए गए थे। इसी आधार पर जब स्वास्थ्य विभाग की टीम ने स्कूल के छात्र-छात्राओं और स्टाफ के सैंपल लिए तो उनमें से 32 स्टूडेंट्स और एक अन्य टीचर कोरोना पॉजिटिव निकले। टीचर और इन बच्चों के संपर्क में आने वाले लोगों के भी टेस्ट किए गए तो कुल संक्रमितों की संख्या 100 के पार पहुंच गई है।

संपर्क में आने वाले 67 लोग भी पॉजिटिव मिले

तलवाड़ा सरकारी अस्पताल की एसएमओ डॉ. अनुपिदर मठौन और डॉक्टर लश्कर सिंह ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग ने छात्रों के अलावा हिमाचल से आने वाले टीचर के संपर्क में आए तकरीबन 252 अन्य लोगों के भी सैंपल लिए थे। इनमें टीचर के सीधे संपर्क में आने वाले एक अध्यापक और 32 बच्चों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। क्षेत्र में 100 से अधिक लोगों के सैंपल लिए गए थे, जिनमें से 67 कोरोना पॉजिटिव निकले। मंगलवार को भी 77 लोगों के सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे गए।

स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप की स्थितिः एक ही स्कूल से कोरोना के 33 केस आने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप की स्थिति है। लोग भी सहमे हुए हैं, क्योंकि ये स्टूडेंट्स रूटीन में अन्य बच्चों और परिवारवालों के संपर्क में रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग पूरे पलाह'देश में एनआरसी लागू करने पर अभी फैसला नहीं'ड़ गांव को ही

'देश में एनआरसी लागू करने पर अभी फैसला नहीं'

नई दिल्ली। देश में एनआरसी लागू होगा कि नहीं? इस पर केंद्र सरकार ने अभी तक कोई फैसला नहीं लिया है। यह जानकारी केंद्र की ओर से लोकसभा में लिखित जवाब के द्वारा दी गई है।

केंद्र की ओर से लोकसभा में बताया गया है कि देश भर में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर(एनआरसी) लागू करने पर फिलहाल कोई विचार नहीं किया गया है। इसके अलावा शीतकालीन सत्र के दौरान गृह मंत्रालय ने नागरिकता संसोधन अधिनियम पर पूछे गए एक सवाल के लिखित जवाब में बताया है कि सीएए को 12 दिसंबर 2019 में अधिसूचित किया गया था और यह 10 जनवरी 2020 को लागू हुआ था, लेकिन इसके नियमों को बनने में अभी समय लगेगा और इनका अधिसूचित होना अभी बाकी है। गृह मंत्रालय ने कहा कि सीएए के दायरे में जो भी आएगा वह नियम लागू होने के बाद नागरिकता के लिए आवेदन कर सकता है। गैर भाजपा शासित राज्य कर रहे विरोधः सीएए व एनआरसी को लागू करने पर गैर भाजपा शासित राज्य लंबे समय से विरोध कर रहे हैं। यहां तक कि एनडीए के समर्थन वाली नीतीश सरकार ने भी बिहार में एनआरसी लागू न करने पर बयान दिया था। इसके अलावा बंगाल, महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान समेत अन्य राज्य एनआरसी को लागू करने से इंकार कर चुके हैं।

क्या है नागरिकता संशोधन कानून सीएएः नागरिकता संशोधन कानून 2019 में बनाया गया था। इस कानून में तीन पड़ोसी देशों बांग्लादेश, अफगानिस्तान और पाकिस्तान से भारत आए गैर-मुस्लिम प्रवासियों को भारतीय नागरिकता देने का प्रावधान है। इन देशों में हिंदू, बौद्ध, जैन, सिख, पारसी और ईसाई धर्म के लोग अल्पसंख्यक हैं। इसलिए, भारत में पांच साल पूरा कर चुके ऐसे शरणार्थियों को भारतीय नागरिकता दी जाएगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा से संसद में मुलाकात की। सोशल मीडिया पर शेयर की गई फोटो में पीएम मोदी, देवगौड़ा को हाथ पकड़कर बेहद ही आत्मीयता से कुर्सी तक ले गए।

किसानों की कर्ज माफी: सीएम चन्नी का पीएम को लेटर

चंडीगढ़। कृषि सुधार कानून वापस होने के बाद भी कांग्रेस पंजाब में किसानों का मुद्दा नहीं छोड़ेगी। मंगलवार को मुख्यमंत्री चरणजीत चन्नी ने किसानों की कर्ज माफी में केंद्र को भी घसीट लिया। मुख्यमंत्री ने पीएम नरेंद्र मोदी को लेटर लिखा है। जिसमें किसानों की पूर्ण कर्ज माफी में मदद के लिए कहा है। सीएम ने कहा कि केंद्र पहल करे, फिर राज्य भी योगदान देंगे। हालांकि सीएम चन्नी का यह दांव

अकाली दल को रास नहीं आया। अकाली प्रधान सुखबीर बादल ने कहा कि कल को सस्ती बिजली में भी सीएम चन्नी केंद्र सरकार से आधा पैसा देने की मांग करेंगे।

सीएम चन्नी को बताया 25% मुख्यमंत्रीः सुखबीर बादल ने कहा कि सीएम चन्नी चाहते हैं कि केंद्र की गैर कांग्रेसी सरकार कर्ज माफी के कांग्रेस के वादे को 50% पूरा करे। उन्होंने कहा कि 25% मुख्यमंत्री 5 महीने के कार्यकाल में खुलेआम स्वीकार कर रहे हैं कि लोग उनकी बातों पर आधा ही भरोसा कर सकते हैं। सीएम चन्नी की अगली मांग उनके 3 रुपए बिजली यूनिट के वादे में 1.50 रुपए देने की होगी।

कर्ज माफी का वादा कांग्रेस का या केंद्र का?-सुखबीर ने पूछा कि किसानों की कर्ज माफी का वादा कांग्रेस ने किया था या केंद्र सरकार ने।

उन्होंने पूछा कि क्या कांग्रेस का मेनिफेस्टो बीजेपी द्वारा प्रायोजित है। सुखबीर ने कहा कि हम उनकी सीक्रेट डील जानते हैं लेकिन इतना बेशर्म नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस झूठ की पार्टी हैं। यहां पर मुख्यमंत्री चन्नी ने 50% स्वीकार कर लिया है।

'जाति आधारित जनगणना नहीं होगी'

नई दिल्लीः केंद्र सरकार ने मंगलवार को कहा कि उसने आजादी के बाद से जनगणना में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के अलावा अन्य जाति के आधार पर आबादी की गणना नहीं की है।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने लोकसभा में एक सवाल के जवाब में यह बात कही। सदन में एक प्रश्न पूछा गया कि क्या सरकार ने 2021-22 में जाति आधारित जनगणना कराने पर विचार किया है और यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं।

बाल दिवस पर बहादुरगढ़ में दौड़े बीआरजी ग्रुप के धावक

बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप व द डेयरडेविल्स ने मिलकर कराया दौड़ का अयोजन, 1,3,5,10 किमी की प्रतिस्पर्धा में खिलाड़ियों ने लिया भाग

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/बहादुरगढ़/नई दिल्ली/भावना शर्मा/- हर साल की तरह इस बार भी बहादुरगढ़ में बाल दिवस के अवसर पर दौड़ का आयोजन किया गया जिसे बीआरजी ग्रुप व द डेयरडेविल्स ग्रुप ने मिलकर आयोजित किया। इस आयोजन में 1,3,5 व 10 किलोमीटर रेस का आयोजन किया गया जिसमें बहादुरगढ़ के धावक जमकर दौड़े।

इस आयोजन की जानकारी देते हुए ग्रुप के सदस्य दीपक छिल्लर ने बताया कि स्वच्छ बहादुरगढ़-हरित बहादुरगढ़ के नारे के साथ यह प्रतियोगिता करवाई गई है। इस प्रतियोगिता मे सभी आयु वर्ग के बच्चो, महिलाओं व पुरुषो ने भाग लिया। 16 साल से कम आयु के बच्चो के लिये 1 किमी, 3 किमी और 16 साल से उपर के सभी आयु के लिए 5 किमी व 10 किमी दौड़ कराई गई। प्रतियोगिता के लिए फ्री पंजीकरण 13 नवम्बर तक ऑनलाइन किया गया था जिसमें बहादुरगढ़ शहर के लोगों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया था। द डेयरडेविल्स के दीपक चौधरी ने हरी झंडी दिखा कर दौड़ की शुरूआत कराई।

1 किमी दौड़ के परिणामः-

1 कि मी दौड़ लडको में अनुज ने पहला स्थान, नैतिक ने दूसरा स्थान और अनुराग सागर ने तीसरा स्थान हासिल किया।

1 कि मी दौड़ लडकिओ में मुस्कान ने पहला स्थान,ज्योति कौशिक ने दूसरा स्थान और दीपिका कौशिक ने तीसरा स्थान हासिल किया।

3 किमी दौड़ के परिणामः-

3 कि मी दौड़ लडको में अंकित ने पहला स्थान, धर्मवीर ने दूसरा स्थान और विनीत ने तीसरा स्थान हासिल किया।

3 कि मी दौड़ लडकिओ में अर्पिताअर्पिता ने पहला स्थान, निष्ठा ने दुसरा स्थान और शर्मिला ने तीसरा स्थान हासिल किया।

5 किमी दौड़ के परिणामः-

5 कि मी दौड़ में कि मी रन में आयुष यशवीर राठी ने पहला स्थान, विनोद राठी ने दूसरा स्थान और दिनेश पांचाल ने तीसरा स्थान हासिल किया।

वही 10 कि मी दौड़ में पीयूष ने पहला स्थान, नरेंद्र घनघस ने दूसरा स्थान और मुकेश ने तीसरा स्थान हासिल किया।

अलग अलग वर्गो मे पहले तीन विजेताओं को बी आर जी के वरिष्ठ सदस्य जगदीश राठी, सुचेत शौकीन, भृगु कुमार, वीरेंद्र राणा, सतीश देसवाल, भृगु कुमार, वीरेंद्र राणा, सतीश देसवाल, नरेंद्र,मुकेश दहिया द्वारा मेडल प्रदान किए गये।

चूंकि वायु प्रदूषण के खतरनाक स्तर से प्रभावित है। साथ ही सुशील अत्री, पुषेंदर राणा, शक्ति राणा और अजय धनखड़ ने सब से आह्वान किया गया कि वायु प्रदूषण के प्रभाव को कम करने के लिए खाद्य पदार्थ में विटामिन-सी, ओमेगा फैटी एसिड लें, तुलसी, अदरक, नींबू, मैग्नीशियम युक्त आहार काजू की तरह, ओमेगा 3 के लिए अखरोट लें।

साथ ही सब इंडोर प्लांट्स यानी घर के अंदर लगाए जाने वाले पौधों लगाये ये घर की शोभा ही नहीं बढ़ाते हैं, बल्कि अंदर के वातावरण को ताजगी से भर देते हैं। वजह से लोग बीमार कम होते हैं। स्पाइडर प्लांट, इंग्लिश ईवी, बोस्टन फर्न, पीस लिली, चाइनीज एवरग्रीन, गोल्डन फोटोज प्लांट,बैम्बू, रबर और एलोवेरा, फिलोडेंड्रोन पौधा लगा सकते हैं। अपने निकटतम और प्रिय आस पास के लोगों से भी आह्वान करे।

दिल्ली व एनसीआर में बंद हो निर्माण कार्य और औद्योगिक गतिविधियां : राय

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- दिल्ली में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए कई प्रयास किए जा रहे हैं। गोपाल राय ने बताया कि पंजाब, हरियाणा व यूपी के अधिकारियों के साथ आज हुई बैठक में दिल्ली सरकार ने प्रस्ताव दिया कि वर्क फ्रॉम होम को एनसीआर क्षेत्रों में भी लागू किया जाने के साथ ही निर्माण कार्य पर रोक लगनी चाहिए और उद्योग भी बंद होने चाहिए।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दिए अपने हलफनामे में पराली जलने से दिल्ली में प्रदूषण में उसका योगदान 4 फीसदी और उसी हलफनामे में दूसरी जगह 35-40 फीसदी बताया है। ये दोनों ठीक नहीं हो सकते। हम केंद्रीय मंत्री से निवेदन करते हैं कि इसको स्पष्ट कीजिए। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अब तीन दिसंबर तक ‘रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ’ अभियान चलेगा। इस दौरान उन्होंने कहा कि पूरे दिल्ली-एनसीआर में निर्माण कार्य और उद्योग बंद हों। निजी और सरकारी कार्यालय में वर्क फ्रॉम होम लागू हो। गोपाल राय ने कहा कि पंजाब, हरियाणा व यूपी के अधिकारियों के साथ बैठक में दिल्ली सरकार ने पूरे एनसीआर में वर्क फ्रॉम होम लागू करने का प्रस्ताव दिया।

दिल्ली में डेंगू के मामलों ने तोड़ा 6 साल का रिकॉर्ड, इसबार मिले 5,270 मामले

पिछले एक सप्ताह में सामने आये डेंगू के 2570 नये मामले

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/भावना शर्मा/- राष्ट्रीय राजधानी में डेंगू के मामलों ने छह साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। दिल्ली में इस सीजन में 5,270 मामले मिल चुके हैं, जो 2015 के बाद से सर्वाधिक हैं। सोमवार को जारी हुई एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

रिपोर्ट के अनुसार, पिछले एक सप्ताह में ही डेंगू के 2,570 मामले मिल चुके हैं। हालांकि इस बीच डेंगू से किसी की मौत की खबर नहीं है। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस साल 13 नवंबर तक डेंगू के कुल 5,277 मामला पाए जा चुके हैं। इससे पहले 2020 में डेंगू के 1,072 मामले, 2019 में 2,036 मामले, 2018 में 2,798 मामले, 2017 में 4,726 मामले जबकि 2016 में 4,431 मामले पाए गए थे। रिपोर्ट के अनुसार, साल 2015 में डेंगू ने भारी तबाही मचाई थी। उस वर्ष सिर्फ अक्तूबर में डेंगू के 10,600 मामले दर्ज किए गए थे, जो राष्ट्रीय राजधानी में 1996 के बाद से डेंगू का सबसे बुरा आंकड़ा था।

रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली में इस वर्ष पाए गए डेंगू के कुल मामलों में से 3,740 मामले एक से 13 नवंबर तक ही पाए गए हैं। अक्तूबर में 1,196 मामले पाए गए थे। इस साल छह नवंबर तक डेंगू के कुल मामले 2,708 मिले थे और डेंगू से मरने वालों की आधिकारिक संख्या नौ है। सितंबर में 217 मामले दर्ज किए गए थे जो पिछले तीन सालों में सर्वाधिक थे।

पैरामिलिट्री महापंचायत का पूर्व प्रधानमंत्री को दिया निमंत्रण पत्र

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/बंगलौर/शिव कुमार यादव/- पैरामिलिट्री परिवारों की भलाई से जुड़े मुद्दों को लेकर रिटायर्ड एडीजी श्री एच आर सिंह की अगुवाई में पूर्व प्रधानमंत्री श्री एच डी देवगौड़ा से बंगलौर में मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा गया। सुरक्षा बलों के जवानों की पैंशन बहाली, वन रैंक वन पेंशन, ऑगेर्नाइज्ड सर्विस को संवैधानिक दर्जा व राज्यों में अर्धसैनिक कल्याण बोर्डों की स्थापना हेतु आग्रह किया गया। साथ ही 14 फरवरी 2022 को एक्स पैरामिलिट्री परिवारों के शांतिपुर्ण धरना प्रदर्शन में भाग लेने हेतु निमंत्रण पत्र भी सौंपा गया।

फेडरेशन के महासचिव रणबीर सिंह ने प्रैस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्री एचडी देवगौड़ा ने प्रतिनिधि मंडल को पुर्णतया भरोसा दिलाया कि केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के पुनः पैंशन बहाली व वन रैंक वन पेंशन वास्ते माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को चिट्ठी लिखेंगे। साथ ही कर्नाटक राज्य के पैरामिलिट्री चौकींदारो की भलाई वास्ते कल्याण बोर्ड की स्थापना हेतु मुख्यमंत्री जी को अवगत कराएंगे। एक्स पैरामिलिट्री फोर्स वैलफेयर एसोसिएशन कर्नाटका अध्यक्ष हनुमंता राजू ने आगामी विधानसभा व लोकसभा चुनावों में विभिन्न पार्टियों से पुर्व अर्धसैनिकों को उचित प्रतिनिधित्व देने की वकालत की।

दिल्ली में अब सिर्फ निजी दुकानों पर होगी शराब की बिक्री

आज मध्य रात्रि से दिल्ली में सभी सरकारी ठेके हो जायेगे बंद

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- दिल्ली में अब शराब की बिक्री सिर्फ निजी दूकानों पर की जायेगी। मंगलवार से औपचारिक रूप से दिल्ली में शराब के करीब 400 सरकारी ठेके अब बंद हो जायेंगे। निजी शराब बिक्रेता ही शराब की दुकानों में शराब की बिक्री करेंगे। क्योंकि दिल्ली सरकार की नई आबकारी नीति बुधवार सुबह लागू हो जाएगी। हालांकि आशंका यह भी जाहिर की जा रही है कि अचानक से बड़ी संख्या में सरकारी ठेके की दुकान बंद होने से शराब की किल्लत भी होगी और निजी दुकानों पर अचानक भीड़ बढ़ जाएगी और निजी दूकानदारों के मनमाने करने की भी आशंका से इंकार नही किया जा सकता है।

आबकारी विभाग के सूत्रों के अनुसार 17 नवंबर से सभी 850 नए ठेके एक बार में काम करना शुरू करने की संभावना नहीं है। विभाग के सूत्रों ने बताया कि 32 जोन में सभी आवेदकों को लाइसेंस वितरित कर दिया गया है। लेकिन नई व्यवस्था के तहत पहले दिन यानी बुधवार को 300-350 दुकानों का संचालन शुरू होने की संभावना है। ऐसे में शराब मिलने में कठिनाई संभव है। 350 दुकानों को अंतरिम लाइसेंस वितरित किया गया है। 10 थोक लाइसेंसधारियों के साथ 200 से अधिक ब्रांड पंजीकृत किए गए हैं। हालांकि इस विभाग के अधिकारियों का कहना है कि धीरे-धीरे सभी 850 शराब के ठे-के काम करना शुरू कर देंगे और उसके बाद कोई कमी शराब की नहीं होगी।

नजफगढ़ में पीडब्ल्यूडी उड़ा रही सरकार के प्रदुषण नियमों की धज्जियां, एनजीटी खामोश

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नजफगढ़ /नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- एक तरफ दिल्ली में प्रदुषण को लेकर हाहाकार मचा हुआ है और पूरी दिल्ली सरकार प्रदुषण से निपटने के लिए कई तरह के उपायों पर काम कर रही है जिसमें उद्योग धंधों में काम से लेकर निर्माण कार्यों में रोक तक का प्रावधान शामिल किया गया है और दिल्ली में सभी तरह के निर्माण कार्यों पर तुरंत प्रभाव से रोक लगा दी है लेकिन नजफगढ़ में स्वयं सरकारी विभाग पीडब्ल्यूडी सरेआम दिल्ली सरकार के प्रदुषण नियमों की धज्जियां उड़ा रही है और करीब 150 मीटर नाला खोद दिया है। हालांकि पीडब्ल्यूडी के खिलाफ एसडीएम नजफगढ़ अमित काले ने कार्यवाही करने की बात कही है लेकिन एनजीटी की तरफ से अभी तक कोई संज्ञान नही लिया गया है जबकि यही एनजीटी अधिकारी प्लॉटों में निर्माण को लेकर 30 हजार तक जुमार्ना लगा रहे हैं। दिल्ली में प्रदुषण को नियत्रंण करने के लिए एक तरफ दिल्ली सरकार पूरा जोर लगा रही है तो वहीं दूसरी तरफ दिल्ली सकरार के निर्माण कार्य से जुड़े विभाग ही सरकार के नियमों की धज्जियां उड़ा रहे है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली व एनसीआर में औद्योगिक गतिविधियं व हर प्रकार के निर्माण कार्य बंद कराने की वकालत कर रहे है और अगर फिर भी हालात नही सुघरे तो दिल्ली व एनसीआर में लॉकडाउन भी एक ऑप्शन हो सकता है। वहीं सरकार ने रेड लाईट ऑन तो गाड़ी ऑफ अभियान भी 15 दिन के लिए बढ़ा दिया है। लेकिन नजफगढ़ में अभी भी पीडब्ल्यूडी विभाग सरकारी नियमों की अवहेलना कर निर्माण कार्य जारी रखे हुए है। मंगलवार को भी पीडब्ल्यूडी ने नजफगढ़-उत्तमनगर मार्ग पर दिल्ली ट्रांसको कार्यालय के साथ जेसीबी चलाकर करीब 150 मीटर नाले की खुदाई कर सभी को हैरत में डाल दिया है। इस संबंध में एसडीएम नजफगढ़ अमित काले ने कहा कि उन्हे इस बारे में पता नही था और अगर ऐसा हो रहा है तो पीडब्ल्यूडी के खिलाफ कार्यवाही की जायेगी।

दिल्लीः बवाना में महिला पर एसिड अटैक, ईलाज के दौरान हुई मौत

शादी से इंकार करने पर सनकी युवक ने फेंका तेजाब

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/बवाना/नई दिल्ली/भावना शर्मा/- दिल्ली के बवाना में शादी से इंकार करने पर सनकी युवक ने एक महिला पर एसिड अटैक कर दिया। इस हमले में महिला बुरी तरह से झुलस गई थी जिसका राम मनोहर लोहिया अस्पताल में इलाज चल रहा था लेंकिन सोमवार को अचानक महिला कि तबियत खराब हो गई और उसकी मौत हो गई।

यहा बता दें कि दिल्ली के बवाना में एक विवाहिता अपने ही पड़ोसी की सनक की शिकार हो गयी। सोमवार को राम मनोहर लोहिया अस्पताल में पीड़िता जिंदगी की जंग हार गयी। महिला ने सनकी युवक से शादी करने से इंकार कर दिया था। आरोपी मोंटू को पुलिस ने छह नवंबर को ही गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस के अनुसार मोंटू महिला पर शादी करने का दबाव बना रहा था. चूंकि महिला पहले से शादीशुदा थी इसलिए वह मोंटू को ऐसा करने से मना कर रही थी। पुलिस के अनुसार पीड़ित महिला अपने पति के साथ बवाना इलाके मैं रहती थी। पड़ोस में ही मोंटू नाम का युवक भी रहता था जो लगातार महिला को परेशान करता था और पति को छोड़कर उससे शादी के लिए दबाव बना रहा था। जब यह बात महिला के पति को मालूम हुई तो मोंटू से पीछा छुड़ाने के लिए पति ने अपने रहने की जगह भी बदल दी लेकिन वहां भी मोंटू ने महिला को परेशान करना नहीं छोड़ा। आरोपी मोंटू ने तीन नवंबर को महिला को मिलने के लिए अपने घर बुलाया। महिला उसके घर गई। जहां पर मोंटू उसे शादी करने और अपने पति को छोड़ने के लिए दबाव बनाता रहा। कई बार कहने के बाद भी जब महिला ने साफ इंकार कर दिया तो मोंटू ने महिला के हाथ पैर बांध दिये और उस पर तेजाब फेंक दिया। फिर मौके से फरार हो गया। महिला की चीख सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा हुए और पुलिस को जानकारी दी। पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को अस्पताल में भर्ती कराया। पहले महिला को पास के एक अस्पताल में ले जाया गया जहां उसकी हालत बिगड़ती देख उसे राम मनोहर लोहिया अस्पताल के बर्न वार्ड में शिफ्ट किया गया। महिला 90 फीसदी से ज्यादा झुलस चुकी थी जिसके कारण उसकी तबीयत लगातार बिगड़ती गयी। आखिरकार सोमवार को उसने अस्पताल में दम तोड़ दिया।

शादियों के सीजन में सोना हुआ सस्ता, चांदी के भी भाव गिरे

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/भावना शर्मा/- शादियों के सीजन में सोना सस्ता हो गया हैं। 17 नवंबर 2021 को सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। ताजा अपडेट के अनुसार आज 24 कैरेट गोल्ड की कीमत 49061 रुपये हो गई है। जोकि एक दिन पहले मंगलवार को 49,553 रुपये थी। यानी कल के मुकाबले आज सोना 492 रुपये सस्ता हुआ है। वहीं, चांदी की कीमतों में भी गिरावट देखने को मिली है। हालांकि सोना व चांदी सस्ते हुए है लेकिन फिर भी लोगों में इसकी खरीददारी को लेकर कोई खास रूझान देखने को नही मिल रहा है। हालांकि सोने में गिरावट को लेकर लोगों में खुशी भी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक 17 नवंबर 2021 को देशभर के सरार्फा बाजारों सोने-चांदी के हाजिर भाव इस प्रकार रहे...

गोल्ड 999 (24 कैरेट) 49061 49553 -492
गोल्ड 995 (23 कैरेट) 48865 49355 -490
गोल्ड 916 (22 कैरेट) 44940 45391 -451
गोल्ड 750 (18 कैरेट) 36796 37165 -396
गोल्ड 585 (14 कैरेट) 28701 28989 -288
सिल्वर 999 66375 66883 - 508 ।

श्रीनगर मुठभेड़ में पाकिस्तानी दहशतगर्द बिलाल समेत 3 आतंकी ढेर

-मुदासिर चला रहा था आतंकियों का कॉल सेंटर, पुलिस भी हैरान, पीडीपी ने मुठभेड़ पर उठाये सवाल

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/कश्मीर/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- श्रीनगर में सोमवार को हैदरपोरा बाईपास पर मुठभेड़ में दो आतंकी और एक ओजीडब्ल्यू (आतंकियों का मददगार) मारा गया है। आतंकवादियों की गोलीबारी में अल्ताफ अहमद (मकान मालिक) घायल हो गया था। जिसने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। मुठभेड़ पर सवाल उठाते हुए पीडीपी (पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी) ने मामले की जांच की मांग की है। मारे गए आतंकियों में एक पाकिस्तानी आतंकी भी शामिल है। जिसकी पहचान बिलाल भाई के रूप में हुई है। दूसरा आतंकी आमिर बनिहाल का रहने वाला था।

कश्मीर जोन के आईजी विजय कुमार ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि दो से तीन आतंकी एक घर में छिपे हुए हैं। हमने घेराबंदी कर तलाशी ली। ऊपर की मंजिल में तीन कमरे थे। हमने मकान मालिक अल्ताफ और बिजनेसमैन मुदासिर गुल को बुलाया। इसी दौरान आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जिसके बाद सुरक्षाबलों ने भी मोर्चा संभाला और दो आतंकियों को मार गिराने में सफलता पाई। इस ऑपरेशन में लोगों को बचाना बड़ी चुनौती थी।

आईजी ने बताया कि अल्ताफ ने मुदासिर को कमरे दिए थे और वह अनधिकृत कॉल सेंटर चला रहा था। जहां से नौ कंप्यूटर और हथियार बरामद हुए हैं। यहां से यूएसए का एक नक्शा भी मिला है। हमें कॉल सेंटर से कई देशों के नंबर मिले हैं। जिनकी जांच की जा रही है। मुदासिर एक मॉड्यूल चला रहा था और आतंकियों को इस जगह तक पहुंचा रहा था।

बताया कि स्थानीय नागरिकों की सुरक्षा और शाम के वक्त इलाके में भीड़ को ध्यान में रखते हुए सुरक्षाबलों ने संयम बरता। रविवार को डाउनटाउन में सुरक्षाबलों पर हमला हुआ था। उस हमले में यह आतंकी शामिल था। मुठभेड़ में एक पुलिसकर्मी घायल हो गया, जिसे तत्काल पास के अस्पताल में ले जाया गया।

जम्मू-कश्मीर में इस माह अब तक तीन मुठभेड़ों में पांच आतंकी मारे गए हैं। गुरुवार को कुलगाम और श्रीनगर में सुरक्षाबलों ने अलग-अलग मुठभेड़ों में तीन आतंकियों को मार गिराया था। इसमें बेमिना में मारा गया मुजाहिदीन गजवातुल हिंद का एक आतंकी भी शामिल था, जिसे सुरक्षाबलों पर फिदायीन हमले की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

पिछले माह अक्तूबर में सुरक्षाबलों ने विभिन्न आतंकवाद विरोधी ऑपरेशनों में 20 आतंकियों को मार गिराया था। इस दौरान सेना के 12 जवान शहीद हुए हैं।

अब दिल्ली में सड़कों पर दौड़ेगी सिर्फ ई-बसें, प्रदूषण के चलते लिया फैसला

-प्रदूषण पर वार : सीएनजी बसों को अब दिल्ली सरकार की ना -चरणबद्ध तरीके से दिल्ली सरकार उतारेगी 2500 इलेक्ट्रिक बसें। निजी वाहनों के लिए लगाए जाएंगे 200 चार्जिंग स्टेशन

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/भावना शर्मा/- दिल्ली के पर्यावरण को सुधारने के लिए दिल्ली सरकार सार्वजनिक परिवहन के क्षेत्र में बड़ा बदलाव करने जा रही है। इस संबंध में दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने बताया कि सीएनजी बसों की जगह अब डीटीसी के बेड़े में सिर्फ ई-बसें ही शामिल होंगी। सीएनजी बसों का सरकार कोई भी नया टेंडर जारी नहीं करेगी। इसी कड़ी में आने वाले महीनों में चरणबद्ध तरीके से 2500 ई-बसें शामिल की जाएंगी। दूसरी तरफ ई-ऑटो, कार व टू व्हीलर की संख्या बढ़ाने पर भी सरकार जोर दे रही है। इसके लिए चार्जिंग स्टेशन, बिजली और बैटरी सहित दूसरी बुनियादी सुविधाओं का भी विकास किया जा रहा है।

श्री गहलोत ने बताया कि दिल्ली में प्रदुषण की समस्या से निपटने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहित किया जा रहा है ताकि अधिक से अधिक लोग इसे अपना सकें। अगले कुछ महीनों में करीब 3000 बसें सड़कों पर उतारी जाएंगी। सरकार आगे से सिर्फ ई-बसें अपने बेड़े में शामिल करेगी। इसका अपवाद सीएनजी की 450 वह बसें होंगी, जिन्हें खरीदने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। चरणबद्ध तरीके से इस पर काम भी हो रहा है। बेड़े में 300 इलेक्ट्रिक बसें नए साल तक शामिल कर ली जाएंगी। 1000 अतिरिक्त बसों की खरीद के लिए भी स्वीकृति मिल चुकी है, जबकि क्लस्टर की 330 बसें भी खरीदी जाएंगी। करीब 350 बसों की खरीद की प्रक्रिया चल रही है। धीरे-धीरे सभी बसें इलेक्ट्रिक हो जाएंगी। नई बसें आने से सार्वजनिक परिवहन का बेड़ा मजबूत होगा। लास्ट माइल कनेक्टिवी भी बेहतर होगी। इससे लोग निजी वाहन से सार्वजनिक वाहनों की तरफ शिफ्ट होंगे। इस सबका कुल नतीजा दिल्ली की आबोहवा की बेहतरी में होगा।

उन्होने आगे कहा कि बस समेत ई-वाहनों की संख्या बढ़ाने के लिए सरकार बुनियादी सुविधाओं का भी विस्तार कर रही है। इसके लिए डीटीसी के डिपो में चार्जिंग स्टेशन लगाए जाएंगे। अभी तीन डिपो में लगा है और एक पर काम चल रहा है। जबकि इसके लिए छह डिपो की पहचान की गई है। यहां पर चार्जिंग स्टेशन लगाया जाएगा। यहां बसों की चार्जिंग हो सकेगी। दूसरी तरफ निजी वाहनों के लिए दो चरणों में 100-100 चार्जिंग प्वाइंट लगाए जाएंगे। वाहनों पर सब्सिडी देने सहित पुराने वाहनों के बदले निमार्ता कंपनी की तरफ से स्क्रैप इंसेटिव के मद में 7500 रुपये बतौर वित्तीय सहायता देने का प्रावधान है।

परिवहन मंत्री ने कहा कि ड्राइविंग लाइसेंस के लिए आवेदन करने वालों के ब्लड ग्रुप और अंगदान का ब्यौरा भी शामिल किया जाएगा। इसके लिए जरूरी बदलाव किए जा रहे हैं ताकि जरूरत के वक्त पर इस ब्यौरे का इस्तेमाल कर किसी की जान बचाई जा सके। ड्राइविंग करने वाले दक्ष हो, इसलिए लाइसेंस बनाने के लिए सख्त जांच प्रक्रिया से गुजरना होता है। अभी भी लाइसेंस के लिए आवेदन करने वाले करीब 33 फीसदी आवेदक असफल हो रहे हैं। ड्राइविंग में दक्ष होने के बाद दोबारा टेस्ट में शामिल होने का मौका दिया जा रहा है।

संविधान की आत्मा की रक्षा और समाज के मूल्यों की सुरक्षा सर्वोपरि: शंकर चौधरी

-सबको मिले संविधान की जानकारी और जरूरतमंदों को कानूनी सहायता तो इससे गरिमा और बढ़ेगी--- संग्राम पटनायक. -दर्जन भर महापुरुषों और स्वतंत्रता सेनानियों को आजादी की अमृत गाथा-29 में श्रद्धांजलि

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- राष्ट्रीय संविधान दिवस के उपलक्ष्य में मुनि इंटरनेशनल स्कूल दिल्ली के सहयोग से आजादी की अमृत गाथा-आरजेएस राष्ट्रीय वेबीनार में देश भर से जुड़े लोगों को जागरूक किया गया।

स्कूल के संस्थापक , शिक्षाविद् डा अशोक कुमार ठाकुर ने अतिथियों का स्वागत किया। वेबीनार का सफल संचालन रोहिणी कोर्ट दिल्ली की एडवोकेट मोनी जैन ने किया। आरजेएस फैमिली की ओर से पॉजिटिव स्पीकर्स द्वारा

गुरु तेग बहादुर जी, महात्मा ज्योतिबा फुले ,डा. बाबा साहेब आंबेडकर,डॉ वर्गीज कुरियन, डॉ हरिवंश राय बच्चन, गणेश वासुदेव मावलंकर ,जगदीश चंद्र बोस, लक्ष्मीबाई केलकर, शचीन्द्र नाथ बख्शी और राजा राममोहन राय आदि को श्रद्धांजलि दी गई।

राम-जानकी संस्थान,आरजेएस,नई दिल्ली के राष्ट्रीय संयोजक उदय मन्ना और तपसिल जाति आदिवासी प्रकटन्न सैनिक कृषि बिकाश शिल्पा केंद्र, पश्चिम बंगाल के सचिव सोमेन कोले ने कहा कि आजादी की अमृत गाथा से सकारात्मक पत्रकारिता और महापुरुषों की जीवनियां लोगों तक पहुंच रही हैं। दिल्ली स्थित मुनि इंटरनेशनल स्कूल के संस्थापक डा.अशोक कुमार ठाकुर और अमित ठाकुर के सहयोग से 26 नवंबर संविधान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित आरजेएस-टीजेएपीएस आजादी की अमृत गाथा के 29वें अंक में प्रशासनिक एजेंसियां और नागरिक अनुशासन विषय को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डीसीपी द्वारका, दिल्ली श्री

शंकर चौधरी ने कहा कि कानून के वर्चस्व से न्याय होता है ,तो वह दिखना भी चाहिए ताकि पुलिस और जनता के बीच की दूरियां खत्म हो ।उनका कहना था कि "मेरा हर कदम कमजोर वर्गों की आवाज बनकर न्याय दिलाना है। संविधान की प्रस्तावना का जिक्र करते हुए आईपीएस अधिकारी श्री चौधरी ने बताया कि लोगों को मेरे बारे में भ्रम हो सकता है, लेकिन मैं कानून और संविधान का पक्षधर हूं। उन्होंने कहा कि जनवरी 2022 से वर्चस्व अभियान के अंतर्गत द्वारका के 11 जिलों में पुलिस जनता से संपर्क कर कानून और नागरिक अनुशासन को लेकर जागरूक करेगी ।इसके लिए एक हेल्पलाइन भी जारी होगी ।उन्होंने संविधान के आत्मा की रक्षा और समाज के मूल्यों की सुरक्षा करना अपना दायित्व माना है। वेबिनार में जुड़े लोगों ने उनके संबोधन को कई बार करतल ध्वनि से समर्थन किया, कहा सकारात्मक सोच का ये सकारात्मक परिणाम है। श्री चौधरी ने उनके सवालों का संतोषजनक समाधान किया। मुख्य वक्ता सुप्रीम कोर्ट और दिल्ली हाई कोर्ट के सीनियर एडवोकेट संग्राम पटनायक ने कहा कि भारत का संविधान सर्वोत्तम संविधान संविधान है ।वास्तविक जीवन में संविधान की गरिमा और बढ़ेगी अगर नोबल प्रोफेशन के लोग नोबल कॉज के लिए भी कार्य करें। यथासंभव जरूरतमंदों को कानूनी सहायता प्रदान करना कानून विशेषज्ञों की सामाजिक जिम्मेदारी भी है। इसके लिए कानून की उत्कृष्ट जानकारी सभी नागरिकों को देने की दिशा में सरकार को प्रयास करना चाहिए ।पॉजिटिव स्पीकर्स ओम प्रकाश झुनझुनवाला, डॉ पुष्कर बाला ,प्रेमप्रभा झा, मेजर डा प्राची गर्ग, दीपा भूषण,ममता रानी,रेनू श्रीवास्तव आदि सहित डा बिनयकुमार विष्णु पुरी,डॉ. नरेंद्र टटेसर, मुकेश भटनागर, स्नेह प्रभा,, सुमन झुनझुनवाला, वैभव भारद्वाज आदि ने वेबीनार का जोरदार समर्थन किया।

अब जम्मू-कश्मीर में लगा कांग्रेस को बड़ा झटका

4 पूर्व मंत्रियों, 3 विधायकों ने सोनिया को भेजा सामूहिक इस्तीफा

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/जम्मू-कश्मीर/शिव कुमार यादव/- कई राज्यों में आपसी मतभेद व गुटबाजी का सामना कर रही कांग्रेस को अब जम्मू कश्मीर में बड़ा झटका लगा है। प्रदेश में कांग्रेस के 4 पूर्व मंत्रियों और तीन मौजूदा विधायकों ने पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी को सामूहिक इस्तीफा भेजा है। इन नेताओं ने यह आरोप लगाते हुए इस्तीफा दे दिया है कि पार्टी की राज्य में स्थिति खराब है और उस पर बात करने के लिए लीडरशिप की ओर से समय नहीं दिया जा रहा है। सूत्रों ने कहा कि जिन विधायकों और पूर्व मंत्रियों ने पार्टी से इस्तीफा दिया है, वे जी-23 में शामिल नेता गुलाम नबी आजाद के करीबी हैं। गुलाम नबी आजाद कई बार कांग्रेस में अध्यक्ष के चुनाव और अन्य सुधार के लिए आवाज उठाते रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक इन नेताओं ने इस्तीफे का लेटर सोनिया गांधी के अलावा राहुल गांधी और जम्मू कश्मीर प्रभारी रजनी पाटिल को भी भेजा है। इन नेताओं ने लीडरशिप पर पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने का आरोप लगाया है। इस्तीफा देने वाले नेताओं ने जम्मू कश्मीर के प्रदेश अध्यक्ष जीए मीर पर भी निशाना साधा है। गुलाम अहमद मीर पर सीधा निशाना साधते हुए नेताओं ने कहा कि उनकी वजह

से ही जम्मू-कश्मीर में आज पार्टी की हालत खराब है। बागी नेताओं ने कहा मीर के कमजोर नेतृत्व के चलते अब तक जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस के 200 नेता पार्टी से पलायन कर चुके हैं। हालांकि गुलाम नबी आजाद के ही करीबी नेता और पूर्व डिप्टी सीएम ताराचंद ने पूरे घटनाक्रम से दूरी बना ली है। इस्तीफा देने वाले नेताओं का कहना है कि उनकी ओर से कई बार राज्य में पैदा हुई समस्याओं पर बात करने के लिए शीर्ष नेतृत्व को संदेश दिया गया, लेकिन कोई जवाब ही नहीं मिला। नेताओं ने कहा कि उनकी ओर से करीब एक साल से लीडरशिप से मुलाकात के लिए वक्त की मांग की जा रही थी, लेकिन टाइम ही नहीं दिया गया। यही नहीं नेताओं ने कहा कि अगस्त में राहुल गांधी जब आए थे, तब भी उनसे मिलने का वक्त मांगा गया था, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। असंतुष्ट नेताओं ने कहा कि कुछ लोगों ने जम्मू-कश्मीर में पार्टी को हाईजैक कर लिया है जिसकी वजह से केंद्र शासित प्रदेश में स्थिति खराब हो गई है। उन्होने प्रदेश अध्यक्ष गुलाम अहमद मीर पर गुस्सा निकालते हुए कहा कि उनकी लीडरशिप में पार्टी गर्त में चली गई है। नेताओं ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में किसी भी वक्त विधानसभा के चुनाव हो सकते हैं और पार्टी हाईकमान यहां की समस्याओं पर ध्यान देने के लिए तैयार ही नहीं है।

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने एक बार फिर अमेरिका को दी धमकी

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/देश-विदेश/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- चीन ताइवान को लेकर किसी का भी हस्तक्षेप बर्दाश्त करने के मूड में नही दिखाई दे रहा है। हालांकि विश्व में कई मुद्दों को लेकर चीन-अमेरिका में काफी तनातनी चल रही है लेकिन ताइवान की आजादी का समर्थन कर रहे अमेरिका को चीन ने एक बार फिर धमकाया है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने व्हाइट हाउस में चल रहे आभासी शिखर सम्मेलन में अमेरिका को साफ चेतावनी दी है कि ताइवान की

आजादी का समर्थन करना अमेरिका के लिए आग से खेलने जैसा है, जो आग से खेलेंगे वे जल जाएंगे।

ताइवान के मुद्दे पर चल रहे इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य दो महाशक्तियों के बीच उत्पन्न हो रहे संघर्ष को खत्म करना था, लेकिन चीन ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के सामने अपना रुख साफ कर दिया है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि- ‘अमेरिका के कुछ लोग चीन को नियंत्रित करने के लिए ताइवान का इस्तेमाल करना चाहते हैं, लेकिन यह बहुत खतरनाक है और आग से खेलने जैसा है ’

दुनिया की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं और महाशक्तियों के बीच पिछले कुछ दिनों से रिश्ते तल्ख होते जा रहे हैं।

किसान आंदोलन में मरे किसानों को मिले शहीद का दर्जा- रणवीर सिंह

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- कॉनफैडरेसन आफ एक्स पैरामिलिट्री फोर्स वैलफेयर एसोसिएशन ने लम्बे समय से चले आ रहे किसान आंदोलन की वाजिब मांगों पर माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा तीनो कृषि कानुनों को वापस लेने का हम पुर्व अर्धसैनिक बलों के परिवार स्वागत करते हैं। भले देर से ही सही प्रधान सेवक द्वारा एक साहसिक कदम उठाया गया है। इस मौके पर कॉनफैडरेसन के महासचिव रणवीर सिंह ने प्रधानमंत्री से मांग करते हुए कहा कि इस लम्बे चले ऐतिहासिक आंदोलन के दौरान जो किसान आंदोलन में असामायिक मृत्यु को प्राप्त हुए उनको शहीद का दर्जा दिया जाए। रणबीर सिंह ने प्रैस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि जिस प्रकार माननीय प्रधानमंत्री जी ने धारा 370, 35ए ओर 3 तलाक का खात्मा किया इसी तरहां सीसीएस रूल का खात्मा किया जाए जिसकी वजह से पैरामिलिट्री फोर्स के चौकीदारों को सिविलियन फोर्स का दर्जा दिया गया है। हम उन्हीं अर्धसैनिक बलों की बात कर रहे हैं जिनके बीच में माननीय प्रधानमंत्री जी हर साल सरहदों पर दिवाली मनाते हैं। रणबीर सिंह कहते हैं कि पिछले 1 साल से ज्यादा समय से हजारों एसएससी जीडी मेडिकल फिट युवा राजघाट, जंतर मंतर व देश के अन्य हिस्सों में शांतिपूर्ण तरीके से धरना प्रदर्शन कर रहे हैं जो कि सभी लिखित, फिजिकल व मेडिकल परीक्षा उत्तीर्ण किए है आज नई नियुक्ति की बांट जोह रहे हैं।

द्वारका एंटी नारकोटिक्स टीम ने मोहन गार्डन से पकड़ी 5 करोड़ की हेरोइन

टीम ने एक अफ्रीकी घुसपैठिये को 513 ग्राम उच्च गुणवत्त वाली हेरोइन के साथ किया गिरफ्तार

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- द्वारका एंटी नारकोटिक्स टीम ने बांग्लादेश के रास्ते भारत में अवैध रूप से घुसपैठ के तहत प्रवेश कर देश में ड्रग्स का काम करने वाले एक अफ्रीकी नागरिक को मोहन गार्डन से उच्च गुणवत्ता वाली 513 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत 5 करोड़ रुपए बताई जा रही है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है ताकि क्षेत्र में उसके सम्पर्क सूत्रों का पता लगाया जा सके।

इस संबंध में जानकारी देते हुए डीसीपी द्वारका शंकर चौधरी ने बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर एंटी नारकोटिक्स टीम ने एसआई सुभाष चंद के नेतृत्व में एएसआई करतार, एचसी जितेंदर, सीटी प्रमोद व रवि, की टीम गंदा नाला नजफगढ़, मोहनगार्डन में छठ पूजा पार्क पंहुची और एक संदिग्ध अफ्रीकी नागरिक को हिरासत में लेकर पूछताछ की। तलाशी के दौरान टीम ने आरोपी से 513 ग्राम हेरोइन बरामद की। पुलिस ने आरोपी की पहचान ननामदी इलियास अकाबुएज पुत्र अकाबुजे निवासी उली, अक्वा, नाइजीरिया आयु-35 वर्ष के रूप में की है। एसीपी ऑपरेशन विजय सिंह यादव ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत 5 करोड़ रुपए बताई जा रही है। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह एक घुसपैठिया है और 2019 में बांग्लादेश के रास्ते भारत आया था। यहां आकर उसने ड्रग्स सप्लाई का काम शुरू कर दिया।

अफगानिस्तान की जमीन का आतंकवाद के लिए ना हो इस्तेमाल- भारत-फ्रांस

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/पेरिस/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- भारत और फ्रांस ने यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों के लिए नही होना चाहिए। इसके साथ ही दोनो देशों ने लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन समेत सभी आतंकवादी समूहों के खिलाफ ठोस कार्रवाई का आह्वान किया। विदेश मंत्रालय के बयान में यह जानकारी दी गई है।

पेरिस में आतंकवाद से मुकाबला करने के विषय पर भारत-फ्रांस संयुक्त कार्य समूह की बैठक में दोनों पक्षों ने सीमा पार आतंकवादी गतिविधियों सहित आतंकवाद के सभी स्वरूपों की निंदा की है। इसके साथ ही आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एकजुटता का संकल्प व्यक्त किया। दोनों देशों ने आतंक के लिए कोई धन नहीं विषय पर भारत की ओर से आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के तीसरे संस्करण की तैयारियों के मद्देनजर सक्रिय समन्वय की इच्छा जताई। मंगलवार को हुई बैठक में उन्होंने आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए एक उपकरण के रूप में आतंकवादियों और ऐसे समूहों का बहिष्कार करने और आतंकी समूहों एवं व्यक्तियों के खिलाफ प्रतिबंध की प्रक्रिया एवं प्राथमिकताओं के बारे में सूचना साझा करने के बारे में विचारों का आदान-प्रदान किया।

ब्रिटिश पीएम बोरिस के पिता स्टेनली पर दो महिलाओं से छेड़छाड़ का आरोप

एक सांसद व दूसरी पत्रकार बताई जा रही, दोनो ने लगाया यौन उत्पीड़न का आरोप

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/लंदन/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के पिता स्टेनली जॉनसन पर दो महिलाओं ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। इनमें से एक कंजर्वेटिव सांसद है। दूसरी महिला पत्रकार है। दोनों घटनाएं पुरानी हैं, लेकिन अब सामने आई हैं। स्टेनली पहले भी कई बार चर्चा में रह चुके हैं। वो खुद भी पॉलिटिशियन हैं और वर्ल्ड बैंक से भी जुड़े रहे हैं।

कैरोलिन नोक्स कंजर्वेटिव पार्टी की सांसद हैं और फिलहाल, ब्रिटिश संसद की महिलाओं से जुड़ी एक कमेटी की सदस्य हैं। नोक्स ने ‘स्काय न्यूज’ को दिए इंटरव्यू में ब्रिटिश प्रधानमंत्री के पिता पर छेड़छाड़ के गंभीर आरोप लगाए। नोक्स का आरोप है कि स्टेनली ने उन्हें गलत तरीके से छुआ। बाद में एक पत्रकार ने भी इसी तरह के आरोप लगाए। नोक्स ने कहा- मेरे हिसाब से स्टेनली एक जानी-मानी शख्सियत हैं। जिस वक्त की यह घटना है, उस वक्त स्टेनली डेवॉन क्षेत्र से कंजर्वेटिव कैंडिडेट थे। उन्होंने मुझे गलत तरीके से छुआ और यह बदतमीजी करके वो वहां से चले गए। उन्होंने अश्लील कमेंट भी किया था। नोक्स के मुताबिक-घटना पार्टी की सालाना बैठक के दौरान 2003 में हुई। उस वक्त हम दोनों ही सांसद का चुनाव लड़ने जा रहे थे। उस वक्त मेरी उम्र करीब 30 साल थी और मैं अपना अच्छा या बुरा बेहतर तरीके से समझ सकती थी।

एक सवाल के जवाब में नोक्स ने कहा- इस तरह की घटनाओं के बारे में बात करना मैं अपना फर्ज समझती हूं। इसकी वजह यह है कि आगे किसी के साथ ऐसा हो तो वो इसके खिलाफ पुरजोर आवाज उठा सके। उस वक्त मैं खुद ऐसा नहीं कर सकी थी, लेकिन आज भी चुप रह गई तो मेरी बेटी को भी शायद चुप रहना पड़ेगा। इसलिए हमको ये तय करना होगा कि क्या करना सही होगा, हमें किस दिशा में जाना है? नोक्स के मुताबिक इस तरह की हरकतों के खिलाफ चुप रहना गलत लोगों की हौसला अफजाई करने जैसा है। नोक्स के गंभीर आरोपों के बाद, न्यू स्टेट्समैन की सीनियर जर्नलिस्ट एलीबे रे ने भी इसी तरह की शिकायत की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी बात रखी। कहा- 2019 में कंजर्वेटिव पार्टी की एक कॉन्फ्रेंस हुई थी। इसी दौरान स्टेनली ने मेरे साथ भी कुछ इसी तरह की बदसलूकी की थी। मैं नोक्स की शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने मुझे सच सामने लाने की हिम्मत दी। हमें हर ताकतवर व्यक्ति की गलत हरकत के खिलाफ बोलने का हक है, फिर वो व्यक्ति प्रधानमंत्री का पिता ही क्यों न हो।

मांडोठी हत्याकांड का आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

-गोली मारकर की थी बेटी की हत्या व पत्नी को कर दिया था घायल -पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल हथियार किया बरामद

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/बहादुरगढ़/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- थाना आसौदा के अंतर्गत पुलिस चौकी मांडोठी के एरिया में हुई हत्या की एक वारदात के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। मंगलवार को गांव मांडौठी निवासी एक युवती की गोली मारकर हत्या करने व एक महिला पर जान से मारने की नियत से फायर करने के एक मामले में तत्परता से कार्रवाई करते हुए झज्जर पुलिस की एक टीम द्वारा उपरोक्त वारदात को अंजाम देने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की गई है। पकड़े गए आरोपी ने आपसी घरेलू विवाद के चलते गोली मारकर अपनी बेटी की हत्या व अपनी पत्नी को घायल करने की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस विभाग जिला सोनीपत में तैनात आरोपी ने घरेलू कलह को लेकर सरकारी पिस्टल का दुरुपयोग करते हुए फायर करके हत्या व जानलेवा हमला करने की उपरोक्त वारदात को अंजाम दिया था। वारदात की सूचना पर मौका पर पहुंची स्थानीय पुलिस की एक टीम ने आरोपी को हथियार सहित काबू कर लिया गया। पुलिस अधीक्षक श्री

वसीम अकरम के दिशा निर्देशों की पालना करते हुए थाना प्रबन्धक आसौदा निरीक्षक बाबूलाल के नेतृत्व में पुलिस चौकी प्रभारी मांडोठी सहायक उप निरीक्षक प्रीतम कुमार की टीम द्वारा उपरोक्त मामले की जांच पड़ताल की कार्रवाई करते हुए पूरी वारदात का खुलासा किया गया। मामले की विस्तृत जानकारी देते हुए थाना प्रबंधक आसौदा निरीक्षक बाबूलाल ने बताया कि आरोपी ने गांव मांडोठी में अपने घर पर फायर करके हत्या व हत्या के प्रयास की वारदात को अंजाम दिया था। उन्होंने बताया कि स्थानीय पुलिस को सूचना मिली थी कि गांव मांडोठी के एरिया में स्थित एक मकान में फायर करने की वारदात को अंजाम दिया गया। वारदात की सूचना पर स्थानीय पुलिस तत्परता से मौका पर पहुंची। जहां पुलिस टीम द्वारा एक आरोपी को हाथ में पिस्टल लिए काबू किया। पकड़े गए आरोपी की पूछताछ में पहचान संतराम निवासी गांव मांडोठी जिला झज्जर के तौर पर हुई। गिरफ्त में आए आरोपी ने प्रारंभिक पूछताछ में उपरोक्त वारदात के संबंध में खुलासा किया। आरोपी के कथन अनुसार उसने आपसी घरेलू कलह के चलते फायर करके अपनी बेटी की हत्या व अपनी पत्नी को घायल करने की वारदात को अंजाम दिया था। मृतक युवती एवं घायल महिला को सिविल हॉस्पिटल झज्जर बहादुरगढ़ पहुंचाया गया। जहां से घायल महिला को उपचार के लिए पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया गया।

खुल गया करतारपुर कॉरिडोर: मोदी ने गुरू नानक जी की जयंती से पूर्व दिया तोहफा

गुरुद्वारा साहिब के दर्शन के लिए रवाना हुए लोग, कल जाएंगे सीएम चन्नी और कैबिनेट मंत्री

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/करतारपुर/नई दिल्ली/भावना शर्मा/- भारत-पाकिस्तान के बीच करतारपुर कॉरिडोर 611 दिनों के बाद बुधवार को फिर खुल गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अथक प्रयास के चलते आखिर गुरू पर्व से पहले करतार पुर कॉरिडोर खुल गया। इसे पीएम के तोहफें के रूप में भी देखा जा रहा है। पहले दिन कॉरिडोर से होकर जा रहे भारतीय श्रद्धालुओं का पाकिस्तानी अधिकारियों और पाकिस्तान गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने स्वागत किया। उन्होंने श्रद्धालुओं को दोबारा कॉरिडोर खुलने पर बधाई दी और फूल बरसाकर अभिनंदन किया। साथ ही फूलों के हार पहनाकर स्वागत किया। वहीं गुरुद्वारा साहिब में संगत को प्रसाद में खजूर और मीठे चावल दिए जा रहे हैं। वहीं मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी भी 18 नवंबर को अपनी सारी कैबिनेट के साथ करतारपुर कॉरिडोर से होते हुए गुरुद्वारा करतारपुर साहिब के दर्शन करने जाएंगे। 19 नवंबर को प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी के 552वें प्रकाश पर्व से पहले कॉरिडोर खुलने के फैसले से पूरे

सिख समुदाय में खुशी है। स्थानीय डेरा बाबा नानक के लोगों में भी खुशी की लहर है। डेरा बाबा नानक के त्रिलोचन सिंह ने कहा कि करतारपुर कॉरिडोर का दोबारा खोला जाना स्वागत योग्य कदम है। लोग दरबार (गुरुद्वारा दरबार साहिब) में माथा टेकने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वहीं, गुरुद्वारा करतारपुर साहिब के दर्शन कर लौटे श्रद्धालुओं जसपाल सिंह, प्रभजोत सिंह और प्रभजोत बिंद्रा ने बताया कि वहां इंतजाम रहे भी बहुत अच्छे रहे। वह पांच मिनट में ही पाकिस्तान बॉर्डर से निकल गए। उन्हें रिसीव करने खुद पाकिस्तान गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के चेयरमैन पहुंचे। करतारपुर साहिब की यात्रा पर जाने के लिए भारतीय श्रद्धालु सबसे पहले निजी वाहन या फिर राज्य परिवहन के माध्यम से डेरा बाबा नानक पहुंच रहे हैं। इसके बाद ही कॉरिडोर के जरिए करतारपुर साहिब तक जा रहे हैं। यहां श्रद्धालु इमीग्रेशन संबंधी आवश्यक वेरिफिकेशन से गुजर कर जीरो लाइन पर एंट्री पॉइंट्स को पैदल क्रॉस कर रहे हैं। पाकिस्तान में पहुंचने पर उन्हें उस पार गुरुद्वारा साहिब तक जाने के लिए विशेष वाहनों की व्यवस्था है। कोरोना महामारी के चलते मार्च 2020 से इस गलियारे को बंद कर दिया गया था। सभी यात्रियों के लिए टीकाकरण और निगेटिव आरटी पीसीआर रिपोर्ट जरूरी है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी श्री गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व 19 नवंबर को श्री करतारपुर साहिब पाकिस्तान में ही मनाएगी।

गुरू पर्व पर प्रधानमंत्री का किसानों को बड़ा तोहफा, तीनों कृषि बिल निरस्त करने की घोषणा

बोले- किसानों को बहुत समझाया लेकिन नही माने तो अब बिल वापिस लेना ही ठीक

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- गुरू पर्व पर राष्ट्र के नाम संबोधन में पीएम मोदी ने बड़ा एलान करते हुए आंदोलनरत किसानों को बड़ा तोहफा दिया। उन्होंने कृषि कानूनों को निरस्त लेने की घोषणा की। पीएम मोदी ने कहा, कृषि में सुधार के लिए तीन कृषि कानून लाए गए थे, लेकिन इसका कुछ किसान संगठनों ने विरोध किया। इतनी पवित्र बात पूर्ण रूप से किसानों के हित की बात हम कुछ किसानों को समझा नहीं पाए। ऐसे में कृषि कानूनों को वापस लेने का फैसला किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को एक बार फिर राष्ट्र को संबोधित किया। पीएम मोदी ने अपने भाषण की शुरूआत गुरुनानक देव की जयंती से की। उन्होंने देशवासियों को प्रकाशपर्व की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान पीएम मोदी ने नए कृषि कानूनों को वापस लेने का एलान किया। केंद्र सरकार बीते साल कृषि क्षेत्र में सुधार के लिए तीन कृषि कानून लाई थी, लेकिन कई किसान संगठन इन कानूनों का लगातार विरोध कर रहे थे। पीएम मोदी ने कहा, कृषि में सुधार और किसानों के हित के लिए तीन कानून लाए गए थे। इन कानूनों से छोटे किसानों को और ताकत मिलती, सालों से ये मांग देश के किसान, विशेषज्ञ और अर्थशास्त्री कर रहे थे। जब ये कानून लाए गए, तो संसद में इस पर खूब चर्चा हुई। देश के किसानों, संगठनों ने इसका स्वागत किया, समर्थन किया। मैं सभी का बहुत आभारी हूं। उन्होंने कहा कि जो कर रहा हूं देश के लिए कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि किसानों का तर्क समझने में कोई कसर बाकी नहीं रखी, फिर भी विश्वास दिलाता हूं और ज्यादा मेहनत करूंगा।

पीएम मोदी ने कहा कि हमारी सरकार किसानों के कल्याण के लिए देश के कृषि जगत के हित में पूर्ण समर्थन भाव से, नेक नियत से ये कानून लेकर आई थी ताकि छोटे किसानों का भला हो सके, लेकिन इतनी पवित्र बात पूर्ण रूप से किसानों के हित की बात हम कुछ किसानों को समझा नहीं पाए, शायद हमारी तपस्या में कहीं कमी रह गई। भले ही किसानों का एक वर्ग इसका विरोध कर रहा था। हमने बातचीत का प्रयास किया, ये मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। जिसके बाद हमने कृषि कानूनों को वापस लेने का फैसला किया।

पीएम मोदी ने आंदोलनकारी किसानों से घर लौटने का आग्रह करते हुए तीनों कानून वापस लेने का एलान किया। उन्होंने कहा कि इस महीने के अंत में संसद सत्र शुरू होने जा रहा है उसमें तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने की संवैधानिक प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। पीएम मोदी ने कहा कि जो कर रहा हूं देश के लिए कर रहा हूं। पीएम मोदी ने कहा, मैं आंदोलन कर रहे किसानों से गुरु पर्व के मौके पर अपील करता हूं कि आप अपने अपने घर लौट जाएं. आप खेतों में लौटें, परिवार के बीच लौटें, आईए मिलकर एक नई शुरूआत करते हैं।

पीएम मोदी ने किसानों की समस्याओं के बारे में विस्तार से चर्चा की। पीएम मोदी ने कहा कि किसानों की परेशानियों को नजदीक से देखा है। किसानों की चुनौतियों को कम करने के लिए कृषि कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।आज देश सपनों को पूरा होते देख रहा है। देश में 100 में से 80 किसान छोटे हैं। 80 फीसदी किसानों के पास 2 हेक्टेयर से कम जमीन है। छोटो किसानों की संख्या 10 करोड़ से ज्यादा। पीएम मोदी ने कहा कि फसल बीमा योजना को प्रभावी बनाया गया। आज छोटे किसानों को फसल बीमा का लाभ मिल रहा है। किसान हित को प्राथमिकता दी गई है।

22 करोड़ किसानों को स्वॉयल हेल्थ कार्ड दिए गए हैं। सरकार ने किसानों से रिकॉर्डतोड़ खरीदारी की है। किसान हित के लिए कई पुराने कानून खत्म किए गए हैं। छोटे किसानों को ताकत देने के लिए सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। पीएम मोदी ने झांसी दौरे से पहले रानी लक्ष्मीबाई की जयंती पर श्रद्धांजलि दी। पीएम मोदी ने ट्वीट किया, मैं रानी लक्ष्मी बाई को उनकी जयंती पर नमन करता हूं। वे भारत के इतिहास में अहम स्थान रखती हैं। उनकी बहादुरी को पीढ़ियों द्वारा कभी नहीं भुलाया जा सकता। इसके अलावा पीएम मोदी ने भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी

आज यूपी में कई योजनाओं की देंगे सौगात

देश के नाम संदेश में पीएम मोदी ने कहा कि किसानों की स्थिति सुधारने के लिए तीन कृषि कानून लाए गए। छोटे किसानों के कल्याण के लिए देश के कृषि जगत की हित में नए कानून लाए हैं। छोटे किसानों के उत्पादन बढ़ाने पर सबसे ज्यादा जोर दिया गया। पीएम मोदी आज से तीन दिन के दौरे पर उत्तर प्रदेश जा रहे हैं। यहां वह कई विकासकार्यों का लाकार्पण और शिलान्यास करेंगे। यूपी के महोबा में सिंचाई परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। इसके बाद शाम को को वे झांसी में राष्ट्र रक्षा समर्पण पर्व में शामिल होंगे।

मनोहर पर्रिकर के बेटे ने भाजपा आलाकमान को दी चेतावनी, पार्टी छोड़ेंगे या रहेंगे

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/गोवा/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर पर्रिकर के बेटे उत्पल पर्रिकर ने गुरुवार को पार्टी को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि आगामी विधानसभा चुनाव में पणजी से उन्हें भारतीय जनता पार्टी ने टिकट नहीं दिया तो उन्हें ह्हकठिन फैसलाह्ह करना होगा। हालांकि, उन्होंने यह भी भरोसा जताया कि बीजेपी उन्हें इस सीट से टिकट जरूर देगी। पूर्व रक्षामंत्री ने इस सीट से 25 साल से अधिक समय तक प्रतिनिधित्व किया।

उत्पल पर्रिकर ने कहा, ह्हमैंने पार्टी को पहले ही कह दिया है कि मैं पणजी से चुनाव लड़ना चाहता हूं और मुझे पूरा विश्वास है कि पार्टी मुझे टिकट देगी।ह्हसीट का प्रतिनिधित्व करने वाले अतानासियो मोनसेरेट, 9 अन्य विधायकों के साथ भाजपा में शामिल हो गए, जिन्होंने कांग्रेस के टिकट पर 2017 का चुनाव जीता था।

उत्पल पर्रिकर से जब यह पूछा गया कि बीजेपी से टिकट नहीं मिलने पर वह क्या करेंगे तो उन्होंने कहा कि यह इस बारे में बात करने का समय नहीं है। उन्होंने कहा, ह्हमुझे अभी उस पर बात करने की जरूरत नहीं है। मनोहर पर्रिकर को उनके जीवन में कुछ आसानी से नहीं मिला। इसी तरह मुझे भी काम करना होगा। मुझे कुछ कठिन फैसला करने पर भी मजबूर किया जा सकता है और मैं शक्ति के लिए पार्थना करता हूं, मुझे ये फैसले लेने हैं ह्ह उन्होंने कहा, ह्हजब फैसला लेने कहा समय आएगा, मैं लोगों की सुनूंगा। मैंने पार्टी से कह दिया है और मुझे विश्वास है कि पार्टी मुझे टिकट देगी। मुझे विश्वास है। वहीं राजनीतिक सूत्रों की माने तो अब भाजपा व उत्पल के आगे एक विकट संकट भी आ गया है। क्योंकि इस सीट पर वर्तमान कांग्रेस विधायक अतानासियो मोनसेरेट, 9 अन्य विधायकों के साथ भाजपा में शामिल हो गए, जिन्होंने कांग्रेस के टिकट पर 2017 का चुनाव जीता था। अब अगर अतानासियों को टिकट नही मिला तो भाजपा के सामने विकट संकट आ जायेगा।

द्वारका स्पेशल टास्क फोर्स पुलिस ने 11 मामलों के वांछित आरोपी को किया गिरफ्तार

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/भावना शर्मा/- द्वारका जिले की स्पेशल टास्क फोर्स पुलिस ने 11 मामलों में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस ने आरोपी की पहचान नदीम खान के रूप में की है। आरोपी उत्तम नगर के शिव विहार इलाके का रहने वाला है आरोपी की गिरफ्तारी से पांच मामलों का भी खुलासा हुआ है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए डीसीपी द्वारका ने बताया कि लगातार पुलिस से बच रहे बदमाश को पकड़ने के लिए एसटीएफ)के इंस्पेक्टर पवन तोमर की देखरेख में एसआई विवेक मेंदोला, हेड कॉन्स्टेबल गंगाधर, कॉन्स्टेबल अनिल, कॉन्स्टेबल आजाद और कॉन्स्टेबल शिंभू की टीम का गठन किया गया था। पुलिस खबरियों के माध्यम से आरोपी के बारे में जानकारियों को जुटाने में लग गई. जिसमें उन्हें पता चला कि आरोपी गांजे का एडिक्ट है। अक्सर अपने घर के पास पार्क में गांजा पीने के लिए पहुंचता है। पुलिस टीम ने कई दिनों तक लगातार आजाद पार्क में निगरानी करने लगी।

इस दौरान आरोपी की टेक्निकल सर्विलांस से भी पता लगाने की कोशिश की गई। आखिरकार पुलिस की मेहनत रंग लाई और पुलिस ने 18 नवंबर को उसे आजाद पार्क से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने बताया कि अपने सहयोगी राजा के साथ मिल कर चोरी, लूटपाट, वाहन चोरी व ड्रगिंग जैसी वारदातों को अंजाम देने की बात बताई। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने शिव विहार, गंदा नाला के पास से चोरी की एक स्कूटी और दो ई रिक्शा बरामद की गयी। पुलिस इस मामले में आगे की जांच में जुट कर उसके सहयोगी की तलाश कर रही है ताकि और मामलों का खुलासा हो सके।

'किसानों पर दर्ज केस वापिस करवाने के लिए करेंगे केंद्र से बातचीत'

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/चंडीगढ़/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने तीन नए कृषि कानूनों को वापस लेने के फैसले का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया है। साथ ही उन्होंने कहा कि आंदोलन के दौरान हरियाणा, पंजाब, दिल्ली में दर्ज मामलों को वापस लेने के लिए वे केंद्र सरकार से बातचीत करेंगे। डिप्टी सीएम शुक्रवार को नई दिल्ली स्थित जननायक जनता पार्टी के केंद्रीय कार्यालय पर पत्रकारों से रूबरू थे। डिप्टी सीएम ने कहा कि आंदोलन के दौरान लोगों पर दर्ज हुए केस, इनमें जो गैर घातक गतिविधि के मामले है, उन्हें वापस करवाने का प्रयास रहेगा। उन्होंने कहा कि पंजाब, हरियाणा, दिल्ली में दर्ज जो मामले ज्यादा संगीन नहीं है, उन्हें वापस लिया जाने चाहिए और जो मामले संगीन है उन पर कोर्ट फैसला करें। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि वे इसके लिए केंद्र से बातचीत करेंगे। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि पावन प्रकाश पर्व पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों के लंबे संघर्ष को देखते हुए सराहनीय निर्णय लिया है और यह किसानों के संघर्ष की जीत है। उन्होंने केंद्र से उम्मीद जताई की कि केंद्र सरकार कृषि क्षेत्र से जुड़ी अन्य समस्याओं को दूर करके किसानी को और बेहतर, फायदेमंद बनाने की दिशा में कार्य करेगी। उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि किसानों का यह संघर्ष इसलिए भी लंबा चला क्योंकि कानूनों के लाभ के बारे अच्छे से प्रचार नहीं हो पाया और इसकी वजह से इन नये कानूनों की छवि कठोर कानून के रूप में बन गई। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि यह बात स्वयं प्रधानमंत्री ने मानी कि कानूनों को लेकर समझाने में कमी रही और इसके लिए उन्होंने माफी भी मांगी, जो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बड़प्पन को दिखाता हैं।

किसान आंदोलन के अभी खत्म होने के आसार नही, कहा मोदी पर भरोसा नही

-अब ऐलान व भरोसे पर नई सियासत शुरू, नई बिसात बिछाने के चक्कर में किसान नेता

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/टिकरी बार्डर/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- पिछले एक साल से दिल्ली की सीमाओं पर आंदोलनरत किसान अभी भी आंदोलन खत्म करने के मूड में नही दिखाई दे रहे है। किसानों की माने तो उन्हे पीएम मोदी पर भरोसा नही है। जिसे देखकर लगता है कि अब दिल्ली की सीमाओं पर एक नया मोर्चा शुरू होने जा रहा है जिसकी बिसात ऐलान व भरोसे की सियासत पर बिछ गई है।

राजनीतिक जानकारों की मानें तो प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अचानक तीनों कृषि कानूनों को निरस्त करने से विपक्ष व तथाकथित किसान नेताओ की राजनीति पूरी तरह से खत्म हो गई हैं। इन बिलों के निरस्त होने से किसान नेताओं को कुछ भी हाथ नही लगा। वो यहां पैसे व जन नेता बनने आये थे लेकिन अब खाली हाथ जाना उन्हे रास नही आ रहा है जिसकारण अब उक्त किसान नेता किसान आंदोलन की नई बिसात बिछाने के लिए नये सिरे से मंथन कर रहे है। जिसे देखते हुए अब किसान नेता कह रहे हैं कि संसद में कृषि कानून रद्द होने के बाद भी

किसानों का आंदोलन जारी रह सकता है। दरअसल, राकेश टिकैत ने साफ-साफ कहा कि सरकार अब एमएसपी पर भी बातचीत करे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी गुरू नानक देव जी के जन्मदिन को विशेष और खास दिन बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

उन्होंने सालभर से चली आ रही किसानों की नाराजगी को दूर करने की कोशिश की और अन्नदाताओं को हुई दिक्कतों पर क्षमा मांगते हुए तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने का एलान कर दिया। किसान संगठनों व किसानों ने इस फैसले का स्वागत किया, लेकिन किसान नेताओं ने अलग ही राग अलापते हुए कहा कि उन्हे मोदी पर भरोसा नही है जब तक केंद्र सरकार संसद में इन बिलों को निरस्त करने का बिल पास नही करती तब तक किसानों का आंदोलन खत्म नही होगा। किसान नेता राकेश टिकैत ने तो इसके बाद एमएसपी समेत किसानों की अन्य मांगों का मसला भी उठा दिया। अब सवाल यह उठता है कि पीएम मोदी के एलान के बाद भी क्या किसान आंदोलन खत्म नहीं होगा? क्या यह पीएम मोदी का मास्टरस्ट्रोक साबित होगा?

नजफगढ़ में गृह राज्यमंत्री ने सीआईएसएफ के हाउसिंग कॉम्लेक्स का किया उदघाट्न

इस हाउसिंग काम्प्लेक्स में दिल्ली मेट्रो की ब्लू, ग्रीन, ग्रे और मैजेंटा लाइनों में तैनात सीआईएसएफ के 768 कर्मियों को मिलेंगे घर

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- नजफगढ़ के बापरौला इलाके में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने सीआईएसएफ कर्मियों के लिए हाउसिंग काम्प्लेक्स का उदघाट्न किया.। यह हाउसिंग काम्प्लेक्स दिल्ली मेट्रो की ब्लू, ग्रीन, ग्रे और मैजेंटा लाइनों में तैनात सीआईएसएफ के 768 कर्मियों के लिए होगा। इस मौके पर नीना सिंह, एडीजी (मुख्यालय), एनजी गुप्ता, आईजी (एनसीआर), उदयन बनर्जी आईजी (एडमिन), जितेंद्र राणा, डीआईजी (डीएमआरसी) और सीआईएसएफ, दिल्ली मेट्रो और डीएसआईआईडीसी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। उदघाट्न समारोह में एडीजी (मुख्यालय) नीना सिंह और सीआईएसएफ के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय का स्वागत किया और हाउसिंग काम्प्लेक्स और सीआईएसएफ कर्मियों के कल्याण के लिए किए जा रहे अन्य प्रयासों के बारे में जानकारियां दी। इस मौके पर नित्यानंद राय ने ड्यूटी के दौरान सीआईएसएफ कर्मियों द्वारा किए गए योगदान और बलिदान की सराहना की। उन्होंने सशस्त्र बलों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के कर्मियों के लिए प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सरकार द्वारा

कल्पना की गई कई कल्याण कार्यक्रमों को भी दोहराया। उन्होंने कहा कि सरकार सशस्त्र बलों और पुलिसकर्मियों सहित उनके परिवारों के लिए बेहतर सुविधाओं के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध और सक्रिय रूप से लगी हुई है। पहले फेज में गृह मंत्रालय ने सीआईएसएफ कर्मियों की इन 768 आवासीय इकाइयों के लिए लगभग 133 करोड़ रुपये स्वीकृत किए थे और बापरोला में ही अतिरिक्त 312 आवासीय इकाई के लिए 54 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। गृह राज्यमंत्रीगृह राज्यमंत्रीइस दौरान उन्होंने एक जिम्नैजियम, डिस्पेंसरी, पुलिस कैंटीन, कौशल विकास केंद्र और क्रेच का भी उदघाट्न किया। जो परिसर में रहने वाले परिवारों के लिए होगा. उन्होंने इस अवसर पर एक पौधा भी लगाया और स्वच्छ और हरित पर्यावरण का संदेश दिया।

स्वच्छता में इंदौर का पंच, लगातार पांचवी बार देश का सबसे स्वच्छ शहर बना

इस बार इंदौर को मिलेंगे तीन और पुरस्कार, दिल्ली में होगी घोषणा

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/इदौर/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- स्वच्छता सर्वेक्षण के परिणाम शनिवार को घोषित होंगे। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में कार्यक्रम होगा। इंदौर को लगातार पांचवीं बार देश का सबसे स्वच्छ शहर घोषित किया जाएगा। सफाई में नंबर वन का पुरस्कार इंदौर को मिलेगा। साथ ही पहली बार केंद्र सरकार ने सफाई मित्र चैलेंज पुरस्कार घोषित किया था, वह भी इंदौर के खाते में जाएगा। फाइव स्टार कैटेगरी अवार्ड सहित कुल तीन

पुरस्कार इंदौर को मिलेंगे।

अब तक इंदौर चार बार लगातार देश का सबसे स्वच्छ शहर रहा है। चारों बार इंदौर को सफाई में नंबर वन का पुरस्कार मिला है। इसके पीछे इंदौर नगर निगम और सफाई मित्रों की दिन-रात की मेहनत है। पुरस्कारों की घोषणा 20 नवंबर को होगी। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस बार इंदौर की झोली में तीन पुरस्कार आएंगे। सफाई में नंबर वन का पुरस्कार तो मिलेगा ही, साथ में सफाई मित्र चैलेंज पुरस्कार और फाइव स्टार कैटेगरी का पुरस्कार भी मिलेगा। सरकार द्वारा हर साल सेवन स्टार रैंकिंग दी जाती है। इस बार फाइव स्टार दिए जाएंगे। सफाई मित्र चैलेंज पुरस्कार के तहत 12 करोड़ रुपये की राशि मिलेगी। पुरस्कार लेने के लिए मंत्री, विधायक, संभागायुक्त, कलेक्टर और निगमायुक्त शुक्रवार रात को दिल्ली रवाना हो जाएंगे।

स्वच्छ भारत मिशन के तहत घोषित परिणामों का शनिवार को सीधा प्रसारण होगा। इसके लिए इंदौर में खास व्यवस्था की गई है। इंदौर निवासी अलग-अलग जगहों पर देख सकते हैं। खजराना गणेश मंदिर, रणजीत हनुमान मंदिर, राजबाड़ा, पलासिया सेल्फी पाइंट, मेघदूत उपवन,राजेंद्र नगर रेलवे स्टेशन के पास, इंदौर नगर निगम,मूसाखेड़ी चौराहा, मरीमाता चौराहा, कालानी नगर में लाइव प्रसारण देखा जा सकता है। समय सुबह 11 से दोपहर 1.30 बजे तक रहेगा।

केजरीवाल की शराब नीति के खिलाफ भाजपा का सांकेतिक धरना

नजफगढ़ में भाजपा ने विधानमंडल स्तर पर दिल्ली गेट पर किया धरना-प्रदर्शन

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नजफगढ़/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- दिल्ली में केजरीवाल की शराब की आबकारी नीति पर भाजपा ने सवाल खड़े करते हुए शराब नीति के खिलाफ एक दिन का विधानमंडल स्तर पर सांकेतिक धरना-प्रदर्शन किया। नजफगढ़ में भी निगम जोन चेयरमैन सत्यपाल मलिक के नेतृत्व में दिल्ली गेट पर आम आदमी पार्टी की शराब नीति के खिलाफ एक दिन का सांकेतिक धरना-प्रदर्शन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर निगम जोन चेयरमैन सत्यपाल मलिक के साथ-साथ दिचाउं वार्ड की पार्षद नीलम

कृष्ण पहलवान, नजफगढ़ की पार्षद मीना तरूण यादव, जिला प्रभारी रवि त्यागी, भाजपा नेता अजीत खड़खड़ी, जगबीर दिचाउं, बांके पहलवान, मुकेश देशवाल, हरेन्द्र सिंघल, विजय चौहान, मुनेश यादव, शालु सिंघल, रवि छिकारा व राजेश सौलंकी उपस्थित रहे। शुक्रवार को दिल्ली गेट पर भाजपा विधानमंडल कार्यकारिणी के सांकेतिक धरना-प्रदर्शन में बोलते हुए नजफगढ़ निगम जोन चेयरमैन सत्यपाल मलिक ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल दिल्ली के लोगों का जीवन नरक बनाना चाहती है। केजरीवाल का मानना है कि लोगों को शराब पिलाकर सत्ता हासिल की जा सकती है। लेकिन मै कहना चाहता हूं कि नजफगढ़ देहात का वातावरण सदभावनापूर्ण रहा है लेकिन सरकार इस माहौल को बिगाड़ना चाहती है। केजरीवाल ने दिल्ली में खासकर नजफगढ़ देहात में नये स्कूल, कॉलेज, स्वास्थ्य सेवाओं में विस्तार, शिक्षा सुविधाओं व खेल सुविधाओं को बढ़ाने का ऐलान किया था लेकिन केजरीवाल अब नजफगढ़ देहात में शराब का कारोबार फैलाकर लोगों को नशे में डुबोना चाहती है। केजरीवाल के इस निर्णय का भाजपा पूरजोर विरोध करेगी और नजफगढ़ के माहौल को किसी भी सूरत पर बिगड़ने नही देगा। वहीं पूर्व विधायक अजीत खड़खड़ी ने कहा कि केजरीवाल अब शराब के सहारे अपनी सत्ता चलाने का सपना देख रहे है। आम आदमी पार्टी ने जो सपने लोगों को दिखाये थे उन्हे पूरा करने की बजाये अब केजरीवाल सत्ता सुख में पूरी तरह से डूब गये है और सत्ता के नशे में यह भी भूल गये कि राज नशाखोरी से नही विकास कार्यों के आधार पर चलाया जाता है। शराब ने पहले ही लोगों के घर उजाड़े है अब केजरीवाल उन्हे पूरी तरह से बर्बाद करना चाहते हैं।

बड़े भाई वाले बयान पर फंसे सिद्धू, भाजपा ने कहा कांग्रेस की सोची-समझी साजिश

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/करतारपुर/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- करतारपुर में इमरान खान को बड़ा भाई कहने वाले बयान पर सिद्धू बुरी तरह से फंस गये है। खुद कांगेस ही अब यह सोचने पर मजबूर हो गई है कि नवजोत सिंह सिद्धू कहीं यह सब जानबूझकर तो नही कर रहे है। क्योंकि पंजाब के चुनाव सिर पर है और सिद्धू के इस बयान ने विपक्ष को एक नया सियासी हथियार थमा दिया है।

करतारपुर साहिब की यात्रा पर पाकिस्तान गए नवजोत सिंह सिद्धू की बयानबाजी पर सियासत शुरू हो गई है। सिद्धू के इस बयान पर भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि सिद्धू ने एक बार फिर अपना पाकिस्तान प्रेम दिखाया है। वे हमेशा पाकिस्तान का गुणगान करते रहते हैं। पात्रा ने कहा कि यह कांग्रेस की सोची-समझी साजिश है। बता दें कि शनिवार को सिद्धू ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान को अपना

बड़ा भाई बताया है। उन्होंने कहा कि इमरान ने उन्हें बहुत प्यार दिया है।

वही कांग्रेसी सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि इमरान खान किसी का बड़ा भाई हो सकता है लेकिन भारत के लिए वह पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी ेप् और सेना के गठजोड़ की कठपुतली है। जो पंजाब में ड्रोन के जरिए हथियार और नशा भेज रहा है। इसके अलावा वह रोजाना जम्मू कश्मीर में स्ब् पर आतंकवादियों को भेज रहा है। उन्होंने सिद्धू से पूछा कि क्या हम पुंछ में हमारे सैनिकों की शहादत को इतनी जल्दी भूल गए।

अकाली नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि नवजोत सिद्धू ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान को आज फिर अपना बड़ा भाई बताया। एक ऐसे देश के प्रधानमंत्री को जो सीमा पर रोज हमारे सैनिकों को मारने का हुक्म देता है। हमारे कितने सैनिक शहीद हो चुके हैं। नवजोत सिद्धू को उस मां से पूछना चाहिए, जिसका बेटा बॉर्डर पर शहीद होकर आता है। इसके बावजूद मां कहती है कि मैं देशभक्त हूं और दूसरे बच्चे को भी सीमा पर भेजूंगी। दूसरी तरफ एक देश का चुनाव हुआ प्रतिनिधि देश के साथ गद्दारी कर दुश्मन को अपना भाई बताता है। यह देश के साथ गद्दारी है। ऐसे चुने हुए प्रतिनिधि के खिलाफ सरकार को कार्रवाई करनी चाहिए और सैनिकों को भी कहना चाहिए कि हम ऐसे गद्दारों को सुरक्षा नहीं देंगे। भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि राहुल गांधी के फेवरेट नवजोत सिद्धू ने पाकिस्तान के पीएम इमरान खान को बड़ा भाई कहा। पिछली बार उन्होंने पाक आर्मी चीफ जनरल बाजवा को गले लगाया था। उन्होंने कहा कि क्या अब यह कोई सरप्राइज है कि गांधी भाई-बहन ने पूर्व फौजी कैप्टन अमरिंदर सिंह के ऊपर पाकिस्तान प्रिय नवजोत सिद्धू को चुना। पाकिस्तान ने भी सिद्धू के करतारपुर पहुंचने पर शाही स्वागत करते हुए फूल बरसाये। पाकिस्तान की धरती पर कदम रखते ही उन पर फूलों की वर्षा की गई। इसके बाद करतारपुर साहिब के सीईओ मुहम्मद लतीफ ने उनका स्वागत किया। उन्होंने कहा कि पूरा पाकिस्तान आपका स्वागत करता है। हम लंबे समय से इस दिन का इंतजार कर रहे थे। इसी बात पर सिद्धू ने कहा कि इमरान मेरे बड़े भाई हैं। उन्होंने मुझे बहुत प्यार दिया है। इसके बाद माला पहनाकर सिद्धू का स्वागत किया गया। इससे पहले भी सिद्धू की पाकिस्तानी पीएम इमरान खान से नजदीकी पहली बार नहीं है। वे इमरान खान के शपथ ग्रहण समारोह में भी पहुंच गए थे। वहां पर उन्होंने पाक आर्मी चीफ कमर बाजवा को गले लगा लिया था। इसके बाद वे करतारपुर कॉरिडोर खोलने को लेकर पाकिस्तान में हुए कार्यक्रम में भी हिस्सा लेने गए थे। हालांकि सिद्धू के समर्थकों का कहना है कि दोनों ने एक साथ क्रिकेट खेला, इसलिए इस रिश्ते को राजनीतिक या भारत-पाक के बीच के तल्ख रिश्तों से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए।

पंजाब में तेजी से बदल रही राजनीतिक फिजा, मोदी की तारीफ में गढ़े जा रहे कसीदे

-जहां दो दिन पहले तक भाजपा व मोदी का नाम कोई सुनना पसंद नही करता था वहीं अब होने लगी बात

-मोदी के मास्टरस्ट्रोक ने कांग्रेस, बसपा, आम आदमी पार्टी व अकाली दल की निकाली हवा

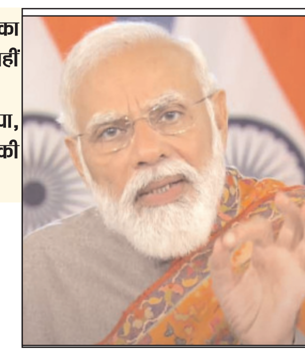

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/अमृतसर/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- कुछ दिन पहले तक पंजाब में मोदी व भाजपा का नाम लेने वाला तक कोई नही था वहीं मोदी के मास्टरस्ट्रोक के चलते अब पंजाब के गांवों में भाजपा की एक बार फिर एंट्रीः हो गई है। गुरूनानक देव जी के प्रकाश पर्व पर मोदी जी ने कृषि बिलों को वापिस लेकर ऐसा मास्टरस्ट्रोक मारा की प्रदेश में कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, अकाली दल व बसपा की हवा निकल गई है। पंजाब में एक बार फिर हर-हर मोदी घर-घर मोदी के नारे लगने लगे हैं। जिसके चलते कैप्टन अमरेन्द्र व अकाली दल ने भाजपा के साथ चुनाव लड़ने की अपनी इच्छा भी जाहिर कर दी है। पंजाब के गांवों में किसान प्रधानमंत्री नरेंद्र सिंह मोदी के ऐलान की तारीफ कर रहे हैं। हालांकि वह साथ ही कह रहे हैं कि फैसला थोड़ी देर से लिया गया। आंदोलन में 800 किसानों की शहादत को भूल नहीं सकते। गांवों में जश्न का माहौल है, कई जगह मिठाई बांटी गई और भांगड़ा भी किया। पंजाब के टोल प्लाजा पर पिछले एक साल से किसान बैठे हैं और अब उम्मीद है कि जल्दी उनकी वापसी होगी। हालांकि अभी भी कुछ किसान इसे किसानों व चुनावों के दबाव में लिया गया फैसला बता रहे है। किसानों का यह भी कहना है कि इसमें कैप्टन अमरेन्द्र सिंह का कोई रोल नही है। यह सिर्फ और सिर्फ किसानों की जीत है। हालांकि कैप्टन अमरेन्द्र सिंह ने भी इस फैसले को लेकर अपना कोई दावा नही किया है बल्कि मोदी जी के फैसले की तारीफ जरूर की है। पंजाब के गांवों में इस फैसले को लेकर राजनीतिक हवा तेजी से बदलने लगी है। लोग भाजपा व मोदी को लेकर अब बात करने लगे है। यह बात और है कि कुछ दिन पहले तक पंजाब में लोग भाजपा व मोदी का नाम सुनना भी पसंद नही करते थे। किसानों की माने तो कुछ समय पहले तक जिन नेताओं से कृषि कानूनों को लेकर सवाल पूछे जाते थे वो अगर कृषि कानून रद्द हो जाते हैं तो हम नेताओं से सवाल पूछना बंद कर देंगे। घेराव भी नहीं होंगे और इससे पंजाब के गांवों का माहौल भी बदल जाएगा। चुनाव सिर पर हैं तो सभी नेता गांवों में आते हैं। लेकिन अब भाजपा नेताओं का घेराव व उनसे सवाल पूछने बंद हो जायेंगे।

किसानों ने मोदी के ऐलान के बाद मिठाई बांटकर जश्न मनाया। हालांकि कई जगह हर-हर मोदी घर-घर मोदी के नारे भी लगे जिससे ये लगने लगा है कि अब भाजपा के पक्ष में पंजाब में तेजी से माहौल बदलने लगा है। करतारपुर कॉरिडोर खोलने व कृषि कानून वापसी का चुनावी मास्टरस्ट्रोक पंजाब में 3 महीने बाद होने वाले चुनाव में भाजपा को बड़ा तोहफा दे सकता है।

पीएम मोदी ने इस ऐलान के लिए गुरु पर्व का दिन चुनकर एक तीर से दो निशाने साधने का प्रयास किया है। भाजपा अभी तक पंजाब में 22 शहरी सीटों पर ही चुनाव लड़ती आ रही है। भ्लेकिन अगर भाजपा के साथ कैप्टन अमरिंदर सिंह आते हैं तो पार्टी के पास किसानों के बीच जाने के लिए एक बड़ा चेहरा होगा। ये चुनाव परिणाम को प्रभावित करेगा। हालांकि पंजाब में 75 प्रतिशत आबादी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से खेती से जुड़ी है। प्रदेश की कुल 117 विधानसभा सीटों में से 40 शहरी, 51 अर्द्धशहरी और 26 ग्रामीण सीटें हैं।

ग्रामीण के साथ अर्द्धशहरी विधानसभा हलकों में किसान वोट बैंक ही हार-जीत में महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। ऐसे में भाजपा का यह मास्टरस्ट्रोक पंजाब चुनाव में पार्टी के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। पंजाब में भौगोलिक एरिया मालवा, माझा और दोआबा क्षेत्र के रूप में बंटा है। मालवा में सबसे ज्यादा 69 विधानसभा हलके हैं। इन सीटों में ही ज्यादातर ग्रामीण हलके हैं, जहां किसान वोट बैंक डिसाइडिंग फैक्टर है। यही इलाका पंजाब में सरकार गठन में निर्णायक भूमिका में है। दोआबा रीजन के 23 हलकों में ज्यादातर दलित वोट बैंक के प्रभाव में है। वहीं माझा के 25 हलकों में अधिकतर सिख बहुल हैं। भाजपा ने गुरुपर्व के अवसर को ऐलान के लिए चुनकर सिख वोट बैंक को भावनात्मक रूप से साथ जोड़ने का दांव खेला है।

कोरोना के प्रति नेहरू युवा केंद्र के वालंटियर कर रहे लोगों को जागरूक

-मॉस्क-सेनेटाइजर का कर रहे वितरण, लोगों को कोरोना नियमों की दिला रहे शपथ

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नजफगढ़/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- नेहरू युवा केंद्र दक्षिण-पश्चिम के वालंटियर कोरोना महामारी को लेकर पूरे जिला में जागरूकता अभियान छेड़े हुए है। जिला के युवा उपनिदेशक सरवेन्द्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में युवा मंडल पूरी सक्रियता के साथ लोगों के बीच जाकर उन्हे कोरोना महामारी से बचाव के तरीके समझा रहे है। इस अभियान में जिले के करीब 50 युवा व महिला मंडल कार्यरत है जो लोगों को मॉस्क व सेनेटाईजर वितरण से लेकर दो गज की दूरी व हाथ धोने के महत्व को समझाने के साथ-साथ उन्हे कोरोना नियमों की शपथ भी दिला रहे है। शनिवार को यूथ ऑफ यंगस्टर फाउंडेशन के करीब 50 युवाओं ने नजफगढ़ में कई जगहों पर व नजफगढ़ फिरनी के चौराहों पर जमा लोगों की भीड़ के बीच जाकर लोगों को समझाया की कोरोना अभी खत्म नही हुआ है और अगर हम ऐसे ही लापरवाही करते रहे तो एक बार फिर महामारी अपनी दस्तक दे देगी। तब हमे ज्यादा मुश्किल होगी। फांउडेशन के अध्यक्ष अमुल्य सिंह ने बताया कि नेहरू युवा केंद्र के कोरोना जागृति अभियान के संदेश को हम पूरे जिले में हर गली मुहल्ले में पंहुचा रहे है। इस अभियान के तहत हमारे युवा वॉलंटियर घरों में जाकर लोगों को मॉस्क व सेनेटाईजर का महत्व समझाते है। इसके साथ ही हमारे कार्यकर्ता लोगों को अभी भी घर से बाहर निकलने पर दो गज की दूरी बनाये रखने व हाथ धोने का महत्व समझाते है। इतना ही नही हम जहां भी लोगों की भीड़ देखते है वहीं लोगों को कोरोना नियमों के पालन करने की शपथ भी दिलाते है। इस अवसर पर जिला एनवाईके उपनिदेशक सर्वेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि कोरोना अभी खत्म नही हुआ है। हमे जितना हो सके इससे बचने के लिए कोरोना नियमों का पालन करना चाहिए। हमारे वालँटियर पूरे जिला में यही संदेश घर-घर तक पंहुचा रहे हैं ताकि कोरोना दोबारा ना फैल सके। मै युवाओं के इस कार्य से काफी अभिभूत हुआ हूं जो अपनी जान की परवाह ना कर दूसरों के लिए प्रेरणा बन रहे हैं।

भारत का नंबर वन थाना बना दिल्ली का सदर बाजार थाना

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नॉर्थ जिला/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- दिल्ली का सदर बाजार थाना सुरक्षा, स्वच्छता व कार्यवाही की कार्यशैली के दम पर भारत का नंबर वन थाना बन गया है। केंद्रीय गृहमंत्रालय ने विधिवत इसकी घोषणा की है। नॉर्थ जिला पुलिस के अधिकारियों ने अपनी इस उपलब्धि का जश्न आम लोगों के बीच मिठाईयां बांटकर मनाया। दरअसल दिल्ली पुलिस हमेशा से अपनी छवि सुधारने में लगी रहती है और न चाहते हुए भी दिल्ली पुलिस विवादों में फंस जाती है।

गुरूग्राम में अभाविप का जिला अभ्यास वर्ग हुआ संपन्न

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/गुरूग्राम/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की गुरुग्राम इकाई का जिला अभ्यास वर्ग शुक्रवार को सेक्टर 09 स्थित सिद्धेश्वर स्कूल में सम्पन्न हुआ।

अभ्यास वर्ग में अभाविप इतिहास एवं विकास, कार्यपद्धति एवं सैद्धान्तिक भूमिका, कार्यप्रणाली एवं सदस्यता विषय पर सत्र आयोजित हुए जिसमें प्रोफेसर दुष्यंत, गौरव कटारिया व आशीष राजपूत ने कार्यकार्यताओं को

विस्तार से बताया। अभ्यास वर्ग में गुरुग्राम के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के छात्रों के साथ साथ सोहना एवं मानेसर के विद्यार्थी सम्मलित हुए। अभ्यास वर्ग के अंतिम सत्र में नगर कार्यकारिणी की घोषणा हुई जिसमें अनेक विद्यार्थियों को दायित्व दिया गया।

फिरौती मांगने व जान से मारने की धमकी देने के मामले का दूसरा आरोपी गिरफ्तार

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/बहादुरगढ़/शिव कुमार यादव/- थाना शहर बहादुरगढ़ के अंतर्गत पुलिस चौकी सेक्टर 9 बहादुरगढ़ के एरिया में स्थित एक दुकानदार को जान से मारने की धमकी देते हुए फिरौती मांगने के मामले में वांछित दूसरे आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

मामले की जानकारी देते हुए पुलिस चौकी प्रभारी सेक्टर 9 बहादुरगढ़ सहायक उप निरीक्षक पवन कुमार ने बताया कि जान से मारने की धमकी देकर फिरौती मांगने व अन्य अपराधिक मामलों में वांछित दूसरे आरोपी को

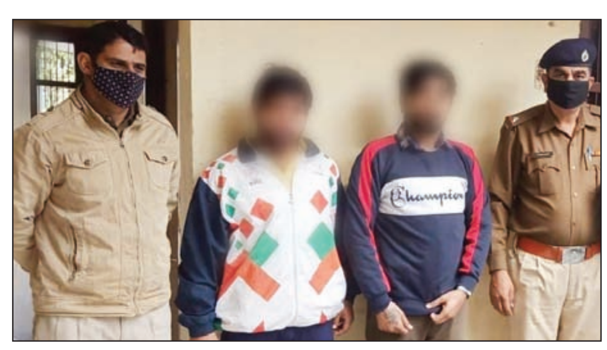

गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की गई है। उन्होंने बताया कि सुधीर निवासी जिला इटावा उत्तर प्रदेश हाल शास्त्री नगर बहादुरगढ़ ने शिकायत देते हुए बताया था कि उसने एल्युमिनियम व शीशे की दुकान किराए पर ले रखी है। 04 नवंबर 2021 की रात को दो लड़के उसके कमरे पर आए। उसे धमकाते हुए डेढ़ लाख रुपए की फिरौती मांगी गई। फिरौती न देने पर उसे जान से मारने की धमकी दी गई। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए थाना शहर बहादुरगढ़ में अपराधिक मामला दर्ज किया गया। उपरोक्त मामले पर गहनता से कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने बताया कि अपराधिक मामलों की सुचना पर तत्परता से कार्रवाई करने व वांछित दोषियों को गिरफ्तार करने के सम्बन्ध में एसपी श्री वसीम अकरम द्वारा कड़े दिशा निर्देश दिए गए थे। एसपी श्री वसीम अकरम के दिशा निर्देशांनुसार मुस्तैदी से कार्रवाई करते हुए उपरोक्त मामले मे वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। थाना शहर बहादुरगढ़ के अंतर्गत पुलिस चौकी सेक्टर 9 बहादुरगढ़ सहायक की टीम द्वारा उपरोक्त मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को बराही रोड बहादुरगढ़ के एरिया से गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए आरोपी की पहचान वासु उर्फ रितिक निवासी बराही रोड बहादुरगढ़ के तौर पर हुई। पकड़े गए आरोपी से प्राथमिक पूछताछ में फिरौती मांगने की उपरोक्त वारदात व अन्य आपराधिक वारदातों का खुलासा हुआ। आरोपी के खिलाफ कार्रवाई

वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड लंदन ने दीपक छिल्लर को किया सम्मानित

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/बहादुरगढ़/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- स्वास्थ्य हेल्थ फिटनेस और सामाजिक मुहीम जगाने के साथ वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड लंदन ने दीपक छिल्लर को सम्मानित किया है। दीपक छिल्लर ने इस उपलब्धि से बहादुरगढ़ के साथ-साथ देश का नाम फिर से रोशन किया है। लोगों ने व खेल ग्रुपों ने दीपक छिल्लर की इस उपलब्धि पर उन्हे बधाई दी है।

यहां बता दें कि दीपक छिल्लर ने साइरन के साथ मिलकर 15 अगस्त को इंडिया रनिंग डे पर इंडिया फ्लैग के साथ भाग ले कर वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड लंदन के समारोह में अपना नाम दर्ज करवाया था। लोगों को जागरूक करने और फिटनेस आइकन अवार्ड दीपक छिल्लर के नाम पहले से ही दर्ज है। दीपक छिल्लर को देश में होने वाली अलग अलग राज्य मे मैराथन मे एक राजदूत, प्रेरक, पेसर के रूप में मैराथन मे बुलाते रहते हैं। बीआरजी ग्रुप के सभी धावको ने और बहादुरगढ़ शहर के लोगो ने दीपक को बधाई दी।

द्वारका में ड्रग्स व अवैध विदेशियों के गठजोड़ को तोड़ने में जुटी पुलिस

-द्वारका एंटी नारकोटिक्स सेल व मोहन गार्डन पुलिस कर रही इस गठजोड़ के खिलाफ गहनता से जांच व कड़ी कार्यवाही

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/शिव कुमार यादव/- द्वारका पुलिस जिला के मोहनगार्डन थाना क्षेत्र में अवैध विदेशी नागरिक व उनका ड्रग्स कनेक्शन न केवल पुलिस के लिए बल्कि स्थानीय नागरिकों के लिए परेशानी का कारण बन रहा है। आये दिन पुलिस अवैध विदेशियों को पकड़ कर जहां उन्हे डिपोर्ट कर रही है वहीं उनके ड्रग्स गठजोड़ को भी तोड़ने में जुटी है। हालांकि अभी तक जांच में जो तथ्य सामने आये है वो चौंकाने वाले हैं। मोहन गार्डन में रहने वाले अधिकतर विदेशी नागरिकों के तार किसी न किसी तरह से ड्रग्स सप्लाई से जुड़े मिले है। जिनके खिलाफ अब द्वारका जिला नारकोटिक्स सेल व मोहन गार्डन पुलिस ने पूरे जोर-शोर से कार्यवाही व जांच शुरू कर दी है। अपनी कार्यवाही में अब तक पुलिस काफी संख्या में अवैध विदेशियों को पकड़कर डिपोर्ट कर चुकी है और भारी मात्रा में ड्रग्स बरामद कर चुकी है। पुलिस की इस कार्यवाही से अब अवैध विदेशी नागरिक व ड्रग्स गठजोड़ अब टूट रहा है। पुलिस की इस कार्यवाही की स्थानीय लोग भी अब प्रशंसा कर रहे हैं। द्वारका जिला में डीसीपी शंकर चौधरी द्वारा

चलाये जा रहे वर्चस्व अभियान के अब सार्थक परिणाम सामने आने लगे हैं। कुछ समय पहले तक द्वारका जिला को अपराधियों का गढ़ माना जा रहा था और करीब-करीब हर दूसरे दिन कहीं न कहीं गोली चलने व हत्या के मामले सामने आ रहे थे। लेकिन फिर द्वारका जिला ने वर्चस्व अभियान शुरू कर अपराधियों पर शिकंजा कसना शुरू किया हालांकि अभियान की शुरूआत भी कुछ अच्छी नही रही थी और चार ऐसी वारदाते सामने आई थी जिससे इस अभियान व सवालिया निशान लगना शुरू हो गया था। लेकिन फिर इसके बाद एक के बाद एक मुठभेड़ के मामले सामने आये और पुलिस ने अपराधियों को धड़ाधड़ पकड़ना शुरू कर दिया। ठीक इसी तरह मोहन गार्डन में भी विदेशी नागरिक व ड्रग्स का गठजोड़ भी पुलिस के लिए परेशानी का कारण बनी हुई थी जिसपर डीसीपी द्वारका ने एक्शन लेते हुए पुलिस टीमों को विदेशियों के वैध कागजात व्यापक तौर पर जांचने के आदेश दिये तथा एंटी नारकोटिक्स सेल, स्पेशल स्टाफ टीम, एएटीएस टीम व स्थानीय थाना पुलिस को इस काम के लिए लगाया गया था। यहां यह भी बता दें कि जैसे ही विदेशी नागरिकों की धरपकड़ शुरू हुई थी तो मोहनगार्डन थाने पर विदेशियों ने हमला भी बोला था। जिसके बाद पुलिस ने व्यापक रूप से क्षेत्र में कार्यवाही शुरू की और अभी तक करीब 100 विदेशियों को पुलिस अवैध वीजा व पासपोर्ट के मामले में डिपोर्ट कर चुकी है।

अब राहगीरी से निकलेगी प्रदूषण की काट

-दिल्ली सरकार अब एनजीओ के सहारे लडेगी प्रदुषण के खिलाफ जंग-पटपड़गंज के बाद अब नजफगढ़ में राहगीरी के माध्यम से लोगों को प्रदूषण के खिलाफ किया गया जागरूक

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नजफगढ़/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- विज्ञापन नीति पर किरकिरी के बाद अब दिल्ली सरकार गैर सरकारी संगठनों के साथ मिलकर दिल्ली की आबोहवा को सुधारने की तैयारी कर रही है। जिसके तहत रविवार को नजफगढ़ में राहगीरी के माध्यम से प्रदुषण के खिलाफ जंग लड़ने की कोशिश कर रही है। यानी अब दिल्ली में योजनाओ के माध्यम से नही राहगीरी के तहत प्रदुषण की काट निकालेगी। इसके लिए दिल्ली सरकार ने पूरी तैयारी कर ली है और पटपड़गंज के बाद पहली बार नजफगढ़ में भी राहगीरी के तहत प्रदुषण के खिलाफ जागरूकता अभियान की शुरूआत की है जिसमें दिल्ली के परिवहन मंत्री व स्थानीय विधायक कैलाश गहलोत ने अपनी सक्रिय भूमिका निभाई है। इस अवसर पर डीडीसीए के अधिकारी जैसमीन शाह, नजफगढ़ एसडीएम अमित काले, राहगीरी फाउंडेशन की सारिका सिंह, श्रीराम पब्लिक स्कूल की निदेशक प्रेमवती गहलोत व कार्यक्रम की संचालक कृष्णा वर्मा के साथ-साथ नजफगढ़ क्षेत्र से काफी संख्या में बच्चो, युवाओं, बुजुर्गो व महिलाओं ने भी भाग लिया। कार्यक्रम में राहगीरी फाउंडेशन व जागोरी की टीम के साथ-साथ कई सरकारी व गैरसरकारी संस्थाओं ने भी भाग लिया और दिल्ली देहात के लोगों को प्रंदुषण के खिलाफ जागरूक किया। राहगीरी के तहत कार्यक्रम का आयोजन सुबह आठ बजे से लेकर दोपहर दो बजे तक नजफगढ़ मित्राऊं रोड़ पर विधायक कार्यालय के सामने किया गया। जिसमें एक तरफ की सड़क को बंद कराकर गैरसरकारी संस्थाओं व स्कूली बच्चों ने सड़क पर रंगों के माध्यम

से प्रदुषण के खिलाफ स्लोगन व चित्रकारी बनाई। कुछ जगहों पर बच्चे सड़क पर बैडमिंटन, कैरम व शतरंज खेलते भी नजर आये। वहीं कुछ जगहों पर बच्चे साइकलिंग व दौड़ लगाते भी दिखे। उधर राहगीरी मंच पर फाउंडेशन के कार्यकताओं ने पंजाबी गानों की धुन पर बच्चो व युवाओं को फिटनेस के तरीके बताये। ठीक सवा नो बजे मुख्यअतिथि परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत अधिकारियों के साथ साइकिल चलाते हुए मंच पर आये। इस दौरान लोगों ने मंत्री जी के साथ भारत माता की जय के नारे भी लगाये।

मंच से लोगों को संबोधित करते हुए मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा कि जिस समय राहगीरी के आयोजन को लेकर मीटिग चल रही थी तो उसमें यह फाइनल हुआ था कि इस बार राहगीरी का प्रोग्राम नजफगढ़ में किया जाये। हालांकि नजफगढ़ को लेकर कुछ असमंजस जरूर था लेकिन उन्होने कहा कि जो जोश नजफगढ़ के लोगों में है उतना जोश पूरी दिल्ली में नही है। उन्होने कहा कि आज नजफगढ़ मे पहली बार ऐसा आयोजन हो रहा है जो इससे पहले साउथ दिल्ली व नई दिल्ली में ही होता आया है।

दिल्ली सरकार ने इससे पहले पटपड़गंज में राहगीरी का प्रोग्राम करवाया था और आज दूसरा प्रोग्राम नजफगढ़ में हो रहा है। उन्होने कहा कि सड़के सिर्फ वाहनों के चलने के लिए नही है इन पर चलने का पहला हक पैदल चलने वालों का है। हमे आज सबसे ज्यादा राहगीरों की सुरक्षा पर ध्यान देना है। उन्होने दिल्ली में बढ़ते प्रदुषण को रोकने के लिए क्षेत्रवासियों से वाहन छोड़कर साइकिल पर चलने की अपील की। निजी वाहन छोड़कर सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था या फिर शेयर योर कार योजना अपनाने के लिए कहा ताकि कम वाहन सड़कों पर निकले और प्रदुषण पर रोक लगाई जा सके। उन्होने कहा कि प्रदुषण कम करना सिर्फ सरकार की ही जिम्मेदारी नही है हमे भी इसके लिए काम करना चाहिए।

रक्षा निर्माण को मिली नई उड़ान - रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

म्यूनिशंस इंडिया लिमिटेड (एमआईएल) मुख्य रूप से विभिन्न क्षमता वाले गोला-बारूद और विस्फोटकों के उत्पादन से जुड़ी होगी। बख्तरबंद वाहन कंपनी (अवनी) मुख्य रूप से टैंक और बारूदी सुरंग रोधी वाहन (माइन प्रोटेक्टेड व्हीकल) जैसे युद्ध में इस्तेमाल होने वाले वाहनों के उत्पादन में संलग्न होगी और इसके द्वारा अपनी क्षमता का बेहतर इस्तेमाल करते हुए घरेलू बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की उम्मीद है। यही नहीं, यह नए निर्यात बाजारों में भी पैठ बना सकती है। उन्नत हथियार एवं उपकरण (एडब्ल्यूई इंडिया) मुख्य रूप से तोपों और अन्य हथियार प्रणालियों के उत्पादन में संलग्न होगी।

किसी भी बड़े सुधार की शुरूआत करने और उसे अंजाम तक पहुंचाने के लिए धैर्य, प्रतिबद्धता तथा संकल्प की आवश्यकता होती है। हितधारकों की प्रतिस्पर्धी आकांक्षाओं को पूरा करते हुए यथास्थिति में बदलाव के लिए सूक्ष्म संतुलित प्रयास आवश्यक हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में हमारी सरकार ऐसे मजबूत निर्णय लेने और महत्वपूर्ण सुधार करने में कभी नहीं हिचकिचाती, जो लाभदायक होने के साथ-साथ राष्ट्र के दीर्घकालिक हित में हों।

रक्षा में आत्मनिर्भरता, भारत की रक्षा उत्पादन नीति की आधारशिला रही है। सरकार द्वारा हाल में ह्यआत्मनिर्भर भारतह्न के आह्वान से इस लक्ष्य की प्राप्ति को और गति मिली है। भारतीय रक्षा उद्योग मुख्य रूप से सशस्त्र बलों की जरूरतों को पूरा करता है और इसने बाजार तथा विभिन्न उत्पादों के साथ स्वयं को भी विकसित किया है। निर्यात में हाल की सफलताओं से प्रेरित होकर भारत एक उभरते हुए रक्षा विनिर्माण केंद्र के रूप में अपनी क्षमता के अनुरूप कार्य करने के लिए तैयार है। हमारा लक्ष्य सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से निर्यात सहित बाजार तक पहुंच के साथ-साथ डिजाइन से लेकर उत्पादन तक भारत को रक्षा क्षेत्र के मोर्चे पर दुनिया के शीर्ष देशों में स्थापित करना है।

वर्ष 2014 के बाद से भारत सरकार ने रक्षा क्षेत्र में कई सुधार किए हैं, ताकि निर्यात, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और स्वदेशी उत्पादों की मांग को प्रोत्साहन देने के लिए एक अनुकूल तंत्र तैयार किया जा सके। आयुध निमार्णी बोर्ड, रक्षा मंत्रालय के अधीन था, जिसे शत-प्रतिशत सरकारी स्वामित्व वाली सात नई कारपोरेट संस्थाओं में बदलने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया, ताकि कार्य स्वायत्तता व दक्षता को बढ़ाया जा सके और नई विकास क्षमता तथा नवाचार को शुरू किया जा सके। इस निर्णय को निःसंदेह इस श्रृंखला का सबसे महत्वपूर्ण सुधार माना जा सकता है। आयुध निर्माण संयंत्रों का 200 से भी अधिक वर्षों का गौरवशाली इतिहास रहा है। उनका बुनियादी ढांचा और कुशल मानव संसाधन देश की महत्वपूर्ण रणनीतिक संपदा हैं। हालांकि, पिछले कुछ दशकों में सशस्त्र बलों द्वारा ओएफबी उत्पादों की उच्च लागत, असंगत गुणवत्ता और आपूर्ति में देरी से संबंधित चिंताएं व्यक्त की गई हैं।

आयुध निमार्णी बोर्ड (ओएफबी) की मौजूदा प्रणाली में कई खामियां थीं। सात नई कारपोरेट इकाइयां बनाने का यह निर्णय व्यापार प्रशासन के मॉडल में उभरने के लक्ष्य के अनुरूप है। यह नई संरचना इन कंपनियों के प्रतिस्पर्धी बनने और आयुध कारखानों को अधिकतम उपयोग के माध्यम से उत्पादक और लाभदायक परिसंपत्तियों के रूप में बदलने के लिए प्रोत्साहित करेगी। उत्पादों की विविधता के मामले में विशेषज्ञता को गहराई प्रदान करेगी। गुणवत्ता एवं लागत संबंधी दक्षता में सुधार करते हुए प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देगी और नवाचार एवं लक्षित सोच (डिजाइन थिंकिंग) के क्षेत्र में एक नए युग की शुरूआत करेगी। सरकार ने इसके साथ ही यह आश्वासन दिया है कि कर्मचारियों के हितों की रक्षा की जाएगी।

म्यूनिशंस इंडिया लिमिटेड (एमआईएल) मुख्य रूप से विभिन्न क्षमता वाले गोला-बारूद और विस्फोटकों के उत्पादन से जुड़ी होगी। बख्तरबंद वाहन कंपनी (अवनी) मुख्य रूप से टैंक और बारूदी सुरंग रोधी वाहन (माइन प्रोटेक्टेड व्हीकल) जैसे युद्ध में इस्तेमाल होने वाले वाहनों के उत्पादन में संलग्न होगी और इसके द्वारा अपनी क्षमता का बेहतर इस्तेमाल करते हुए घरेलू बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की उम्मीद है। यही नहीं, यह नए निर्यात बाजारों में भी पैठ बना सकती है। उन्नत हथियार एवं उपकरण (एडब्ल्यूई इंडिया) मुख्य रूप से तोपों और अन्य हथियार प्रणालियों के उत्पादन में संलग्न होगी। इसके द्वारा घरेलू मांग को पूरा करने के साथ-साथ उत्पाद विविधीकरण के माध्यम से घरेलू बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की उम्मीद है। अन्य चार कंपनियों के साथ भी यही स्थिति रहेगी।

ओएफबी के सभी लंबित वर्क आर्डर, जिनका मूल्य लगभग 65,000 करोड़ रुपये से अधिक है, को अनुबंधों के जरिये इन कंपनियों को सौंप दिया जाएगा। इसके अलावा, विविधीकरण और निर्यात के माध्यम से कई क्षेत्रों में नई कंपनियों के फलने-फूलने की काफी संभावनाएं हैं। असैन्य इस्तेमाल के लिए दोहरे उपयोग वाले रक्षा उत्पाद भी इनमें शामिल हैं। इसी तरह आयात प्रतिस्थापन के जरिये भी नई कंपनियों का कारोबार बढ़ेगा।

वैसे तो आयुध कारखानों को पहले सशस्त्र बलों की जरूरतें पूरी करने की जिम्मेदारी दी गई थी, लेकिन नई कंपनियां उस दायरे से भी परे जाकर देश-विदेश में नए अवसरों का पता लगाएंगी। पहले के मुकाबले कहीं अधिक कार्यात्मक एवं वित्तीय स्वायत्तता मिल जाने से ये नई कंपनियां अब आधुनिक कारोबारी माडलों को अपना सकेंगी। अभी हम आत्मनिर्भरता और निर्यात के लिए देश की रक्षा उत्पादन क्षमताओं पर सुव्यवस्थित ढंग से विशेष जोर देने के लिए विभिन्न विशिष्ट क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। यह परिकल्पना की गई है कि इन नई कंपनियों के साथ-साथ सार्वजनिक क्षेत्र की मौजूदा कंपनियां देश में एक मजबूत ह्यसैन्य औद्योगिक परिवेशह्न बनाने के लिए निजी क्षेत्र के साथ मिलकर काम करेंगी। इससे हमें समय पर स्वदेशी क्षमता विकास की योजना बनाकर आयात को कम करने और इन संसाधनों को स्वदेश में ही बने रक्षा उत्पादों की खरीद में लगाने में काफी मदद मिलेगी। इसमें सफलता मिलने पर हमारी अर्थव्यवस्था में व्यापक निवेश आएगा और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। हालांकि, इसमें कई चुनौतियां हैं। यह सही है कि सदियों पुरानी परंपराओं और कार्य-संस्कृति को रातों रात बदलना मुश्किल है। फिर भी हमारा मंत्रालय शुरूआती मुद्दों को हल करने एवं मार्गदर्शन करने के साथ-साथ इन नवगठित कंपनियों को व्यवहार्य या लाभप्रद व्यावसायिक इकाइयों में परिवर्तित करने के लिए हर संभव सहायता प्रदान करेगा।

चिंताजनक बना जीका वायरस

देश में कोरोना संक्रमण के मामलों में भले ही लगातार कमी देखी जा रही है लेकिन पिछले कुछ महीनों से देश के कई राज्यों में डेंगू के बढ़ते मामलों के साथ कुछ दिनों से जीका वायरस ने भी नई चिंता को जन्म दिया है। उत्तर भारत और खासकर उत्तर प्रदेश में जीका वायरस के मामले जिस तेजी के साथ सामने आए हैं, उससे चिंता का माहौल बनना स्वाभाविक है। उत्तर प्रदेश के कानपुर, कन्नौज, लखनऊ, मथुरा सहित कई जिलों में जीका वायरस के मामले सामने आए हैं और अब फतेहपुर जिले में भी जीका वारयस का केस सामने आने के बाद वहां स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मचा है। उत्तर प्रदेश का कानपुर जिला तो जीका वायरस और डेंगू का हॉटस्पॉट बना हुआ है, जहां जीका का पहला मामला 24 अक्तूबर को सामने आया था और उसके बाद से वहां पिछले करीब एक महीने में ही इसके 140 से भी अधिक मरीज सामने आ चुके हैं। जीका संक्रमण को लेकर चिंताजनक स्थिति यह है कि यह वायरस सामान्य लोगों के अलावा गर्भवती महिलाओं को भी संक्रमित कर रहा है। अब तक कई गर्भवती महिलाएं जीका वायरस से संक्रमित मिल चुकी हैं। इस वर्ष जीका वायरस का पहला मामला केरल में 8 जुलाई 2021 को सामने आया था, जिसके बाद केरल में जीका वायरस के मामले अचानक सामने आने लगे और ऐसे मामलों की संख्या 64 तक पहुंच गई थी। वहां जीका से एक मरीज की मौत की खबर सामने आई थी। महाराष्ट्र में भी जीका वायरस का मामला सामने आया था लेकिन अब उत्तर प्रदेश में जीका का प्रकोप चिंता का सबब बना है। केरल के बाद अब उत्तर प्रदेश में जीका के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्पष्ट है कि बारिश के बाद मच्छरों को पनपने से रोकने के लिए सरकारी तंत्र द्वारा लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए समुचित प्रबंध नहीं किए गए। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि जहां शहरी और महानगरीय क्षेत्रों में ही करीब 80 फीसदी लोगों को इस वायरस और इससे होने वाली बीमारी के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, वहीं ग्रामीण परिवेश में तो लोग इससे पूरी तरह अनजान हैं, इसके बावजूद स्वास्थ्य विभाग द्वारा अब तक देशभर में कहीं ऐसा कोई अभियान नहीं चलाया गया है, जिससे लोगों में जीका वायरस संक्रमण के प्रति जागरूकता पैदा की जा सके। आज भी देश में अधिकांश लोग नहीं जानते कि जीका आखिर है क्या, इससे क्या बीमारियां पैदा होती हैं और उनके क्या लक्षण सामने आते हैं। जीका एक खतरनाक वायरस है, जो उसी एडीज मच्छर के काटने से फैलता है, जो डेंगू, चिकनगुनिया, निपाह, जापानी इन्सेफेलाइटिस, फाइलेरिया, मलेरिया इत्यादि बीमारियों का जनक है, यह मच्छर प्रायः दिन के समय सक्रिय रहता है। अधिकांशतः गर्भवती महिलाएं इस वायरस की शिकार बनती हैं। इससे गर्भपात और मृत बच्चे के पैदा होने का भी खतरा रहता है। यह जन्म लेने वाले बच्चे के विकास पर बहुत दुष्प्रभाव डालता है, इससे पीड़ित महिलाओं के बच्चे अविकसित दिमाग के साथ पैदा होते हैं। करीब 70 से 80 फीसदी मामलों में जीका संक्रमित व्यक्ति में लक्षणों की पहचान नहीं हो पाती, इसलिए जीका वायरस से बचने के लिए सबसे बड़ा हथियार जागरूकता को ही माना गया है। जीका वायरस पर नियंत्रण के लिए दुनियाभर में अब तक कोई कारगर वैक्सीन नहीं बनी है। जो उपाय डेंगू, चिकनगुनिया इत्यादि फैलाने वाले मच्छरों से बचने के लिए बताए जाते रहे हैं, वही उपाय जीका वायरस फैलाने वाले मच्छर से बचने के लिए भी किए जाते हैं, जैसे अपने आसपास साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना, मच्छरनाशक चीजों का इस्तेमाल तथा बगैर जांच के रक्त शरीर में न चढ़वाना इत्यादि। वायरस से संक्रमित होने पर दर्द तथा बुखार की सामान्य दवाएं दी जाती हैं। किन्तु लक्षण प्रबल होने पर विशेषज्ञ से परामर्श करना अत्यावश्यक हो जाता हैं। जीका वायरस खतरनाक इसलिए माना जाता है क्योंकि इसके इंफैक्शन तथा उससे होने वाली बीमारियों का अभी तक कोई उपचार उपलब्ध नहीं है और कुछ मामलों में इससे लकवे के साथ मौत होने की संभावना भी रहती है।

प्रकृति का प्रत्येक अंश ध्यान देने योग्य

मनुष्य जीवन में सौंदर्य का महत्व है। सौंदर्य कला का मुख्य तत्व है। कलात्मक सृजन के लिये भी मूल ध्येय सौंदर्य है। सौंदर्य का सृजन कला का मूल कर्म है। उपनिषदों में कहा गया है कि बलहीन को आत्म उपलब्धि नहीं होती। सृजन पुष्ट शरीर द्वारा ही संभव है। शरीर से ही उत्कृष्ट संगीत संभव है और गीत-संगीत से ही कला की यात्रा। सृजन में शरीर के सभी अंग सक्रिय होते हैं। इसी तरह संगीत में वाद्य यंत्रों से काम लेते समय भी शरीर के ही अंग काम करते हैं। गीत गायन में पूरा स्वर यंत्र काम करता है। चित्र बनाते समय भी शरीर की भूमिका है। सौंदर्य सृजन और दर्शन में आंख और मन की भूमिका है। आंख का स्वस्थ होना जरूरी है। इसी तरह से सुनने की शक्ति भी अनिवार्य है। शरीर का प्रत्येक अंग कला सृजन में हिस्सा लेता है। सृजन के लिए अनिवार्य है। महाभारत शांति पर्व में प्रकृति और उसके विकारों का सुंदर वर्णन है। कला के लिए भी स्वस्थ शरीर से ही संभव है। महाभारत में बताते हैं कि इस पृथ्वी को सौंदर्य रसों, गंधों सौंदर्य और प्राणियों का कारण समझना चाहिए। मनुष्य प्रकृति का हिस्सा है। पांच महाभूतों से यह प्रकृति बनी है। मनुष्य भी पांच तत्वों से बना है। भृगु बताते हैं, प्राणियों का शरीर इन पांच महाभूतों की ही प्रेरणा है। आगे कहते हैं इसमें गति, वायु का हिस्सा है। मनुष्य शरीर के भीतर रिक्त भाग आकाश का अंश है। मनुष्य शरीर का ताप अग्नि की कृपा है। मनुष्य शरीर के रक्त का मूल जल का अंश है और हड्डी मांस आदि पदार्थ पृथ्वी के अंश हैं। शरीर में प्रत्येक तत्व से पांच चीजें बनती हैं। त्वचा, मांस, हड्डी, मज्जा, श्नायु तंत्र पृथ्वी मय है। तेज, क्रोध, अग्नि, ऊष्मा और जठराग्नि अग्निमय है। कान, आंख, मुंह, हृदय और पेट आकाशमय है। कफ, पित्त, पसीना, चर्बी और रक्त ये जल रूप हैं। वायु भी पांच रूप वाली है। इन पांच रूपों का नाम प्राण, ज्ञान, अपान, समान- उदान ये पांच प्रकृति के रूप हैं। गंध, स्पर्श रस रूप में पृथ्वी में हैं। पृथ्वी का मुख्य गुण गंध है। इसमें अनुकूल, प्रतिकूल, मधुर, कटु स्निग्ध, रुचि आदि 09 भेद हैं। प्रकृति का प्रत्येक अंश ध्यान देने योग्य है। सौंदर्य आकर्षित करता है। सौंदर्य का संबंध रूप आंख से है। रूप के सोलह भेद बताये गये हैं। इन भेदों का संबंध कला सृजन से है। प्रकृति के प्रपंच में सबसे सूक्ष्म तत्व आकाश है। इसका मुख्य गुण शब्द है। प्रत्येक शब्द का अर्थ होता है। इसका विस्तार कला के लिए जरूरी है। आकाश जनित शब्द के भी सात भेद बताये गये हैं। ये सात सुर हैं। संगीत का आधार है। संगीत शास्त्र में इन सात सुरों का स्पष्ट वर्णन है। इन्हें सडज, ऋषम, गांधार, मध्यम, पंचम, धवेत, निषाद कहा गया है। संक्षेप में सा, रे, गा, मा, पा, धा, नि कहे जाते हैं। सुरों का मुख्य केंद्र आकाश है। आकाश सब तरफ व्याप्त है। महाभारत में वाद्य यंत्रों का उदाहरण देखते हुए कहते हैं, नगाड़े आदि में इसकी स्पष्ट अभिव्यक्ति होती है। मृदंग, शंख, बादल और रथ की गति में सुनी गयी ध्वनि इन्हीं सुरों के भीतर है। शरीर और मन का संबंध सुस्पष्ट है लेकिन विचित्र है। चरक संहिता आयुर्वेद का ग्रंथ है। यहाँ आयु की परिभाषा दी गयी है, शरीर इन्द्रिय मन आत्मा के संयोग को आर्यु कहते हैं। ध्यान देने योग्य बात यह है कि आयु में शरीर और आत्मा दोनों सम्मिलित हैं। मन और इन्द्रिय तो शरीर का भाग है ही लेकिन आत्मा को अधिकांश विद्वान अलग मानते हैं। अजर अमर बताते हैं। चरक संहिता में सबको द्रव्य कहा है। यहाँ 9 द्रव्य कहे गये हैं। पहला आकाश है। दूसरा वायु, तीसरा अग्नि है। चैथा जल, पाँचवा पृथ्वी, छठवां आत्मा है, सातवां मन है, आठवां काल है और नौवां दिशा। आत्मा को महाभारत के गीता वाले अंश में अजर, अमर, अविनाशी कहा गया है। लेकिन चरक संहिता में आत्मा मन और काल दिशा द्दव्य हैं। शरीर में वात, पित्त और कफ यह तीनों दोष हैं। इनका संतुलन जरूरी है। जैसे शरीर के तीन दोष और गुण बताये गये हैं वैसे ही मन के आधार पर भी मन और भावना के आधार पर विश्लेषण किया गया है। जीवन विज्ञान में रस की बहुत चर्चा है। बताते हैं कि मनुष्य जो खाता है उससे रस का बोध होता है। रस का लक्षण बताते हैं, रसना के अर्थ का मन रस है रसना भावनात्मक संज्ञा है। प्रत्यक्ष में इसका मन जीभ है। उपनिषदों में धर्म को पृथ्वी का रस बताया गया है। रस का आधार द्दव्य, जल पृथ्वी है। रस का जन्म भी जल और पृथ्वी से होता है। मधुर और कटु रसबोध को प्रकट करने वाले शब्द हैं। मानसिक एकाग्रता जरूरी है। विद्वान व्यक्ति का भी मन इधर-उधर भागता है। ज्ञान प्राप्ति के लिए मन की एकाग्रता जरूरी है। बताते हैं मन के अधीन मन की प्रेरणा से मन के साथ इन्द्रिय अपने-अपने विषयों को ग्रहण करने में समर्थ होते हैं। सौंदर्य बोध में भी मन की भूमिका है। मन लगता है तो पास पड़ोस, उबड़-खाबड़, जंगल भी उपवन का मजा देते हैं। मन न लगे तो सुंदर उपवन भी व्यर्थ हो जाते हैं। मन को ज्ञानमय व कल्याणकारी बनाने के लिए यजुर्वेद में 6 मंत्रों का उल्लेख एक साथ किया गया है। ऋषि ने कहा है कि हमारा मन शक्तिशाली है। इधर-उधर भागता है। यहाँ-वहाँ धरती आकाश में भागता है। ऋषि की प्रार्थना है, ऐसा हमारा चंचल मन कि शिव संकल्पों से भरा-पूरा है- तन्मे मनः शिव संकल्पम अस्तु। सभी 6 मंत्रों के अंन्त में तनमे मनः शिव संकल्पम् अस्तु की टेक दोहराई गयी है। शरीर थकता है, मन नहीं थकता। शरीर विश्राम में जाता है, इन्द्रियां विषयों से मुक्त होती हैं। हम सब निद्रा में होते हैं। तब मन मुक्त होकर अपना काम और भी तेज रफ्तार से करता है। तमाम सपने गढ़ता है। हम तारों भरे आकाश की यात्रा पर होते हैं, किसी नदी के तट पर या समुद्र के किनारे नितांत अपरिचित क्षेत्र में टहलने का मजा लेते हैं। कैसे होता है यह सब? विज्ञान के पास इसका ठोस उत्तर नहीं है। सोते हुए ऐसे क्षेत्रों, द्दश्यों में रमना स्वप्न कहा जाता है। स्वप्नों का यह संसार हरेक जिज्ञासु के लिए रहस्यपूर्ण है। अतिशक्तिशाली श्रीमान और गतिमान हैं मन। ऋषियों ने उन्हें चंचल कहा है। इस चंचलता का सबसे रोचक पहलू है- वर्तमान से असंतोष। असंतोष दुख देता है लेकिन असंतुष्ट मनोदशा के फायदे भी हैं। हम असंतुष्ट होकर परिस्थिति बदलने के लिए सक्रिय भी होते हैं।

तेज, क्रोध, अग्नि, ऊष्मा और जठराग्नि अग्निमय है। कान, आंख, मुंह, हृदय और पेट आकाशमय है। कफ, पित्त, पसीना, चर्बी और रक्त ये जल रूप हैं। वायु भी पांच रूप वाली है। इन पांच रूपों का नाम प्राण, ज्ञान, अपान, समान- उदान ये पांच प्रकृति के रूप हैं। गंध, स्पर्श रस रूप में पृथ्वी में हैं। पृथ्वी का मुख्य गुण गंध है। इसमें अनुकूल, प्रतिकूल, मधुर, कटु स्निग्ध, रुचि आदि 09 भेद हैं। प्रकृति का प्रत्येक अंश ध्यान देने योग्य है। सौंदर्य आकर्षित करता है। सौंदर्य का संबंध रूप आंख से है। रूप के सोलह भेद बताये गये हैं। इन भेदों का संबंध कला सृजन से है।

दहेज विरोधी महिला कानून-वरदान या अभिशाप!

हमारे समाज में, सदियों से, हर धर्म, जाति और क्षेत्र में दहेज का कोढ़ रूपी रोग, घटने की अपेक्षा, धीरे-धीरे, महामारी बनने की ओर अग्रसर है । आज भी ज्यादातर शादियों के रूप में हुए, गुप्त सौदों के खुले भेद, लगभग जगजाहिर ही होते हैं। लड़के वालों के लालच और लोभ के साथ-साथ, लड़की वालों में दिखावा करने की बढ़ती प्रवृत्ति ने स्थित को और भी बिगाड़ दिया है। हमारे देश मे कृषि भूमि या व्यवसाय, पिता का धन और संपत्ति, सरकारी नौकरी आदि ही, लड़के और लड़की के चयन के लिए प्राथमिक मापदंड हैं, लड़का-लड़की की योग्यता, क्षमता, चरित्र, पसंद, कोई भी शारीरिक या मानसिक कमी, और लड़के-लड़की के आपसी सामंजस्य को, हमेशा नजरअंदाज ही किया जाता है, इसी लिए हमारे यहां ज्यादातर शादियाँ, शादी कम और लॉटरी ज्यादा होती है। आजकल एक और नए प्रकार के तथाकथित दहेज विरोधी अस्तित्व में आये हैं, ये महापुरुष ज्यादातर सरकारी नौकर होते हैं, जो कहते हैं, हमें एक रुपया दहेज नहीं चाहिए, पर लड़की सिर्फ स्थायी सरकारी नौकरी वाली चाहिए। सौदेबाजी जैसी इन शादियों के बाद, अक्सर दोनों पक्षों में यही द्वंद रहता है, मानो उससे धोखा हो गया हो। लड़की का पिता, लड़की की शादी बड़े घर में करने के लिए, हद से ज्यादा खर्च कर, लगभग कंगाल ही हो जाता है पर कई बार, इतने ताम-झाम करने के बाद भी, अक्सर कई मासूम,और बेकसूर बहनों का जीवन तबाह हो जाता है, जब लड़का नशेड़ी या चरित्रहीन निकल जाता है या घटिया परिवार मिल जाता है, ऊपर से बेबस-कुलीन माता-पिता, उन्हें घर बसाये रखने हेतु, यातनाएं सहते हुए जीने का गुप्त आग्रह करते रहते हैं, हालांकि उनमें से कुछेक ने दहेज कानूनों के माध्यम से, न्याय प्राप्त कर अपना रास्ता खुद बनाया है पर अधिकांश बहनें यही नारकीय जीवन चुपचाप बिता देती हैं, वास्तव में, इन उत्पीड़ित और असहाय बहनों के कल्याण हेतु ही सख्त दहेज कानून बनाया गया था, परन्तु क्या वास्तव में इस कानून का सही प्रयोग हो रहा है? जी नहीं ।

आपको हैरानी होगी कि दहेज के 75 फीसदी से ज्यादा मामले झूठे पाए जाते हैं। हमारे देश में किसी भी राज्य या धर्म में, दहेज के लिए महिला को प्रताड़ित करने के लिए धारा 498ए के तहत, एक सख्त आपराधिक कानून है, जिसके द्वारा एक महिला किसी भी समय, अपने ससुराल के पूरे परिवार पर कानून का फंदा कस सकती है। आमतौर पर छोटी-मोटी बातों के लिए, किसी के उकसावे, या माता-पिता से अलग होने की खातिर, जहां कई महिलाएं इस कानून को हथियार के रूप में इस्तेमाल करती हैं, वहीं कई मामलों में चारित्रिक दोष अथवा पुराने प्यार की आस में, निर्दोष ससुराल वालों का पूरा परिवार, यहां तक ??कि बुजुर्गों और महिलाओं को जेलों में डाल दिया जाता है, जो शर्म के मारे ज़िंदा लाश ही बन जाते हैं । आपको आश्चर्य होगा कि हमारे देश में हर साल अनगिनत निर्दोष पुरुष और उनके पारिवारिक सदस्य, झूठे दहेज और घरेलू हिंसा के मामलों में अवसाद के कारण आत्महत्या कर जाते हैं। हालांकि इन कानूनों को महिला कानून कहा जाता है, क्या सास, ननद या ससुराल की अन्य महिला सदस्य, महिलाएं नहीं हैं, जिन पर तुरंत केस दर्ज कर दिया जाता है? हालांकि झूठे मामलों की बढ़ती संख्या के कारण, कानून में कुछ सुधारों के साथ, अब जांच अधिकारी सीधे गिरफ्तारी तो नहीं कर सकते हैं, लेकिन इसके उल्लंघन हेतु एक और शर्मनाक चलन चल पड़ा है, पिता समान बुजुर्ग ससुर या भाई समान देवर या जेठ पर बलात्कार (376) और पति के खिलाफ (377) के झूठे गंदे मुकद्दमे कर दिए जाते हैं कि ताकि जमानत न मिल सके, और अगर ससुराल वाले सरकारी कर्मचारी हों तो कोढ में खाज वाली बात हो जाती है ।

संस्कृति और परंपराओं की व्याख्या करता संविधान

संविधान विधान पर नहीं है। यह भारतीय संस्कृति है। भारतीय संस्कृति से जुड़ा वो दर्शन है, जो उदात्त जीवन परंपरा है, संविधान उनको एक तरह से व्याख्यायित करता है। राष्ट्र भू-भाग पर नहीं होता। यह अपने आप में विचार है। देश को विचार संज्ञा में देखने का अर्थ ही है, ऐसा राष्ट्र, जिसमें स्त्री-पुरुष में, जाति और धर्म के आधार पर मनुष्य-मनुष्य में किसी तरह का कोई भेद नहीं है।

जहाँ अनुभव और ज्ञान सहभागी है। भारत का अर्थ ही है- ज्ञान और दर्शन की वह महान परंपरा, जिसमें वैदिक ऋचाओं से लेकर आदि शंकराचार्य के अद्वैत दर्शन तक का सार आ जाता है। सारे विश्व को वसुधैव कुटूंबकम के सूत्र के साथ अपना परिवार मानने का संदेश हमारे राष्ट्र ने दिया है। हमारा संविधान इस उद्दत विचार का एक तरह से लिखित रूप है। संविधान का मूल हमारी वह महान परंपरा है, जिसमें कहा गया है, लोकाः समस्था समस्था सुखीनो भवंतु, यानी लोक कल्याण में ही सबका सुख निहित है। संविधान का मूल आधार यही परंपरा है।

भारतीय गणतंत्र की यात्रा अनेक उतार-चढ़ाव से परिपूर्ण रही है। फिर भी, भारत ने सबसे मजबूत लोकतंत्र के रूप में प्रतिष्ठा पाई है।

संविधान का मसौदा तैयार करने वाली समिति के अध्यक्ष के तौर पर डॉ भीमराव अंबेडकर की नियुक्ति हुई थी। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि संविधान के मूल प्रारूप 1 (भारतीय संस्कृति का कलात्मक चित्रण है। पृथ्वी पर सबसे पुरानी सभ्यता के सांस्कृतिक मूल्यों के समग्र दृष्टिकोण को हमारा संविधान व्यजित करता है। संविधान सभा के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद के आग्रह पर शांति निकेतन के कलागुरु नंदलाल बोस ने संविधान में कलात्मक चित्र उकेरे। राजस्थान के कलाकार कृपाल सिंह शेखावत ने भी संविधान प्रारूप के कलात्मक स्वरूप में योगदान दिया। महर्षि अरविंद के आध्यात्मिक राष्ट्रवाद, वैदिक काल से 20वीं सदी तक की सनातन भारतीय परंपरा, भारतीय सभ्यता के आधारभूत ढांचे की समझ के साथ रामायण, महाभारत और भारतीय संस्कृति से महान परंपराओं का संविधान के प्रारूप में विशेष चित्रण किया गया है। निसंदेह भारतीय संविधान विश्व भर के लोकतंत्रों की सर्वश्रेष्ठ व्याख्या है। देश के आदर्शों उद्देश्यों व मूल्यों का यह संचित प्रतिबिंब है। मानव अधिकारों और कर्तव्यों का हमारा संविधान एक तरह से वैश्विक दस्तावेज है। इस संदर्भ में महात्मा गांधी की यह बात मुझे सदा याद आती है कि कर्तव्यों के हिमालय से ही अधिकारों की गंगा बहती है। संविधान हमें अधिकारों और कर्तव्यों के संतुलन की सीख देता है।

कल्याणकारी राज्य के सर्वोत्तम स्वरूप को साकार किया है। संविधान में इसीलिए व्यवहारिक, मौलिक अधिकार, कर्तव्य और राज्य के नीति निर्देशक तत्व दिए गए हैं। भारतीय संस्कृति कर्म प्रधान संस्कृति है। समय के जो परिवर्तन होते हैं, उन सभी को स्वीकार करते हुए निरंतर इसमें आगे बढ़ने की प्रेरणा पर बल हैं। भारतीय संविधान समता आधारित ऐसी व्यवस्था है,

पूरी दुनिया की सर्वश्रेष्ठ प्रस्तावना किसी संविधान की मानी गई है, तो वह हमारे देश की है। संविधान उद्देशिका के ह्लहम भारत के लोगह्न शब्दों से लोकतंत्र का आदर्श स्वतः स्पष्ट होता है। हम भारत के लोग महज एक वाक्य नहीं है, बल्कि यह हमारी महान भारतीय संस्कृति का एक तरह से जीवन दर्शन है। संविधान और शासन की मूलकार्य प्रणाली को लोकतांत्रिक स्वरूप देते हुए हमने अपने देश को सच्चे अर्थों में गणतंत्र घोषित किया है। गणतंत्र का तात्पर्य उस शासन व्यवस्था से है, जिसका सांविधानिक मुखिया जनता द्वारा चुना जाता है। भारत में संसदीय शासन व्यवस्था है, इसीलिए राष्ट्रपति भारतीय गणतंत्र के सर्वोच्च नायक है और उनकी पद स्थिति समस्त निर्वाचित सांसदों और विधायकों से प्राप्त विधिवत बहुमत से चुने हुए राष्ट्राध्यक्ष की होती है।

26 जनवरी 1950 से शुरू हुई भारतीय गणतंत्र की अनेक उतार-चढ़ाव से परिपूर्ण रही है। फिर भी, भारत ने संसार में सबसे मजबूत लोकतंत्र के रूप में प्रतिष्ठा अर्जित की है। इसका बड़ा कारण यही है कि हमारा संविधान लोक मानस से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है। संविधान के माध्यम से हमने एक लोक-कल्याणकारी राज्य के सर्वोत्तम स्वरूप को साकार किया है। संविधान में इसीलिए व्यवहारिक, मौलिक अधिकार, कर्तव्य और राज्य के नीति निर्देशक तत्व दिए गए हैं। भारतीय संस्कृति कर्म प्रधान संस्कृति है। समय के जो परिवर्तन होते हैं, उन सभी को स्वीकार करते हुए निरंतर इसमें आगे बढ़ने की प्रेरणा पर बल हैं। भारतीय संविधान समता आधारित ऐसी व्यवस्था है, जिसमें सभी को निर्भय रहते उच्च आदर्शों का जीवन जीने पर जोर दिया गया है। संविधान दिवस पर आइए, हम सभी महान संविधान निमार्ताओं को नमन करते हुए लोककल्याण और लोक-आराधन के कार्यों के साथ राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के सहभागी बने।.

झज्जर पुलिस ने मनाया 'पुलिस उपस्थिती दिवस'

-विशेष अभियान चलाकर पुलिस टीमों ने गश्त के दौरान जनसंपर्क करके दर्ज कराई अपनी उपस्थिती

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/झज्जर/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- रविवार को झज्जर पुलिस द्वारा पुलिस प्रेजेंस डे पुलिस उपस्थिती दिवस मनाया गया। पुलिस महानिदेशक हरियाणा श्री प्रशांत कुमार अग्रवाल के दिशा-निदेर्शों की पालना करते हुए झज्जर पुलिस द्वारा विशेष डे डोमिनेशन अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक श्री वसीम अकरम के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में झज्जर पुलिस द्वारा रविवार को सुबह 09 बजे से बाद दोपहर 03 बजे तक विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के तहत जिला भर में तैनात पुलिस की विभिन्न टीमों द्वारा विशेष रूप से जिला के शहरी व ग्रामीण आबादी वाले क्षेत्रों में गश्त के दौरान जनसंपर्क करके आमजन को सुरक्षा का एहसास दिलाया गया। इस दौरान पुलिस की टीमों द्वारा आमजन को महामारी संक्रमण के प्रति सजग रहने व संक्रमण से बचाव के लिए अन्य आवश्यक सावधानियां रखने तथा इमरजेंसी में त्वरित पुलिस सहायता के लिए लगातार 24 घंटे उपलब्ध डायल 112 हेल्पलाइन नंबर बारे जागरूक किया

गया। गश्त के दौरान पुलिस की विभिन्न टीमों द्वारा संदिग्ध व्यक्तियों तथा वाहनों की जांच भी की गई। डे डोमिनेशन अभियान का मुख्य उद्देश्य आमजन में पुलिस की मौजूदगी दर्ज कराते हुए सुरक्षा का एहसास कराना रहा। ताकि आमजन अपने आपकों पुलिस की उपस्थिति के मद्देनजर सुरक्षित महसुस कर सके।

पुलिस प्रेजेंस डे के विशेष अभियान के तहत जिला के सभी थाना प्रबंधकों व चौकी प्रभारियों के नेतृत्व में पुलिस की अलग-अलग टीमों द्वारा अपने-2 क्षेत्र में प्रभावी रूप से गश्त की गई। थाना/चौकी में मौजूद अधिकतर पुलिस बल को पैदल गश्त पर तैनात किया गया। इसके अतिरिक्त जिला पुलिस कार्यालय तथा अपराध जांच शाखा यूनिटों आदि में तैनात पुलिस बल को भी विभिन्न स्थानों पर निर्धारित एरिया में गश्त पर तैनात किया गया। बड़ी संख्या में महिला पुलिस कर्मियों को भी गश्त पर तैनात किया गया। सुबह 9:00 बजे से लगातार 6 घण्टें चले अभियान के दौरान सभी राईडर/पीसीआर, थाना व चौकी प्रभारियों के वाहन भी अपने अपने एरिया में निरंतर गश्त पर तैनात रहे। पुलिस की विभिन्न टीमों द्वारा भीड़-भाड़ वाले बाजारों, सार्वजनिक स्थानों व चौक चौराहों पर गश्त व नाकाबंदी के अतिरिक्त ग्रामीण एरिया में पैदल गश्त करते हुए जनसंपर्क भी किया गया। बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, मॉल, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, पार्क आदि सार्वजनिक स्थानों पर भी विशेष रूप से पुलिस बल को तैनात किया गया। अभियान के दौरान पुलिस की अलग-2 टीमों द्वारा होटल, ढाबों, धर्मशाला आदि को चैक किया गया। गश्त पर तैनात पुलिस की विभिन्न टीमों द्वारा चैकिंग के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों तथा वाहनों की गहनता से जांच की गई।

पुलिस अधीक्षक श्री वसीम अकरम के दिशा निर्देश अनुसार चलाए गए विशेष अभियान पुलिस उपस्थिती दिवस के तहत झज्जर पुलिस के सभी पुलिस अधिकारी व बड़ी संख्या में पुलिस के जवान गश्त पर तैनात रहे। स्थानीय पुलिस द्वारा विशेष अभियान के तहत आमजन के बीच अपनी उपस्थिती दर्ज कराई गई। आजमन को सुरक्षा का एहसास कराने के मध्येनजर जनसंपर्क के माध्यम से पुलिस की उपस्थिति दर्ज कराई गई। जानकारी देते हुए डीएसपी झज्जर श्री राहुल देव ने बताया कि झज्जर पुलिस लोगो की सुरक्षा तथा जिला में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। अपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस के स्तर पर सुरक्षा के हर संभव प्रयास जारी है। बाजार व भीड-भाड वाले इलाकों में पुलिस गश्त बढाई गई है। पीसीआर/राईडर निरंतर गश्त कर रही है। सभी थाना/चौकी प्रभारी अपने-2 एरिया में सुरक्षा व्यवस्था पर नजर बनाए हुए है। जिला में शांति एवं कानून व्यवस्था दुरुस्त बनाए रखने को लेकर आमजन से भी पुलिस का सहयोग करने की अपील की गई है।

त्रिपुरा में छाया भगवा, टीएमसी हुई साफ

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/त्रिपुरा/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- त्रिपुरा निकाय चुनाव में भाजपा ने शानदार जीत दर्ज की है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इसके लिए भाजपा नेताओं को बधाई दी और जनता का अभिवादन किया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने आज घोषित हुए 334 वार्ड के नतीजों में 329 वार्ड में जीत दर्ज की है। जिसमें भाजपा ने 112 सीटें पहले ही निर्विरोध जीत ली थी। इस चुनाव में विपक्ष को मात्र 5 सीटें हासिल हुई हैं। हालांकि टीएमसी भी इस चुनाव में भाग ले रही थी और चुनाव से पहले टीएमसी ने त्रिपुरा से भाजपा के सफाये का भी दावा किया था लेकिन अब भाजपा से मात खाने के बाद टीएमसी ने पैंतरा बदलते हुए कहा कि हम 2023 चुनाव की तैयारी कर रहे हैं। साथ टीएमसी ने भाजपा पर लोकतंत्र को कुचलने का आरोप लगाया है। जबकि भाजपा ने इस जीत को हिंसा व विवाद की राजनीति को करारा जवाब बताया है।

उन्होंने कहा कि त्रिपुरा में स्थानीय निकाय चुनाव में भाजपा को भव्य जीत हासिल हुई है। इस ऐतिहासिक जीत के लिए मैं प्रदेश के मुख्यमंत्री विप्लव देव, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और भाजपा कार्यकताओं को दिल से बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि यह विजय राष्ट्रवादी ताकतों, विकासवादी सोच की जीत है। विघटनकारी ताकतों, हिंसा व विवाद की राजनीति करने वालों और त्रिपुरा का अपमान करने वालों को राज्य की जनता ने सिरे से खारिज कर विकास की राजनीति पर अपनी मुहर लगाई है। 14 में से 11 म्युनिसिपल कारपोरेशन में सभी सीटें भाजपा ने जीती हैं। तीन म्युनिसिपल कारपोरेशन में कलिया शहर में 17 में से 16, पाली सागर में 13 में से 12 और अम्बासा में 15 में से 12 सीटें भाजपा ने जीती हैं।

उन्होंने कहा कि यह जीत पीएम मोदी की नीतियों, उनकी लोक-कल्याणकारी योजनाओं और राज्य के विकास के प्रति डबल इंजन सरकार के कमिटमेंट में जनता के विश्वास का प्रतीक है। पीएम मोदी ने पूर्वोत्तर को न केवल एक सूत्र में पिरोया है बल्कि इसे उग्रवाद, हिंसा और आए दिन के ब्लॉकेड से मुक्त कर, शांति स्थापित करते हुए, विकास के एक नए युग की शुरूआत की है। भाजपा में विश्वास और अनवरत आशीर्वाद के लिए पुनः प्रदेशवासियों का अभिनंदन!

अर्धसैनिक बलों के मसलों को लेकर यूपी के उपमुख्यमंत्री से मिले पूर्व एडीजी

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/वाराणसी/शिव कुमार यादव/- वाराणसी में आयोजित तृतीय नेशनल मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप में विशेष रूप से भाग लेने आए श्री एचआर सिंह पूर्व एडिशनल डायरेक्टर सीआरपीएफ द्वारा अर्धसैनिक बलों के मसलों को लेकर श्री दिनेश शर्मा उपमुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश से विस्तार से चर्चा हुई।

इस संबंध में रणबीर सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि पुर्व डीजी महोदय द्वारा राज्य में रहने वाले लाखों पैरामिलिट्री परिवारों के भलाई हेतु अर्धसैनिक कल्याण बोर्ड के गठन पर चर्चा की। साथ ही शहीद परिवारों को मिलने वाली सहायता सम्मान राशि को 1 करोड़ करने का माननीय उप मुख्यमंत्री जी से आग्रह किया। श्री सुरेश शर्मा पुर्व पंजाब पुलिस आईजी व अध्यक्ष मास्टर एथलेटिक्स एसोसिएशन ने बातचीत में हिस्सा लिया।

माननीय उपमुख्यमंत्री जी ने अर्धसैनिक बलों के द्वारा देश के प्रति योगदान की भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि सरकार पैरामिलिट्री फोर्स के जवानों की जायज मांगों पर राज्य सरकार शिघ्रता से विचार करेंगे साथ ही बातचीत करने के लिए लखनऊ आने का निमंत्रण दिया ताकि अर्धसैनिक कल्याण बोर्ड के गठन पर विस्तार से रूपरेखा तैयार की जा सके।

आजादी के 75 साल बाद भी जातिवाद का नही हुआ खात्मा- एससी

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- ऑनर किलिंग पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त नाराजगी प्रकट करते हुए कहा है कि आजादी के 75 साल बाद भी समाज से जातिवाद का खात्मा नही हुआ है। कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि यह उचित समय है जब समाज आगे आये और जातिवाद की सामाजिक बुराई की भयानक हिंसा को मिलकर ना मंजूर करे। शीर्ष कोर्ट ने यह टिप्पणी 1991 में यूपी में हुई ऑनर किलिंग की घटना के खिलाफ दायर कई याचिकाओं पर अपने फैसले में की। इस घटना में एक महिला समेत तीन लोग मारे गए थे। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि इससे पहले भी वह सरकारों को ऑनर किलिंग को रोकने के लिए कई दिशा निर्देश जारी कर चुकी है। इन दिशा-निर्देशों का पालन बगैर देरी के किया जाना चाहिए। जस्टिस एल. नागेश्वर राव की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि ऐसे मामलों में मुकदमे को दागदार होने और सचाई को आहत होने से बचाना जरूरी है। इसमें गवाहों को सुरक्षा देने में सरकार की निश्चित ही अहम भूमिका है, खासकर उन संवेदनशील मामलों में, जिनमें सत्ता से जुड़े लोग शामिल हों और जिन्हें राजनीतिक संरक्षण प्राप्त हो।

ये लोग बाहुबल व धनबल का इस्तेमाल गवाहों के खिलाफ कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जाति-आधारित प्रथाओं द्वारा कायम कट्टरता आज भी चलन में है। यह संविधान में सभी नागरिकों के लिए समानता के उद्देश्य को बाधित करती है। पीठ ने अपने फैसले में कहा कि जाति आधारित सामाजिक नियमों को तोड़ने पर दो युवकों और एक महिला के साथ 12 घंटे तक मारपीट की गई और बाद में उनकी मौत हो गई।

29 नवंबर को होने वाला किसानों का ट्रैक्टर मार्च रद्द

-किसान संगठनों ने सरकार को 4 दिसंबर तक फैसला लेने का दिया समय

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- संयुक्त किसान मोर्चा ने आज सिंघु बॉर्डर पर हुई बैठक में 29 नवंबर को होने वाली संसद तक ट्रैक्टर मार्च को रद्द कर दिया है। इसके साथ ही उन्होंने सरकार को 4 दिसंबर तक का समय दिया है। किसान नेताओं ने कहा कि 29 नवंबर का संसद मार्च का कार्यक्रम स्थगित है, खत्म नहीं है। हम इस पर 4 दिसंबर को फैसला लेंगे। प्रधानमंत्री जी को हमने चिट्ठी सौंपी है। अगर 4 दिसंबर तक उस चिट्ठी पर सार्थक जवाब नहीं आया तो आगे का रुख तय करेंगे। सरकार को संयुक्त किसान मोर्चे के साथ बातचीत की मेज पर लौटना होगा। सरकार की आज की घोषणा से हम सहमत नहीं हैं। हम आमने-सामने बैठकर बात करें तो ज्यादा अच्छा होगा।

कृषि कानून वापस होने के बाद भी एमएसपी समेत अन्य मांगों को लेकर किसानों का आंदोलन लगातार जारी है। आज सोनीपत कुंडली बॉर्डर पर होने वाली संयुक्त किसान मोर्चा की अहम बैठक खत्म हो चुकी है। इस बैठक में निम्न फैसले लिए गए हैं- 29 नवंबर को होने वाला संसद ट्रैक्टर मार्च टाल दिया गया है, इसे 6 दिसंबर तक टाल दिया गया है। एमएसपी मुद्दा, शहीद किसानों को मुआवजा, देशभर में किसानों के ऊपर दर्ज केस, लखीमपुर खीरी के दोषी को बर्खास्त किया जाए पराली जलाने पर दंड और बिजली बिल को भी खत्म किया जाए।

किसानों ने कहा कि हम मोर्चा जीत चुके हैं, आज सरकार की तरफ से कुछ बयान आए हैं, जब तक हमारी मांगे नहीं मानी जाएंगी हमारा संघर्ष जारी रहेगा। हम इंतजार कर रहे हैं। 29 का कूच नहीं होगा। एमएसपी मुद्दा, शहीद किसानों को मुआवजा, देशभर में किसानों के ऊपर दर्ज केस, लखीमपुर खीरी के दोषी को बर्खास्त किया जाए।

'कानून का भय न होने से अराजकता जन्म लेती है'

'शस्त्र और शास्त्र का समन्वय' पर गोष्ठी सम्पन्न

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- रविवार को केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में शस्त्र और शास्त्र का समन्वय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कॅरोना काल में 319 वा वेबिनार था। वैदिक विद्वान डॉ. दयानिधि सेवार्थी ने कहा कि शास्त्र का अनुपालन शस्त्र से ही सम्भव है,व्यक्ति नियमो का पालन भय व दंड से ही करता है । उन्होंने कहा कि समाज व समझ शब्द का भेद शास्त्र व शस्त्र समन्वय इस विषय में यजुर्वेद के मंत्र संख्या 20/25 व ऋग्वेद के मंत्रों को उद्धृत करते हुए राष्ट्र व समाज को सशक्त करने में शास्त्र व शस्त्र का समन्वय अत्यंत आवश्यक है। शास्त्र सिद्धांत है तो शस्त्र प्रयोगात्मक रूप है और विषय को स्पष्ट करते हुए सेवार्थी जी ने कहा कि शास्त्र के अनुसार योग्य का

तिरस्कार और अयोग्य का सम्मान जिस संगठन व समाज में होता है वहां सर्वनाश ही होता है। महर्षि विश्वामित्र व महर्षि परशुराम के जीवन को उद्धृत करते हुए विषय को ओज पूर्ण प्रस्तुति करते हुए सभी श्रोताओं का मार्गदर्शन किया।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि शास्त्र सामाजिक व्यवस्था चलाने में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं और शस्त्र उसे मानने को बाध्य करते है तभी समाज चलता है,जहाँ कानून का भय नहीं होता वहाँ अराजकता जन्म लेती है। ऋषियों की तपस्या भी तभी हो पाती है जब सुरक्षा में राम लक्ष्मण से धुरंधर खड़े होते है। मुख्य अतिथि आर्य नेता सुरेश आहूजा ने कई उदाहरणों से शस्त्र की महत्ता को स्पष्ट किया। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती ने आर्ष ग्रंथों का प्रचार किया लेकिन समय आने पर राव कर्ण सिंह की तलवार भी तोड़ दी। गायिका प्रवीना ठक्कर, रेणु घई, मधु खेड़ा, उषा आहुजा, सुशांता अरोड़ा, सविता भुटानी, रजनी चुघ, जनक अरोड़ा, प्रतिभा कटारिया, कमला हंस, कमलेश चांदना, रविन्द्र गुप्ता आदि ने मधुर भजन सुनाये। प्रमुख रूप से रामकुमार सिंह आर्य, डॉ.(कर्नल) विपिन खेड़ा, रजनी गर्ग, सुदेश आर्या, आस्था आर्या, रचना वर्मा आदि उपस्थित थे।

कमाऊ पूत को छोड़ बैसाखी का सहारा ढूंढ रही सरकार, विशेषज्ञों ने बताया इसे रणनीतिक चूक

-नवरत्नों को निजी हाथों में सौंपने को बेताब भाजपा सरकार की नीति पर उठने लगे सवाल

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- ओएनजीसी को निजी हाथों में सौंपने के मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। कंपनी के कर्मचारी अब सरकार की नीयत व नीति पर सवाल उठाने लगे है। कर्मचारियें का आरोप है कि केंद्र सरकार देश से कमाऊ पूतह्लका सहारा छीन कर बैसाखियों का सहारा ढूंढ रही है। जबकि ओएनजीसी इस समय की सबसे कमाऊ सरकारी कंपनी है। फिर भी केंद्र की भाजपा सरकार इसे ऐसी कंपनी को बेचना चाहती है जो पहले से घाटे में चल रही है। कंपनी के कर्मचारी इस पूरी घटना को एक निजी कंपनी को लाभ पहुंचाने की साजिश के तौर पर देख रहे हैं। वहीं नीति विशेषज्ञों की माने तो यह कार्यवाही देश के लिए एक रणनीतिक चूक साबित हो सकती है।.

ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन (ओएनजीसी) ने इस वर्ष की दूसरी तिमाही में किसी भी अन्य भारतीय कंपनी की तुलना में सर्वाधिक 18,347 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा कमाया है। इस तरह यह कंपनी देश की सबसे कमाऊ कंपनी कही जा सकती है। लेकिन इसके बाद भी सरकार ने इसके विनिवेश का निर्णय लिया है।

केंद्र सरकार ने 28 अक्तूबर को एक पत्र के जरिए ओएनजीसी को मुंबई हाई और बेसिन क्षेत्र के कुल उत्पादन में 60 फीसदी हिस्सेदारी निजी कंपनियों को देने को कहा था। इससे कंपनी के कर्मचारियों में भारी आक्रोश है। वे सरकार से इस निर्णय को वापस लेने की अपील कर रहे हैं। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी को लिखे पत्र में ओएनजीसी के 17,000 कर्मचारियों के एक संगठन ने कहा है कि कंपनी बेहद अच्छी आर्थिक स्थिति में है, उसे निजी क्षेत्र के हाथों में नहीं सौंपा जाना चाहिए। इससे कंपनी के कर्मचारियों के साथ-साथ देश के रणनीतिक महत्व के ऊर्जा हितों को गंभीर चोट पहुंच सकती है। संगठन के नेता और मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव रहे अमर नाथ ने इसे सरकार की बड़ी गलती बताया है।

कर्मचारियों का आरोप है कि इसे एक निजी कंपनी को बेचने की कोशिश की जा रही है। पहले ओएनजीसी को गुजरात की एक घाटे वाली कंपनी को खरीदने के लिए मजबूर किया गया था। इसके बाद उसे अपने से जोड़कर लाभ की स्थिति में दिखाने की कोशिश की गई और अब इसे ऊर्जा क्षेत्र की एक निजी कंपनी को बेचने की तैयारी की जा रही है। कर्मचारी इस पूरी घटना को एक निजी कंपनी को लाभ पहंचाने की साजिश के तौर पर देख रहे हैं।

केंद्र सरकार ने ओएनजीसी के जिस मुंबई हाई और बेसिन क्षेत्र को निजी हाथों में बेचने की तैयारी की है, अकेले वहां से कंपनी का लगभग 63 फीसदी और पूरे देश के लगभग 40 फीसदी तेल-गैस का उत्पादन किया जाता है। इस प्रकार केवल इस क्षेत्र को निजी हाथों में सौंपने का अर्थ देश के तेल-गैस उत्पादन क्षेत्र की आधी क्षमता को निजी क्षेत्र को सौंप देना है।

कुख्यात स्नेचर को नजफगढ़ पुलिस ने किया गिरफ्तार

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नजफगढ़/शिव कुमार यादव/- नजफगढ़ थाना पुलिस ने महिलाओं के साथ झपटमारी करने वाले एक कुख्यात स्नेचर को अजय पार्क से पकड़ने में सफलता प्राप्त की है। आरोपी स्नेचिंग, लूट व चोरी के 25 मामलों में शामिल रहा है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है ताकि और मामलों का खुलासा हो सके।

इस संबंध में डीसीपी द्वारका शंकर चौधरी ने बताया कि पालम निवासी श्रीमति निर्मल शर्मा पत्नी कमल शर्मा की शिकायत पर कार्यवाही करते हुए एसआई ज्ञानेंद्र प्रताप, एचसी परमजीत, एचसी भागीरथी व सीटी दीपक की टीम ने आरोपी को अजयपार्क नजफगढ़ से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार महिला का कहना है कि 8 नवंबर को जब वह अपने रिश्तेदार के यहां नजफग में घर के बाहर खड़ी थी तभी अचानक बाईक पर दो युवक आये और उसके गले से सोने की चेन झपटकर फरार हो गये।

पुलिस ने आरोपी की पहचान विपिन उर्फ सोनू पुत्र विजयपाल निवासी दास गार्डन, बापड़ोला, रणहौला के रूप में की है। वह स्नेचिंग, चोरी व डकैती के 25 मामलों में पहले से शामिल रहा है तथा रणहौला थाने का बीसी भी बताया जा रहा है। पुलिस ने पूछताछ में आरोपी से नजफगढ़ व बिंदापुर थानों के 6 मामले हल होने का दावा किया है।

पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर एक दिन के पीसी रिमांड पर लिया है ताकि स्नेचिंग की गई चेन को बरामद कर सके और उसके दूसरे साथी को भी गिरफ्तार किया जा सके।

दिल्ली-एनसीआर में समय रहते हो प्रदूषण पर कार्यवाही- एससी

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण के मामले पर बुधवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा कि जब मौसम गंभीर होता है तो उपाय किए जाते हैं। वायु प्रदूषण को रोकने की कोशिशें पहले ही की जानी चाहिए। एससी ने कहा कि यह राष्ट्रीय राजधानी है, जिसका ये हाल है, जरा सोचिए कि हम दुनिया को क्या संकेत दे रहे हैं।दिल्ली में लोगों को प्रदूषण की वजह से कांफी परेशानी उठानी पड़ रही है। जिसे देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह वायु प्रदूषण मामले की सुनवाई बंद नहीं करेगा और फिलहाल इस पर अंतिम आदेश भी नहीं देगा। अदालत ने कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए वह इसकी सुनवाई करता रहेगा। कोर्ट ने अगली सुनवाई की तारीख 29 नवंबर तय की है। कोर्ट ने केंद्र सरकार से किए जा रहे उपायों पर सवाल किया। जवाब में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि, कुछ दिनों में एयर क्वालिटी सुधरने की संभावना है। हम 3 दिन बाद स्थिति की समीक्षा करेंगे। कोर्ट ने अगले 3 दिनों तक प्रदूषण कम करने के लिए जरुरी कदम उठाने की बात कही। कोर्ट ने कहा कि अगर कोई सुधार होता है, तो कुछ बैन हटाए जा सकते हैं।

लंबी उम्र के लिए सुबह का नाश्ता जरूरी, वैज्ञानिकों ने किया खुलासा

-वैज्ञानिकों ने लम्बी उम्र पाने और डायबिटीज जैसी बीमारियों से खुद को दूर रखने का सीक्रेट बताया

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/हैल्थ डेस्क/भावना शर्मा/- इंसान की हमेशा लंबी उम्र की चाहत रही है। जिसके लिए वह लगातार शोध करता आया है। हालांकि युगों के हिसाब से अब इंसान की उम्र काफी कम हो गई है जो पहले काफी लंबी होती थी। लेकिन अब लम्बी उम्र की चाहत रखने वालों को वैज्ञानिकों ने इसका एक सीक्रेट बताया है। वैज्ञानिकों का कहना है, इंसान की लम्बी उम्र के लिए सुबह का नाश्ता जरूरी है। इससे शरीर पर कई तरह से असर पड़ता है। जो इंसान की उम्र को लम्बा बनाता है। इंसान की लम्बी उम्र और नाश्ते के बीच क्या कनेक्शन है, इससे शरीर पर कितना असर पड़ता है और रिसर्च के नतीजे क्या कहते हैं। आईये जानते है इन सवालों के बारे में-

इंसानी की लम्बी उम्र और नाश्ते के बीच कनेक्शन को समझने के लिए न्यूयॉर्क की सिटी यूनिवर्सिटी के शोधकताओं ने रिसर्च की। रिसर्च में 40 साल की उम्र वाले 34 हजार अमेरिकी लोगों के खानपान पर नजर रखी गई। वैज्ञानिकों ने लोगों के खानपान के समय को रिकॉर्ड किया और मौत की दर को भी समझा।

वैज्ञानिकों ने पाया कि अगर सुबह का नाश्ता 7 बजे से पहले करते हैं तो इंसान की उम्र बढ़ती है। इसका सीधा असर इंसान की बॉडी क्लॉक पर पड़ता है। रिपोर्ट में कहा गया कि इंसान खानपान में जितनी देरी करता है। उसका नकारात्मक असर पड़ता है और इंसान की उम्र प्रभावित होती है। अगर देर रात में खाना खाते हैं तो हार्ट डिजीज और डायबटिज का खतरा बढ़ता है।

जर्नल ऑफ न्यूट्रीशन में पब्लशि रिसर्च कहती है, अगर सुबह 6 से 7 के बीच ब्रेकफास्ट करते हैं तो हार्ट डिजीज जैसी बीमारियों से मौत का खतरा 6 फीसदी तक घट जाता है। वैज्ञानिक कहते हैं, नाश्ते को कभी मत छोड़ें। सुबह का नाश्ता शरीर के काम करने की क्षमता को बेहतर बनाने के साथ इंसुलिन जैसे हार्मोन को भी कंट्रोल करता है। रिपोर्ट के मुताबकि, सुबह समय से नाश्ता करते हैं तो ब्लड शुगर के बढ़ने का खतरा भी काफी हद तक कम किया जा सकता है।

हेल्थ प्लस

चर्बी घटाने के लिये रोजाना पीयें तीन प्याला हरी चाय

निस्संदेह कसरत करना चर्बी घटाने का बेहतर तरीका है लेकिन एक नया शोध कहता है कि वजन कम करने में रोजाना तीन प्याला हरी चाय भी मददगार हो सकती है।

डेली मेल के अनुसार एक अंतरराष्ट्रीय समूह ने यह शोध किया और पाया कि रोजाना तीन प्याला हरी चाय पीने से जंक फूड लेने के बावजूद अतिरिक्त चर्बी घटाने में मदद मिल सकती है। शोधकर्ताओं के मुताबिक हरी चाय ज्वलनशील रसायन उत्पन्न करती है जो चर्बीयुक्त कोशिकाएं बनने से रोकते हैं। ये रसायन उच्च रक्त चाप को भी नियंत्रित करते हैं।

क्विसलैंड यूनिवर्सिटी के प्रमुख शोधकर्ता डा. लिंडसे ब्राउन और उनके साथी हरी चाय, स्पीयरमिंट, अंगूर की जड़ों और जैतून की पत्तियों के मिश्रण से बनी चाय स्पीरोल टी के प्रभाव का अध्ययन करने के बाद इस निष्कर्ष पर पहुंचे।

चूहों के एक समूह को चीनी युक्त आहार दिया गया। इससे उनके पेट के आसपास की चर्बी आठ सप्ताह में बढ़कर दोगुनी हो गयी। उनका रक्तचाप भी बढ़ गया। जब से उन्हें स्पीरोल टी देना शुरू की गयी, उनके पेट का आकार और रक्तचाप सामान्य हो गया।

उबासी में हैं बड़े गुण

उबासी पर आए नए शोध न केवल मानव शरीर के आंतरिक क्रियाओं के रहस्यों को जानने में मददगार साबित हो रहे हैं, बल्कि कुछ और रहस्यों से पर्दा भी उठा रहे हैं।

मानव और उसके सच्चे साथी कहे जाने वाले कुत्ते के बीच संबंधों का तानाबाना तलाशते-तलाशते बात उबासी तक पहुंच गई है। लंदन के वर्कबैक कॉलेज द्वारा कराए गए हालिया शोध में कुछ ऐसा ही दावा किया गया है। उबासी पर प्रयोगों में साबित हुआ है कि मानव शरीर की तमाम क्रियाओं के प्रति कुत्ते की संवेदनशीलता का नजदीकी संबंध है।

शोध में 29 कुत्तों को लिया गया और पाया गया कि उसके नजदीक मनुष्य को यदि उबासी आती है तो 72 प्रतिशत मामलों में उसके नजदीक बैठे कुत्तों को भी उबासी आती है। इसको इस तरह से भी देखा जा रहा है कि मनुष्य की आंतरिक क्रियाओं के के प्रति कुत्तों की संवेदनशीलता के तार उससे भी ज्यादा जुड़े हो सकते हैं जहां तक मनुष्य ने समझा है।

उबासियों को मानव शरीर की क्रियाओं की शुरूआत के तौर पर भी देखा जाता है, मसलन उबासी के बाद ही यूस्टेचियन ट्यूब खुलती है, फेफड़े फूलते हैं और एक झटके से मनुष्य की सुस्ती दूर हो जाती है। उबासियों का मनुष्य की तंत्रिका तंत्र से कितना गहरा लगाव है इसको इस तरह से भी समझा जा सकता है कि स्ट्रोक के शिकार व्यक्ति को भी उबासी के दौरान उसके लकवाग्रस्त अंगों में हरकत आ जाती है। स्ट्रोक से प्रभावित व्यक्ति पर यह प्रयोग ब्रिटेन की एक प्रयोगशाला में सर फ्रांसिस वाल्श के नेतृत्व में हो रहे हैं। इन्हीं प्रयोगों के रहस्यों से पर्दा उठाकर वैज्ञानिक लकवाग्रस्त अंगों को फिर से ठीक करने की जुगत लगा रहे हैं।

अब तक के शोध के कुछ बिंदु

अमूमन एक उबासी का चक्र 6 सेकेंड में पूरा हो जाता है। यह कभी आधी-अधूरी नहीं होती।

उबासी रीढ़धारी जीवों में आदि काल से मानी जाती है। वैज्ञानिक मानते हैं कि एक-दूसरे की देखादेखी उबासी लेने की प्रक्रिया बाद में शुरू हुई होगी।

मनुष्य की एक प्रक्रिया से दूसरे में जाते समय भी उबासी के लक्षण तंत्रिका तंत्र की खास प्रक्रिया का हिस्सा माना जा रहा है। मसलन नींद से जागने, जागने से सोते जाते समय या फिर ऐसी ही क्रियाओं के समय भी उबासी के लक्षण इस बात का प्रमाण हैं।

त्रिविमीय स्केनरों के आने के बाद यह सिद्ध हो गया है कि गर्भ में दो महींने का बच्चा भी उबासियां लेने लगता है।

बढ़ते बच्चों की फिटनेस

फिट रहने की चाह आजकल सब में बढ़ती जा रही है। इस मॉडर्न दौर में लोग अपने आप को फिट रखने के लिए अधिक से अधिक प्रयास कर रहे हैं और जो होना भी चाहिए।

अगर पैरेन्ट्स यह आदत बच्चों में शुरू से ही डाल दें कि शरीर को फिट रखना अच्छी सेहत के लिए कितना जरूरी है तो वे शुरू से ही फिट रहेंगे।

बच्चों की फिटनेस के लिए कुछ खास बातों पर ध्यान दें-

बच्चों को डेली रूटीन में एक्सरसाइज करनी चाहिए, जो सुबह या शाम के समय में कर सकते हैं। जो बच्चे जिम में जाते हैं वे इस बात का ध्यान रखें कि हैवी वेट एक्सरसाइज उन्हें नहीं करनी चाहिए। लाइट वेट एक्सरसाइज, कार्डियो, एरोबिक्स, स्ट्रैचिंग और योगा ही करनी चाहिए और इसके अलावा पार्क में फुटबाल, वॉलीवाल और जोगिंग भी कर सकते हैं। गर्मियों में स्वीमिंग करना भी अच्छी एक्सरसाइज है।

बच्चों की अच्छी डाइट भी फिटनेस के लिए बहुत जरूरी है। बच्चों को प्रोटीन, विटामिन्स, कार्बोहाइड्रेट्स सही मात्रा में मिलना चाहिए क्योंकि बच्चों के मसल्स डवलप होते समय उनको यह मिलने से उनकी ग्रोथ भी अच्छी होगी। इन सब बातों का ध्यान देने से बच्चे फिट और सही हाइट का लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं।

जल आधारित भोजन से कुछ घटता ही है वजन

पानी जीवन का आधार, बिन पानी सब सून। पहले प्यास बुझाने के लिए पानी पिया जाता था, बाद में शोधों से पता चला कि पानी में ढेरों औषधीय गुण विघमान हैं, चुनांचे ज्यादा पानी पीने की सलाह दी जाने लगी। अब विज्ञानी नई खबर लेकर आए हैं और वह यह कि अगर स्लिम-ट्रिम होने के लिए आप गिलास पर गिलास पानी पेट में उतार रहे हैं तो समझ लें समय बरबाद कर रहे हैं। यानी ज्यादा पानी पीने से किसी भी सूरत में वजन कम नहीं होता है।

डायटीशियन लोगों को रोजाना कम से कम आठ गिलास पानी पीने की सलाह देते हैं। पानी का वजन पर पड़ने वाले प्रभाव के आकलन के लिए वैज्ञानिकों ने हाल में कई शोध किए। इनमें से एक रिसर्च में उन्होंने 1000 महिलाओं के बेट और वेस्ट यानी वजन और कमर के आकार का अध्ययन इस आधार पर किया कि वे प्रतिदिन कितना पानी पी रही हैं और उसे किस रूप में ले रही हैं। शोधकर्ता यह जानकर हैरान रह गए कि वजन कम करने के लिए ये महिलाएं ज्यादा पानी पी रही थीं, लेकिन अधिक पानी तथा वेट लूज में किसी तरह का कोई संबंध नही बन पा रहा था। अलबत्ता एक अच्छी सूचना यह हाथ लगी कि इन 1000 महिलाओं में से जो जल आधारित भोजन ले रही थीं, उनके वेस्ट के आकार में मामली-सा बदलाव आया था। विज्ञानियों का कहना है कि इस फाइंडिंग के बाद सही तो यह होगा कि वे सभी लोग जो वजन कम करने के अभियान से जुटे हैं, ज्यादा पानी के बजाए फल, सब्जियां, जूस तथा सूप आदि लें। इससे शरीर को आवश्यक पोषक तत्व मिलेंगे और फाइबर अतिरिक्त चर्बी घटाने में मदद करेगा। इसके अलावा चाय, कॉफी और सॉफ्ट ड्रिंक्स तो हैं ही। पानी को वेट लूजर के रूप में इस्तेमाल करने के बारे में वैज्ञानिकों ने चेताया है कि ज्यादा पानी पी लेने से भूख कम लगती है। इसका सीधा असर स्वास्थ्य पर पड़ता है और व्यक्ति लो ब्लडप्रेशर का शिकार हो जाता है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि इसका कतई यह मतलब नहीं है कि कम पानी पिया जाए। स्थान विशेष की जलवायु के हिसाब से शरीर खुद पानी की मांग करता है और उस मांग की आपूर्ति बेहद जरूरी है। पानी के बहाने शोधकर्ताओं ने एक अहम चेतावनी भी दी है। उनका कहना है कि पॉली या प्लाटिस्क की बोतलों में पैक पानी सेहत के लिए हानिकारक होता है। पानी को बॉटल में प्रोसेस करते समय कुछ कैमिकल्स का इस्तेमाल किया जाता है, जो दिल के दौरों के खतरे को दोगुना कर देते हैं।

आयु बढ़ाता है विटामिन 'डी'

लंबी आयु चाहते हैं तो नियमित तौर पर कुछ समय सूर्य के प्रकाश में गुजारा करें। एक नए अध्ययन के अनुसार सूर्य के प्रकाश से शरीर में विकसित होने वाला विटामिन डी मृत्यु दर को कम करता है। पहले हुए अध्ययनों ने भी इस आर संकेत दिया था कि सूर्य के प्रकाश से संभवत: कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ होते हैं जिनमें कैंसर, धमनियों की बीमारी और दमे से बचाव शामिल हैं। आस्ट्रिया के ग्राज विश्वविघालय ने पाया है कि सूर्य के प्रकाश से प्राप्त होने वाला विटामिन डी मृत्यु दर में कमी लाता है। यही विटामिन कैल्शियम के अवशोषण में शरीर को मदद करता है। 'दी डेली टेलीग्राफ' के अनुसार मुख्य अनुसंधानकर्ता हेराल्ड डोबनिग का कहना है कि यह पहला संयुक्त अध्ययन है जिसमें यह पता चला है कि विटामिन डी मृत्यु दर को प्रभावित करता है और इसका मृत्यु के प्राथमिक कारण से कोई लेना देना नहीं है। दूध और सालमोन मछली में विटामिन डी पाया जाता है। इसकी कमी से बच्चों को रिकेट्स बीमारी और बड़ों को गठिया हो सकता है। अध्ययन में औसतन 62 वर्ष आयुवर्ग के 3200 से अधिक लोगों का अनुसंधानकर्ताओं ने परीक्षण किया।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
आपके पूंजीगत निवेशों से भी लाभ होगा। पारिवारिक उत्तरदायित्व अधिक रहेगें। पदोन्नति मिलने का योग हैं। आमदनी में वृद्धि होगी। यात्रा में सावधानी बरतें। क्षमता से अधिक कार्य करने से मर्ज बिगड़ सकता है। मनचाहा स्थानान्तरण मिल सकता है। अपने लक्ष्य के प्रति सजग रहें। शुभांक-2-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। बौद्धिक कार्यों में दक्षता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मन: स्थिति से अधिक प्रभावित रहेगा। शुभांक-३-४-७

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
पुरूषार्थ और कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में आप वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक समय उपलब्धिकारक रहेगा। शुभांक-4-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष से सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक -4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
निकटस्त व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में बाधा को दूर करेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-5-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभांक-1-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
विवादों व मुकदमेबाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। स्वयं को अधिक सक्रिय पाएंगे। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-2-5-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
हरि करे सो खरी अत: हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-3-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंग। धार्मिक कार्य में समय व धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-2-4-7

काकुरो पहेली - 1913

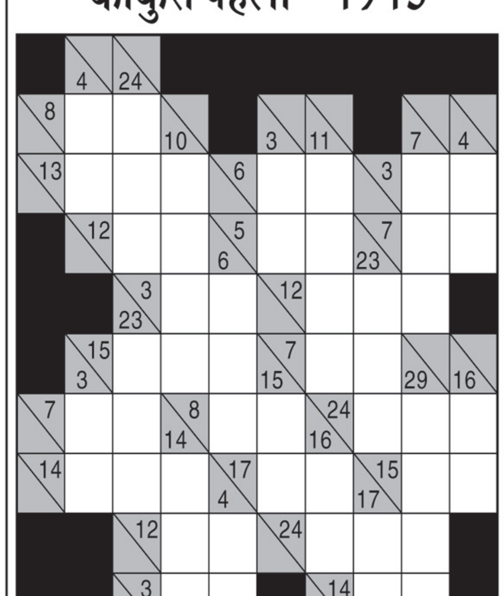

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

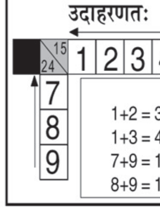

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 1912 का हल

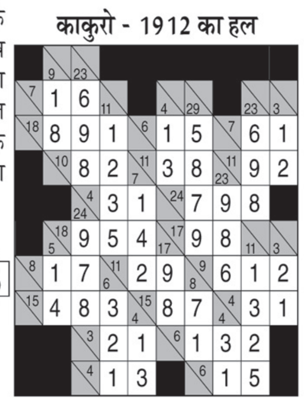

हंसी के फूव्वारें

एक अभिनेत्री ने ब्यूटी-क्लीनिक की मालकिन से अपने चेहरे के दाग को मिटाने का रेट पूछा.

'पांच सौ रुपये लगेंगे !'

'पांच सौ तो ज्यादा हैं !'

'फिर ?'

'कोई सस्ता तरीका बताइए !'

'सस्ता नहीं मुफ्त का तरीका है.'

'कृपया जल्दी बताइये !'

' घूंघट निकालना शुरू कर दीजिए! आपका काम मुफ्त में बन जायेगा.'

□ □ □

एक आंखों के डाक्टर ने अपने एक सर्जन मित्र को नजर का चश्मा बनाकर दिया. संयोग से उसी दिन आंखों के डाक्टर को उसी सर्जन से अपना ऑपरेशन करवाना पड़ा.

फिर जब वह ऑपरेशन टेबल पर लेट गया तो सर्जन चश्मा लगाकर बोला- 'रेडी ! मैं तैयार हो गया हूँ ! अब तुम बताओ कि तुम कहां हो?'

आंखों का डाक्टर तुरन्त मेज से कूद पड़ा.

□ □ □

प्रशंसिका: ''आपके उपन्यास का अंतिम सीन बहुत अच्छा है.''

उपन्यासकार: ''उपन्यास के आरंभ के विषय में आपका क्या विचार है?''

प्रशंसिका: ''मैं उसे अभी पढ़ना शुरू करने वाली हूँ.''

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 1913

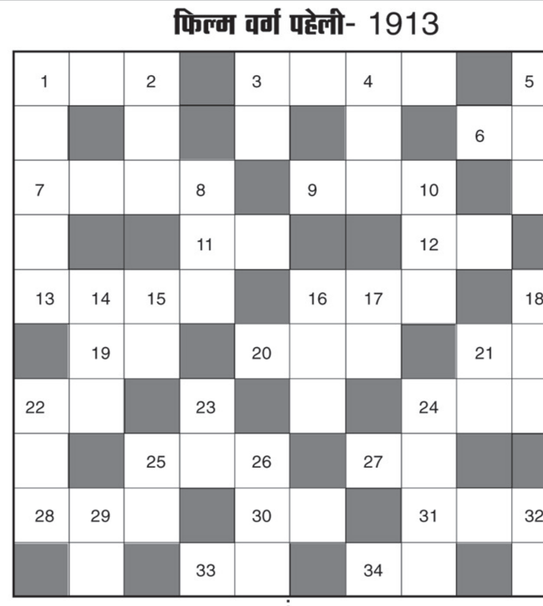

बायें से दायें:-

१. शाहिद कपूर, अमृता राव की फिल्म-३
३. शाहिद कपूर और अमृता राव की जोड़ी वाली पहली फिल्म कौन सी थी-२,२
६. सनी, प्रीति की 'तुझे देखा तो दिल मेरा डोल गया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'वो लड़की जो सबसे अलग है' गीत वाली फिल्म-४
९. शत्रुघ्न सिन्हा, शर्मिला की फिल्म-३
११. 'तू प्यार का सागर है तेरी' गीत वाली बलराज, नूतन की फिल्म-२
१२.अजय, जॉन, लारा, ईशा की फिल्म-२
१३. 'इससे पहले कि याद' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१६. भारतभूषण, नूतन की फिल्म-३
१९. फिल्म 'ईना मीना डीका' में जूही का नाम क्या है-२
२०. मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीतवाली फिल्म-३
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली फिल्म-२
२२. दिलीपकुमार, निम्मी की 'खेलो रंग हमारे संग' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'ऐ बादल झूम के चल' गीत वाली नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-३
२५. सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी, मीनाक्षी की फिल्म-३
२७. 'मैं नाचूँ बिन पायल' गीत वाली ऋतिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-२
२८. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दो परदेसी अनजाने' गीतवाली फिल्म-३
३०. 'अंखियां ये अंखियां' गीत वाली दिलीप कुमार, रेखा की फिल्म-२
३१. दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३३. अमिताभ-जीनत अमान की हिट फिल्म की शहरूख, प्रियंका स्टारर रीमेक-२
३४. 'ये दौलत भी लेलो' गीतवाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'लगे रहो मुन्ना भाई' में संजयदत्त के साथ नायिका कौन है-२,३
२. सैफ अली खान, काजोल की फिल्म-३
३. 'देखो देखो जानम' गीत वाली फिल्म-२
४. दिलीपकुमार, संजयदत्त, पद्मिनी की 'हाथों की चंद' गीत वाली फिल्म-३
५. अजय देवगन, आयशाटकिया की फिल्म-३
८. 'मेहंदी लाया साजन' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'इश्क पे मत इल्जाम लगाना' गीत वाली ऋषिकपूर, फरहा की फिल्म-३
१४. अजय देवगन अभिषेक, बिपाशा की 'तेरे संग एक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'विक्टोरिया नं. २०३' में प्राण का नाम-२
१६. देवानंद, मधुबाला की 'सावन के महीने में एक' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'रेशम जैसा रंग देखो' गीत वाली गोविंदा, सोनम की फिल्म-२
१८. राजेंद्रकुमार, कामिनी की फिल्म-३
२१. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानवी की फिल्म-२
२२. बॉबी, करिश्मा की 'तुम क्या जानो दिल करता' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'घातक' में सनी का नाम क्या था-२
२४. अजय देवगन, जूही चावला की 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'हम तो दिल से' गीत वाली फिल्म-२
२६. विनोद खन्ना, डिम्पल की फिल्म-३
२९. 'धीमी धीमी सी' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'ओ डार्लिंग ये है इंडिया' में 'मिस इंडिया' कौन बनी है-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1912

उ	म	श	व	जा	न		आ	गा	ज
मं		हु		न		र	ति		मा
ग	ज	ल		शी	बा		श	बा	ना
	मी		अ	न	जा	ना		रू	
स	र	ग	म		र		स	द	मा
हे		द	ला	ल		सु	र		ई
ली	ड	र		ज्ञा		ख		खे	ल
	कै		का		सो		आ		व
श	त	औ	र	दि	न		शे		
खी			वॉ		म	न	प	सं	द

सूडोकु -1913

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1912 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

शब्द पहेली - 1913

बाएँ से दाएँ

1.पावर हाऊस -5
4.दिमागी,कल्पित-4
7.हृदय-2
8.खोदना-3
9.प्रचार वाक्य,स्लोगन-2
10.नुकीला-4
11.कलिका-2
13.प्यारा,लाडला-3
14.विशिष्ट,विशेष-2
15.खर्च,उपभोग-3
17.नौका-2
19.नाम करण-2,3
22.चमकीला-5
25.महोदय (अंग्रेजी-2)
26.रनिवास,जनवासा-3
28.संध्या,सांझ-2
29.दलना,महीन करना-3
30.जस,सम्मान -2
32.कारागृह-4
34.आलाप,लय,सुर-2
36.पागल स्त्री-3
37.इंकार,मना-2
38.सराबोर,सना हुआ -4
39.वेश्या,तवायफ-5

ऊपर से नीचे

1.चूहे का घर-2
2.नेता-3
3.सार-संभार-2,3
4.आदर्श,कसौटी-3
5.छाती-2
6.अचरज भरा कार्य-4
7.हृदय को ठेस लगना-5
10.अनवरत वर्षा-4
12.जूं का अंडा-2
16.ओट,घूंघट-3
17.मां के पिता-2
18.दुख,कष्ट-2
20.राष्टीय पक्षी-3
21.पत्र,लैटर-2
22.गुप्तचर,दूत-2
23.कपड़ों के टुकड़े (अंग्रेजी-4)
24.रवानगी, प्रस्थान करना-3,2
25.समयुगीन,समवर्ती-5
26.बंद,स्ट्राइक-4
27.सुरा,शराब-2
31.वचन,प्रतिज्ञा-3
33.बंदर-3
35.नथनी,नथिया-2
37.शहद-2

शब्द पहेली - 1912 का हल

आ	स		म	न		रा	ख		फां	श
म	न	न		शा	न		र	न		क
	म	क	र		त	न		र	म	
का		ल	ह	जा		भ	ला		द	म
या	क		ना	ति	न		वा	द		र्ज
	र	वा		य	म	ज		म	जा	
न		दा	स		क	त	रा		र	मा
व	न		ही	ना		न	ज	र		ला
	ल	त		ज	रा		न	म	न	
का		न	शा		त	र		ल	क	वा
ल	क्ष		क	र्ज		थ	ल		ल	त

कोरोना के नये वैरियंट से दहशत बढ़ी, सरकार सतर्क

-पीएम मोदी ने अंतरराष्ट्रीय यात्रा प्रतिबंधों में ढील का रिव्यू करने को कहा, 2 घंटे चली मोदी की मीटिंग

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- विश्व के कई देशों में तेजी से फैल रहे कोरोना के नये वैरियंट ओमिक्रॉन से बचाव के लिए नाकेबंदी शुरू हो गई है। इस वैरियंट को सबसे पहले दक्षिण अफ्रीका में देखा गया था जिसके चलते अब देश में भी ओमिक्रॉन की दहशत साफ दिख रही है। जिसके चलते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अधिकारियों संग मीटिंग कर अंतरराष्ट्रीय यात्रा प्रतिबंधों में ढील पर रिव्यू करने को कहा है। इस दो घंटे चली मीटिंग में पीएम मोदी को अधिकारियों ने देश में किये जा रहे प्रबंधों से अवगत कराते हुए कहा कि सरकार पूरी तरह से सतर्क है और हम इस बार कोई चूक नही होने देना चाहते। भारत के लिए इसके प्रभावों पर भी चर्चा की गई. पीएम ने नए वेरिएंट को ध्यान में रखते हुए एक्टिव रहने की जरूरत पर जोर दिया।

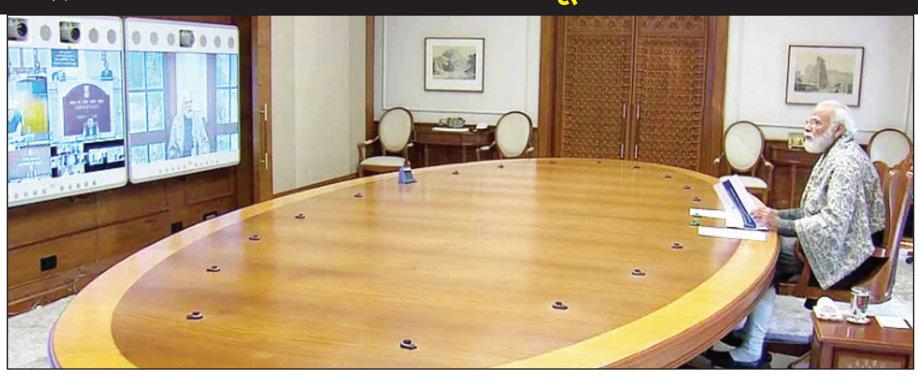

बी.1.1.529 वैरिएंट के म्युटेशन ने चिंता बढ़ाई है। इसमें 50 म्युटेशन पाए गए हैं, जो विज्ञानियों के अनुमान से कहीं ज्यादा है। इनमें से कई म्युटेशन इम्यून सिस्टम को प्रभावित करने में सक्षम हो सकते हैं। इस वैरिएंट के स्पाइक प्रोटीन में 30 से ज्यादा म्युटेशन पाए गए हैं, जो डेल्टा से करीब दोगुना है। स्पाइक प्रोटीन की मदद से ही वायरस मनुष्य की कोशिकाओं में प्रवेश करता है। टीके भी स्पाइक प्रोटीन को ही निशाना बनाते हैं। विज्ञानियों का कहना है कि वैरिएंट में इतने म्युटेशन हैं कि शुरूआती वायरस को ध्यान में रखकर बनाए गए टीकों का प्रभाव इस पर कम हो सकता है।

दक्षिण अफ्रीका में कोरोना वायरस के नये वेरिएंट का पता चलने और इसे लेकर दुनिया भर में पैदा हुई आशंकाओं के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में कोविड-19 की ताजा स्थिति और जारी टीकाकरण अभियान की समीक्षा के लिए शनिवार को एक अहम बैठक की. डिजिटल माध्यम से हुई। इस बैठक में कैबिनेट सचिव राजीव गाउबा, प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव पी के मिश्रा, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण, नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) वी के पॉल सहित कुछ अन्य अधिकारी मौजूद थे।

प्रधानमंत्री ने सभी अंतरराष्ट्रीय यात्रा से लौटने वालों की निगरानी करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने दिशा-निर्देशों के मुताबिक सभी की टेस्टिंग, जोखिम में पहचाने गए देशों पर विशेष ध्यान देने की बात कही। प्रधानमंत्री ने अधिकारियों से उभरते नए साक्ष्यों के आधार पर अंतरराष्ट्रीय यात्रा प्रतिबंधों में ढील देने की योजना की समीक्षा के लिए भी कहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि लोगों को अधिक सतर्क रहने, मास्क लगाने और सोशल डिस्टेंसिंग जैसी उचित सावधानी बरतने की जरूरत है. पीएम मोदी ने अधिकारियों के साथ हुई इस मीटिंग में ये भी कहा कि दूसरी डोज की कवरेज भी बढ़ाने की जरूरत है. प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्यों को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर संवेदनशील होना चाहिए कि जिन लोगों को पहली डोज मिली है उन्हें दूसरी डोज भी समय पर दी जाए।

साइबर अपराधः ऑनलाइन अर्निंग ऐप्स से रहे सतर्क- एसपी वसीम अकरम

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/झज्जर/शिव कुमार यादव/- झज्जर पुलिस द्वारा आम लोगों को साइबर क्राइम से बचाव के प्रति जागरूक करने के लिए चलाया जा रहा विशेष जागरूकता पाठशाला का अभियान लगातार जारी है। पुलिस अधीक्षक झज्जर श्री वसीम अकरम के दिशा निर्देश अनुसार चलाए जा रहे विशेष जागरूकता अभियान के तहत आमजन को साइबर अपराध/ठगी से बचाव के संबंध में सजग करने के साथ-साथ महत्वपूर्ण सुझाव/टिप्स भी दिए जा रहे हैं। साइबर जागरूकता पाठशाला के तहत झज्जर पुलिस द्वारा आम लोगों को साइबर ठगी के तौर तरीकों की जानकारी देते हुए उनसे बचने व सावधान रहने के लिए लगातार जागरूक किया जा रहा है। एसपी वसीम अकरम ने बताया कि साइबर अपराधी ठगी करने की नियत से अलग-अलग तरह के तरीके अपनाते रहते हैं। साइबर अपराधी द्वारा किसी व्यक्ति को झांसा देते हुए पैसा प्राप्त करने के लिए अलग-अलग तरह के प्रलोभन दिए जाते हैं।

ऑन लाइन अरनिंग ऐप धोखाधड़ी

वर्तमान महामारी के दौरान, साइबर अपराधी, आकर्षक ऑफर का वादा करके ऑनलाइन कमाई करने वाले ऐप द्वारा मासूम / अनभिज्ञ लोगों को ठग रहे है। साइबर अपराधी, लोगों को अपनी गाढ़ी कमाई को ऑनलाइन ऐप में निवेश करने के लिए समझा लेते हैं, उच्च रिटर्न का वादा करते हैं किन्तु निवेश वापसी संदेहास्पद होती हैं। हमेशा आरबीआई / सेवी द्वारा विनियमित कंपनियों में निवेश करें और त्वरित लाभ की उम्मीद में संदेहास्पद ऐप्स में निवेश करने से बचें।

बेरोजगारी भत्ता योजना धोखाधड़ी

साइबर अपराधी बेरोजगारी का इस्तेमाल मासूम/अनभिज्ञ लोगों को फर्जी रोजगार भत्ता की पेशकाश कर, ठगने के अवसर के रूप में कर रहे हैं। वे लोगों को प्रधानमंत्री बेरोजगारी भत्ता योजना जैसी नकली वेबसाइटो में पंजीकरण करने के लिए कह सकते हैं या एसएमएस, ईमेल या अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से फर्जी पंजीकरण अनुरोध भेज सकते हैं। नकली वेबसाइटों से सतर्क रहें और किसी भी कारण से संदिग्ध होने पर अनजान कॉल/संदेश/ईमेल आदि का जवाब ना दें और अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा ना करें। उन्होंने बताया कि साइबर क्राइम/ऑनलाइन ठगी से बचने के लिए कुछ सावधानियां रखनी अति आवश्यक हैं। साइबर क्राइम अथवा किसी भी प्रकार की ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के लिए जरूरी है कि प्रत्येक उपयोगकर्ता इंटरनेट का इस्तेमाल करते समय फर्जी एप्स के प्रति सतर्क रहे।

निगम चुनावों में इस बार कौन होगा सत्तासीन, पति या पत्नी...

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- इस बार निगम चुनावों में एक आश्चर्यचकित करने वाली बात भी सामने आ रही है जिसमें पति-पत्नी में सत्तासीन होने को लेकर कड़ी टक्कर होने की बात सामने आ रही है। हालांकि अभी तक चुनावों में पत्नी अपने पति के नाम का इस्तेमाल करती रही है।

इसबार नजफगढ़ निगम वार्ड जोन में लगभग उन सभी सीटों पर पति-पत्नी की यह टक्कर देखने को मिलेगी जिन सीटों को परिसीमन के तहत महिला वार्ड घोषित किया जायेगा। अभी तक पत्नियां चुनावों में अपने पति के नाम का इस्तेमाल करती आई हैं। वहीं पति भी अपना वर्चस्व व लोगों में अपने नाम को बनाये रखने के लिए पत्नियों के नाम के साथ अपना नाम जोड़ते रहे है। लेकिन क्या इसबार भी ऐसा होगा या पत्निया अपने नाम के सहारे ही चुनाव लड़ेगी। इसबार एक और बात जो अलग दिखाई दे रही है कि इस बार चुनाव में पति-पत्नी के नाम के बीच ही टक्कर होती दिखाई दे रही है। कुछ ऐसी उम्मीदवार भी है जो रूतबें में पति से कहीं आगे निकल चुकी हैं तो वो कैसे पति के नाम को अपने नाम के साथ जोड़ेगी। एक रिपार्ट में सामने आया है कि इसबार निगम चुनावों पार्टियों के साथ-साथ पति-पत्नी के नाम के बीच भी लड़ा जायेगा। नजफगढ़ की बात करे तो गोपालनगर वार्ड में वर्तमान पार्षद महोदया सुरज अंतिम गहलोत लिखती है। वहीं दिचाऊं कलां वार्ड की पार्षद नीलम कृष्ण पहलवान लिखती हैं, नजफगढ़ निगम वार्ड की पार्षद मीना तरूण यादव लिखती हैं। इसी तरह पहले भी नामों का तालमेल चलता रहा है।

यूएई में चीन के सीक्रेट मिलिट्री बेस का हुआ भंडाफोड़, अमेरिका ने रोका

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/वाशिंगठन/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- भारत के बाद अब यूएई को भी चीन ने धोखा दिया है। दरअसल ड्रैगन अमेरिका से टक्कर लेने के लिए खाड़ी देशों में अपने पैर जमाने की कोशिश कर रहा है और इसके लिए वह साम, दाम, दंड, भेद की नीति पर काम कर रहा है। हालांकि अभी तक ड्रैगन विश्वास में लेकर ही अपनी चालबाजी करता आया है जिसका ताजा प्रमाण यूएई में सामने आया है जहां अमेरिका ने चीन की चालबाजी को उजागर करते हुए खलीफ पोर्ट पर चुपचाप बनाये जा रहे सीक्रेट मिलिट्री बेस का भंडाफोड़ किया है। हालांकि अमेरिका ने इसे यूएई को कहकर रूकवा दिया है। फिर भी इस पोर्ट को लेकर अमेरिका ने यूएई के समक्ष कड़ा प्रतिरोध भी जताया है और दोनो देशों के रिश्तो पर बुरा प्रभाव पड़ने की बात भी कही है।

अभी घर नही जायेंगे किसान, अभी किसानों के कई मसले हल होने बाकी

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/लखनऊ/शिव कुमार यादव/- सोमवार को लखनऊ में संयुक्त किसान मोर्चा की महापंचायत में भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने कहा कि अभी तीनों कृषि कानून ही निरस्त हुए है लेकिन अभी किसानों के कई मसले हल होने बाकी है। जिसे देखते हुए अभी किसान घर नही जायेंगे। बल्कि सरकार से बात की इन मसलों का हल निकालेंगे। साथ उन्होने आरोप लगाया कि इन कानूनों को रद्द करने के एलान के बाद अब सरकार किसानों के बाकी बचे मसले हल करने के लिए उनसे बात नहीं करना चाहती। राकेश टिकैत लखनऊ के कांशीराम ईको पार्क में आयोजित किसान महापंचायत में बोल रहे थे। जहां बड़ी संख्या में किसान इकट्ठा हुए हैं। एमएसपी अधिकार महापंचायत नाम की इस रैली का आयोजन संयुक्त किसान मोर्चा ने किया है। राकेश टिकैत ने एमएसपी अधिकार महापंचायत नाम के इस आयोजन में सरकार से मांग की है कि वो उन्हें साफ बताए कि क्या तीनों कानून सही अर्थों में रद्द हो चुके हैं। उन्होंने ये भी मांग की कि सरकार अन्य मसलों पर भी उनके संगठन से बात शुरू करे ताकि किसान अपने घर जा सकें।

इस दौरान राकेश टिकैत ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि किसानों की कई मांगें हैं। इनमें विभिन्न फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी को कानूनी दर्जा देने की मांग भी शामिल है। अपनी अन्य मांगों के बारे में कहा कि सरकार गांवों और मंडियों की जमीनें दूसरों को बेच रही है जिस पर रोक लगनी चाहिए। साथ ही 10 साल पुराने ट्रैक्टर चलाने पर रोक लगाने वाले कानून पर भी रोक लगनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे कंपनियां आबाद और किसान बर्बाद हो रहे हैं।

श्री टिकैत ने किसानों की रैली को शक्ति प्रदर्शन बताने वाले आरोपों को गलत बताया है। उल्होंने कहा कि जब किसानों की मीटिंग बुलाई तो वो लोग आए हैं जो परेशान हैं। ये कोई शक्ति प्रदर्शन नहीं है। उन्होंने उस आरोप को भी गलत बताया है कि कृषि कानून वापस ले लेने के ऐलान के बाद अब एक-एक कर-के कई मांगें इसलिए सामने आ रही हैं ताकि आंदोलन को लंबा खींचा जाए। राकेश टिकैत ने कहा कि कृषि कानूनों पर भले सरकार ने एलान किया है पर उनकी अन्य मांगों पर अभी कुछ नहीं कहा है। हम इसके लिए अगले छह माह

मोदी कैबिनेट ने तीनों कृषि कानून रद्द करने के प्रस्ताव को दी मंजूरी

- प्रधानमंत्री मोदी ने पांच दिन पहले किया था ऐलान, प्रस्ताव को संसद के शीतकालीन सत्र में दोनों सदनों में करवाया जायेगा पारित

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट ने तीनों नए कृषि कानूनों की वापसी के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। कैबिनेट की मंजूरी के बाद अब कानून वापसी के प्रस्ताव को संसद के शीतकालीन सत्र में दोनों सदनों में पेश कर सरकार पारित करवायेगी। इसके बाद किसान आंदोलन की वजह बने तीनों कृषि कानून खत्म हो जाएंगे।

यहां बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार गुरू पर्व को देश के नाम अपने संबोधन में तीनों कृषि कानून वापस लेने का ऐलान किया था। उन्होंने कहा था कि सरकार ये कानून किसानों के हित में नेक नीयत से लाई थी, लेकिन हम कुछ किसानों को समझाने में नाकाम रहे। प्रधानमंत्री ने कहा कि अगले संसद सत्र में कानूनों को वापस लेने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। वहीं, एक्सपर्ट्स के मुताबिक संसद सत्र शुरू होने के बाद कम से कम 3 दिन में ये प्रक्रिया पूरी हो सकती है। संसद सत्र 29 नवंबर से शुरू होना है।

तीनों नए कृषि कानूनों को 17 सितंबर, 2020 को लोकसभा ने मंजूर किया था। राष्ट्रपति ने तीनों कानूनों के प्रस्ताव पर 27 सिंतबर को दस्तखत किए थे। इसके बाद से ही किसान संगठनों ने कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन शुरू कर दिया था। संविधान एक्सपर्ट विराग गुप्ता के मुताबिक, किसी भी कानून को वापस लेने की प्रक्रिया भी उसी तरह होगी, जिस तरह से कोई नया कानून बनाया जाता है। सबसे पहले सरकार संसद के दोनों सदनों में इस संबंध में बिल पेश करेगी। संसद के दोनों सदनों से ये बिल बहुमत के आधार पर पारित किया जाएगा। बिल पारित होने के बाद राष्ट्रपति के पास जाएगा। राष्ट्रपति उस पर अपनी मुहर लगाएंगे। राष्ट्रपति की मुहर के बाद सरकार नोटिफिकेशन जारी करेगी। नोटिफिकेशन जारी होते ही कृषि कानून रद्द हो जाएंगे।

हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की घोषणा के बाद केंद्रीय कैबिनेट की मुहर लगने के साथ ही तीनों कृषि कानून की वापसी की प्रक्रिया शुरू हो गई है। 2022 की शुरूआत में होने जा रहे पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के लिहाज से विपक्षी दल इसे पॉलिटिकल कवायद कह रहे हैं। कृषि कानून वापसी का पॉलिटिकल गणित भाजपा के लिए गेम चेंजर साबित हो सकता है क्योंकि तीन राज्यों की 314 सीट पर किसान का सीधा प्रभाव है जिसकारण भाजपा ने यह फैसला दांव खेला है। अब विपक्ष भाजपा के इस दांव की काट के लिए एड़ी चोटी का जोर लगाये हुए है। लेकिन अब किसान स्वयं किसान नेताओं का कितना साथ देंगे यह भी सोचने की बात है क्योंकि ज्यादातर किसान पीएम मोदी के इस ऐलान के बाद एक बार फिर भाजपा की तरफ झुकते दिखाई दे रहे है। जिसे किसान नेता भी भलीभांति जानते है और संयुक्त किसान मोर्चा भी इस ऐलान के बाद सकते में दिखाई दे रहा है।

राष्ट्रपति ने बालाकोट स्ट्राइक के हीरों का किया अभिनंदन, वर्धमान को किया वीर चक्र से सम्मानित

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- 2019 में बालाकोट एयर स्ट्राइक के बाद एक एयर संघर्ष में पाकिस्तान के एफ-16 विमान को मार गिराने वाले साहसिक हीरों अभिनंदन वर्धमान का सोमवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने वीर चक्र देकर सम्मान किया। राष्ट्रपति भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के अलावा कई और हस्तियां भी मौजूद थीं।

बता दें कि 27 फरवरी 2019 को हुए हवाई संघर्ष में अभिनंदन वर्धमान ने मिग-21 एयरक्राफ्ट पर सवार होने के बाद भी एफ-16 फाइटर जेट मार गिराया था। इसके बाद पाकिस्तानी एयरफोर्स की ओर से उनके विमान पर हमला किया गया था, जिसमें वह पीओके में जा गिरे थे और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। हालांकि अगले ही दिन पाकिस्तान ने उन्हें रिहा कर दिया था। भारत के कूटनीतिक दबाव के बाद पाकिस्तान ने उन्हें सकुशल वाघा बॉर्डर पर छोड़ा था। मिग-21 एयरक्राफ्ट काफी पुराने हैं और उस पर सवार होने के बाद भी अत्याधुनिक फाइटर जेट एफ-16 को मार गिराने को लेकर अभिनंदन वर्धमान की जमकर तारीफ की गई थी और वह नेशनल हीरो के तौर पर सामने आए थे। उस दौरान वह एयरफोर्स में विंग कमांडर के तौर पर तैनात थे। इसी महीने उन्हें ग्रुप कैप्टन के तौर पर प्रमोट किया गया है।इस ऑपरेशन के दौरान अभिनंदन वर्धमान श्रीनगर स्थित 51 स्क्वैड्रन का हिस्सा थे और पाकिस्तान के हवाई हमले का जवाब देने के लिए उन्होंने उड़ान भरी थी। भारत ने 26 फरवरी को पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में स्थित जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी ठिकाने पर हमला किया था। इसके बाद पाकिस्तानी वायुसेना ने भारत पर हमले की कोशिश की थी, जिसका करारा जवाब भारत ने दिया था।

-केजरीवाल ने पंजाब चुनाव को लेकर किया तीसरा नया ऐलान

पंजाब में आप की सरकार बनी तो महिलाओ को हर महीने देंगे 1000 रुपए

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/पंजाब/नई दिल्ली/भावना शर्मा/- दिल्ली के मुख्यमंत्री व आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की तर्ज पर पंजाब फतेह की योजना बनाई है। जिसके चलते उन्होने सोमवार को पंजाब के मोगा में मिशन पंजाब-2022 के तहत ऐलान किया कि पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बनने पर पंजाब की 18 साल से ऊपर की प्रत्येक महिला को 1000 रुपये महीने देंगे।

केजरीवाल का पंजाब के लिए यह तीसरा बड़ा ऐलान है।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अगर किसी महिला को वृद्धा पेंशन का लाभ मिल रहा तो भी उन्हें 1000 रुपये महीना मिलेगा। केजरीवाल ने कहा कि यह दुनिया के इतिहास का सबसे बड़ा सशक्तीकरण अभियान बनेगा। दुनिया की किसी सरकार ने महिलाओं के खाते में एक हजार रुपये नहीं जमा करवाए हैं। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अगर परिवार में तीन महिलाएं हैं तो भी उनके खाते में एक-एक हजार रुपये हमारी सरकार जमा करवाएगी।

टीएमसी का विस्तारीकरण कांग्रेस पर पड़ रहा भारी, 2024 मे देशभर में खेला होबे

-तीसरे मोर्चे के नेतृत्व के लिए देश में पकड़ बना रही टीएमसी, बंगाल के बाद यूपी, गोवा, बिहार व हरियाणा में बड़े नेता टीएमसी से जुड़े

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- 2024 के लोकसभा चुनावों में अपनी पकड़ मजबूत बनाने के लिए पश्चिम बंगाल की सीएम व टीएमसी की नेता ममता बैनर्जी ने देशभर में अपने पार्टी के विस्तारीकरण की गति तेज कर दी है। लेकिन जिस तरह से भाजपा ने कांग्रेस के खात्में के लिए अभी तक काम किया है ठीक उसी तरह अब टीएमसी भी कांग्रेस पर भारी पड़ रही है और उसके विस्तारीकरण में पहले निशाने पर कांग्रेस के बड़े नेता है जो कांग्रेस छोड़ टीएमसी का रूख कर रहे है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा को धूल चटाने के बाद ममता बनर्जी 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारियों में अभी से जुट गई हैं। बंगाल में खेला होबे का नारा देने के बाद दीदी अब लोकसभा चुनाव में भी खेला होबे के तहत खुद को तीसरे विकल्प के रूप में खड़ा करने की तैयारी कर रही है। दीदी ने इसके लिए देशभर में पार्टी संगठन को मजबूत करने की कवायद भी शुरू कर दी है।

यहां बता दें कि यूपी, गोवा, उत्तराखंड, पंजाब और मणिपुर में अगले साल विधानसभा के चुनाव हैं। ममता बनर्जी अगले साल होने वाले इन राज्यों के विधानसभा चुनाव के बहाने पार्टी की जमीनी तैयारी शुरू कर चुकी हैं। वे फिलहाल यहां पार्टी की उपस्थिति चाहती हैं। उन्होंने यहां पार्टी संगठन को विस्तार देने का काम शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में इन राज्यों से भाजपा और कांग्रेस समेत स्थानीय पार्टियों के कई दिग्गज नेता तृणमूल कांग्रेस में शामिल भी हो चुके हैं।

ममता ने गोवा मे पूर्व मुख्यमंत्री लुइजिन्हो फलेरियो को साधा है।जो गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री व सात बार के कांग्रेस विधायक रहे चुके है। लुइजिन्हो फलेरियो 29 सितंबर को पूर्व आईपीएस अधिकारी लवू ममलेदार, साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेता एन शिवदास और पर्यावरणविद राजेंद्र शिवाजी काकोडकर के साथ टीएमसी में शामिल हुए। इसके बाद ममता ने उन्हें बंगाल से राज्यसभा भी भेज दिया है।

लुइजिन्हो फलेरियो ईसाई समुदाय से आते हैं, जो गोवा में हिन्दुओं के बाद सबसे बड़ी आबादी है। ममता यहां ईसाई समुदाय को साधने के साथ उन हिन्दू वोटर्स को भी अपने पाले में करना चाहती हैं जो कांग्रेस और भाजपा के खिलाफ किसी तीसरे दल को विकल्प के तौर पर देखना चाहते हैं।

बंगाल जीतने के बाद ममता ने असम और उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को बड़ा नुकसान पहुंचाया। ममता ने असम की सिलचर से कांग्रेस की सांसद रह चुकीं सुष्मिता देव को पार्टी में शामिल कराया। वे कांग्रेस के दिग्गज नेता और केंद्रीय मंत्री रहे संतोष मेहन देव की बेटी भी हैं। टीएमसी ने उन्हें भी बंगाल से ही राज्यसभा का सांसद बनाकर भेजा है। वहीं उत्तर प्रदेश में पूर्वांचल में ब्राह्मण चेहरा बने ललितेश पति त्रिपाठी ने कांग्रेस का हाथ छोड़कर तृणमूल कांग्रेस का दामन थाम लिया। ललितेश यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री पं. कमलापति त्रिपाठी के प्रपौत्र हैं। वे 2012 में नक्सल प्रभावित मड़िहान सीट से विधायक भी रह चुके हैं।

नजफगढ़ में प्रदूषण के खिलाफ सड़कों पर उतरी आप की महिला विंग

-वाहन चालकों को रेड लाईट पर गुलाब के फूल देकर रेड लाईट ऑन गाड़ी ऑफ अभियान के प्रति किया जागरूक

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नजफगढ़/नई दिल्ली/भावना शर्मा/- दिल्ली में प्रदुषण के खिलाफ आम आदमी पार्टी की महिला विंग अब सड़कों पर उतर गई है। मंगलवार को आप महिला कार्यकताओं ने रेड लाइट पर लोगों को रेड लाईट ऑन, गाड़ी ऑफ अभियान के तहत वाहन चालकों को गुलाब का फूल देकर अभियान के प्रति जागरूक किया। इस मौके पर आम आदमी महिला विंग की नजफगढ़ जिला अध्यक्ष पूनम यादव व गोपालनगर वार्ड आप कार्यकर्ता राजेश कुमारी तथा मास्टर मनजीत सिंह के साथ-साथ अनेकों कार्यकताओं ने इस अभियान में भाग लिया।

इस संबंध में जिला अध्यक्ष पूनम यादव ने कहा कि दिल्ली में प्रदुषण स्तर काफी खतरनाक स्तर पर पंहुच गया है। जिसके लिए आम आदमी पार्टी दिल्ली को जनता को प्रदुषण से बचाने के लिए अनेको उपाय कर रही है जिनमें से एक रेड लाईट ऑन गाड़ी ऑफ का अभियान भी सरकार ने चलाया हुआ।

आज आप कार्यकताओं विशेषकर जिला महिला विंग ने सड़कों पर उतर रेड लाईट आनॅ गाड़ी ऑफ को सफल बनाने के लिए वाहन चालकों व स्थानीय लोगों में जागरूकता अभियान चलाया ताकि लोग इसका महत्व समझ सके और दिल्ली को प्रदुषण से बचाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।

उन्होने लोगों को गुलाब भेंट करते हुए रेड लाईट पर गाड़ी ऑफ करने की अपील भी की। वहीं गोपालनग वार्ड से आप कार्यकर्ता राजेश कुमारी ने बताया कि हमने आज लोगों को गुलाब का फूल व पौधे भेंटकर प्रदुषण के प्रति जागरूक किया। हालांकि कुछ लोग इसमें भी राजनीति देख रहे है लेकिन मै आपकों बता दू कि हमने दिल्ली की जनता के लिए इस अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया है और वो हम कर-के रहेगे। दिल्ली की सड़कों पर रोजाना करोड़ों गाड़िया दौड़ती है जिनसे दिल्ली में प्रदुषण फैलता है। यदि हम निजी वाहन की जगह सार्वजनिक वाहन का प्रयोग करे या फिर गाड़ी शेयर करे तो प्रदुषण से निजात पा सकते हैं। उन्होने ने कहा कि यदि रेड लाईट ऑन गाड़ी ऑफ अभियान पर भी ईमानदारी से काम कर ले तो प्रदुषण पर काफी हद तक काबू पा सकते है और हम व हमारे बच्चे स्वच्छ हवा में सांस ले सकते है। उन्होने लोगों से कहा कि हमे राजनीति से उपर उठकर भी सोचना चाहिए तभी हम दिल्ली को स्वर्ग बना सकते है। उन्होने सभी को रेड लाईट पर गाड़ी ऑफ करने की अपील की और उन्हे पौधे भेंट किये। उन्होने कहा कि पौधे हमारे पर्यावरण को बचाने में काफी योगदान देते हैं अतः पौधे लगाओ प्रदुषण भगाओं। इस अभियान के तहत आम आदमी पार्टी ने नजफगढ़ फिरनी, रावता मोड़ गोपालनगर रेड लाईट व रोशनपुरा में अपना अभियान चलाया।

द्वारका जिला पुलिस सभागार में अनाथ बच्चों ने पुलिस अधिकारियों को बांधा दोस्ती का बैंड

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- द्वारका डीसीपी कार्यालय के सभागार में द्वारका जिला जनसंपर्क इकाई एव डॉन बोस्को आशालायम के संयुक्त तत्वाधान में चाइल्ड लाइन से दोस्ती कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में द्वारका जिला के अतिरिक्त उपायुक्त सुखदेव कटेवा ने बच्चों को मिठाईयां बांटी। वहीं अनाथ बच्चों ने सभी पुलिस अधिकारियों को दोस्ती का बैंड बांधकर सुरक्षा व सहयोग का आश्वासन लिया। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त श्री कटेवा ने बच्चों को संबोधित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की और उन्हे सकारात्मक सहयोग व सुरक्षा का भरोसा दिया। उन्होने कहा कि बच्चे हमारे देश का

भविष्य है जिन्हे सभी सुविधाये उपलब्ध कराना हमारा कर्तव्य है। उन्होने द्वारका जिला पुलिस मुख्यालय में अनाथ बच्चों के साथ बातचीत की और उनसे दोस्ती का बैंड भी बंधवाया। इस मौके पर उन्होने बच्चों को मिठाईंयां भी बांटी। इस कार्यक्रम में चाइल्ड लाईन की अधिकारी सरिता कुनाल के साथ-साथ डॉन बोस्को आशालायम के अनाथ बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समापन पर द्वारका जिला पुलिस की जनसंपर्क इकाई कें अधिकारी मनीष मधुकर ने सभी का आभार प्रकट किया और सभी ने यादगार कें रूप में एक सामुहिक चित्र भी खिंचवाया।

कोरोना के खिलाफ अब दूसरे देशों को भी मिलेगा आयुष का कवच

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान ने आयुर्वेद की दवाओं का दूसरे देशों को निर्यात करने का लिया फैसला

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- देश में कोरोना महामारी के खिलाफ अपनी अहम भूमिका निभाने वाली आयुर्वेदिक दवा आयुष का कवच अब दूसरे देशों के नागरिकों को भी मिलने जा रहा है। इसके लिए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान ने आयुर्वेद की दवाओं का दूसरे देशों में निर्यात करने और जांची-परखी दवा के तौर पर बढ़ावा देने के लिए लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन के साथ एक समझौता किया है। इसके तहत ब्रिटेन में यह परीक्षण किया जाएगा कि कैसे अश्वगंधा कोविड-19 संक्रमण से उबरने में मदद करती है.

देश में कोरोना को नियंत्रित करने के लिए काफी हद तक परंपरागत चिकित्सा पद्धतियां कारगर साबित हुई हैं। योग, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी और होमियोपैथी पद्धतियों ने काफी हद तक लोगों को कोरोना वायरस से बिना साईड इफेक्ट के बचाव किया है। इसे देखते हुए सरकार ने आयुष को दुनिया के अन्य देशों तक पहुंचाने की तैयारी कर ली है। मंत्रालय ने कंपनियों और वैश्विक इकाइयों से समझौता किया है, जिससे अब भारत में तैयार आयुष दवाइयों के माध्यम से देश महत्व बढ़ने जा रहा है।

आयुष मंत्रालय के जुलाई तक के उपलब्ध आंकड़ों से पुष्टि होती है कि आयुष की उपचार तकनीक कोरोना वायरस संक्रमण को रोकने के लिए पर्याप्त है। केरल के आयुर रक्षा क्लीनिक नाम से बनाए 1206 केंद्रों में 3.5 लाख लोगों का इलाज हुआ। इनमें 99.96 फीसदी लोग कोविड संक्रमण से पूरी तरह ठीक हो गए। जबकि तमिलनाडु और मिजोरम में इस संक्रमण से उबरने की दर 100 फीसदी तक रही। वहीं तेलंगाना में यह दर करीब 95 फीसदी थी।

वहीं हाल ही में आयुष सचिव राजेश कोटेचा नेएक कार्यक्रम में कहा था कि अश्वगंधा किस तरह से कोविड संक्रमण से लड़ने और उससे ठीक होने में मदद करता है, इस पर बड़े स्तर पर ब्रिटेन में परीक्षण होंगे। इस क्लीनिकल परीक्षण में 2000 से अधिक लोग हिस्सा लेंगे। इससे यह जानने में काफी हद तक मदद मिल सकेगी कि अश्वगंधा को कोविड संक्रमण से लड़ने में जांची-परखी दवा के तौर पर स्थापित किया जा सकता है या नहीं। इस समय कोविड के हल्के लक्षण वाले मरीजों को दी जाने वाली दवाओं में आयुष 64 (केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा विकसित) प्रमुख है। कोटेचा ने आगे कहा था कि 29 औद्योगिक साझेदारों को यह तकनीक स्थानांतरित की जा चुकी है। यह ऐसे समय में हुआ है, जब परंपरागत दवाओं का निर्यात वर्ष 2020-21 में 1.5 अरब डॉलर तक पहुंच गया। आयुर्वेदिक दवाओं का कुल निर्यात मूल्य 2018-19 में 44.6 करोड़ डॉलर था। बजट में भी आयुष के लिए प्रावधानों को बढ़ाया गया है और यह वर्ष 2014-15 से करीब पांच गुना तक बढ़ चुका है। पिछले छह वर्षों में भारत में आयुर्वेद उद्योग की सालाना वृद्धि दर 17 फीसदी रही है।

जजपा ने 9 दिसंबर की झज्जर रैली के लिए पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/पलवल-होडल/हरियाणा/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- जननायक जनता पार्टी के तीसरे स्थापना दिवस पर 9 दिसंबर को झज्जर में होने वाली विशाल जन सरोकार रैली के संदर्भ में आज पलवल और होडल विधानसभा क्षेत्र की मीटिंग हुई। जिसमें जिले के प्रभारी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनंतराम तंवर और राष्ट्रीय प्रवक्ता दिनेश डागर पलवल और होडल में अलग-अलग स्थानों पर मीटिंगें कर सभी पार्टी पदाधिकारियों की रैली के लिए जिम्मेदारियां लगाई।

जननायक जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता दिनेश डागर जी ने बताया की पार्टी के तीसरे स्थापना दिवस पर होने वाली जन सरोकार रैली एक विशाल रैली होगी । इस रैली में हरियाणा के कोने-कोने से लोग शामिल होंगे तथा हरियाणा के उपमुख्यमंत्री श्री दुष्यंत चौटाला जी की बढ़ती लोकप्रियता और जनहित में किए गए कार्यों से प्रदेश आगे बढ़ रहा है और उनकी लोकप्रियता को देखते हुए रैली में विशेष प्रबंध किए गए हैं । इस अवसर पर पार्टी के द्वारा किए गए हरियाणा के विकास की भागीदारी का उल्लेख और हरियाणा के विकास को एक नई दिशा देने का कार्य किया जाएगा।सभी सदस्यों की गाड़ियां नोट की गई और ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचने का आह्वान किया गया। इस पर सभी उपस्थित पदाधिकारियों ने आश्वासन दिया कि विशाल जनसभा रैली में अपनी उपस्थिति ज्यादा से ज्यादा दर्ज कराएंगे।

इस अवसर पर जिला प्रधान सुरेंद्र सरोत, पलवल हल्का के प्रधान भगत सिंह, होडल हल्का के प्रधान रोहतास नंबरदार, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य भूदेव शर्मा, सुखराम डागर, गया लाल चान्ट, तूही राम भारद्वाज, सुनीता भारद्वाज, प्रेरणा कालरा, प्रवीन हूडी, संदीप हसनपुर, सुनील, यशपाल डागर, लेखराज दहिया, नियाज मोहम्मद प्रधान, गजराज सहरावत, संजय बघेल, रविंद्र गहलोत, सतवीर डागर, बुधराम डागर ,प्रदीप मंगला, अरुण आदि उपस्थित थे।

संयुक्त किसान मोर्चा जल्द घोषित करेगा अपनी आगामी रणनीति : बिजेंद्र बेरला

कितलाना टोल के धरने पर 339वें दिन सरकार को घेरने की रणनीति पर विचार

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/चरखी दादरी/हरियाणा/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- संसद ने बेशक तीनों काले कानून रद्द कर दिए हों लेकिन संयुक्त किसान मोर्चा की बाकी मांगों को लेकर सरकार ने अपना रुख अभी स्पष्ट नहीं किया है इसलिए मोर्चा जल्द ही अपनी आगामी रणनीति की घोषणा करेगा। यह बात श्योराण खाप के प्रधान बिजेंद्र बेरला ने कितलाना टोल पर चल रहे किसानों के अनिश्चितकालीन धरने को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा की संसद में सरकार का रुख देखने के बाद 01 दिसंबर को मोर्चे की बैठक होगी जिसमें आंदोलन की आगामी रूपरेखा तय की जाएगी।

किसान नेता बलबीर बजाड़ ने कहा कि सरकार को अविलंब एमएसपी को लेकर घोषणा करने के साथ आंदोलन में शहादत देने वाले किसानों को आर्थिक सहायता देने वह उनके परिजनों में से एक को स्थाई रोजगार देना चाहिए। उन्होंने आंदोलन के दौरान बने सभी मुकदमे निरस्त करने की मांग की। उन्होंने कहा कि बिजली संशोधन अधिनियम 2020-21 बड़ा घातक है इसलिए इसे वापस लिया जाना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि किसान- मजदूरों के दबाव के कारण अहंकार में भरे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को झुकना पड़ा है लेकिन अभी लड़ाई बाकी है और बाकी मुद्दों पर भी सरकार को किसान- मजदूरों की बातों पर गौर करना पड़ेगा।

कितलाना टोल पर धरने के 339वें दिन सांगवान खाप से रणधीर सिंह घिकाड़ा, श्योराण खाप से बिजेंद्र बेरला, जाटू खाप से मास्टर राजसिंह जताई, चौ० छोटूराम डॉ० भीमराव अंबेडकर मंच से गंगाराम श्योराण, पंवार खाप से रामेश्वर, दिलबाग ढुल, महिला नेत्री फुला देवी, कमला कितलाना ने संयुक्त रूप से अध्यक्षता की। मंच संचालन सुखदेव पालवास ने किया। श्योराण खाप से प्रधान बिजेंद्र बेरला ने अम्बाला से साईकल यात्रा पर निकले संजय शर्मा का टोल पर पहुंचने पर पगड़ी पहनाकर स्वागत किया।

इस अवसर पर महाबीर रानीला, बलवन्त, दयानंद, जगदीश, मास्टर महाबीर, श्रीचंद, मास्टर अत्तर सिंह, बलबीर, ओम सिंह पूर्व सरपंच, कर्ण सिंह, रमेश वर्मा, अब्दुल खान, जयसिंह, राजवीरेंद्र, जयपाल सिंह, मंगल सिंह इत्यादि मौजूद थे।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अधिकारियों ने किया केविके उजवा का दौरा

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/उजवा/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के अपर आयुक्त एव अपर सचिव ने कृषि विज्ञान केंद्र उजवा का शनिवार को दौरा किया। जिसमें अधिकारियों ने केंद्र में चल रही विभिन्न गतिविधियों के साथ-साथ फार्म प्रदर्शन इकाई का भी निरिक्षण किया। इस अवसर पर केंद्र में चल रहे मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण कैंप में प्रशिक्षणार्थी महिलाओं को प्रशस्ति प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

शनिवार को अपर आयुक्त डॉ नवीन कुमार पाटले बागवानी एवं अपर सचिव कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार हरित कुमार ने दिल्ली देहात के उजवा में स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में दौरे के दौरान दो परियोजनाओं वर्षा जल संचयन संग्रहण इकाई एव डि-हुमिफाइड बीज भंडारण इकाई के कार्य का निरिक्षण किया। केंद्र में इन दोनो इकाईयों की स्थापान एकीकृत बागवानी विकास मिशन, कृषि किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के अंतर्गत की जा रही है। इस दौरान उन्होने बताया कि डि-हुमिफाइड परियोजना का मुख्य उद्देश्य किसानों को उच्च गुणवत्ता युक्त बीज उपलब्ध करवाना है, साथ ही वर्षा जलसंचयन इकाई द्वारा किसानों को जल संग्रहण के प्रति जागरूक करना है। ताकि वर्षा जल का सचयन करके इसका लाभ कृषि कार्यों में कर सके।

दिल्लीः एक ही परिवार के चार लोगों की लाशें मिलने से मचा हड़कंप, जांच में जुटी पुलिस

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/बाहरी-उत्तरी/दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- दिल्ली के बाहरी-उत्तरी जिले में एक ही परिवार के चार लोगों के शव मिलने से हड़कंप मचा हुआ हैं और पूरे गांव में शोक छा गया है वहीं परिवार में मातम छाया हुआ है। इनमें से दो बच्चे, एक महिला और पुरुष शामिल हैं। सूत्रों का कहना है कि मामला आत्महत्या से जुड़ा हुआ हो सकता है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

जानकारी के अनुसार, मृतकों की पहचान अमित (30) उसकी पत्नी निक्की (25), बेटी वंशिका (6) और बेटा कार्तिक (3) के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिए हैं। घटनास्थल से सबूत इकट्ठे करने के लिए फॉरेंसिंग टीम को भी मौके पर बुलाया गया है। अमित इस मकान में किराए पर रहता था। आज सुबह जब अमित का भतीजा सौरव यहां पहुंचा तो कमरे के अंदर का नजारा देख उसके होश उड़ गए। कमरे के अंदर अमित की लाश फंदे से लटकी हुई थी, वहीं बेटी वंशिका का शव सोफे पर पड़ा था, जबकि निक्की और कार्तिक के शव बेड पर पड़े हुए थे।

पुलिस के मुताबिक, अमित एक फैक्ट्री में काम करता था और काफी समय से अपने परिवार के साथ यहां रह रहा था। शुरूआती जांच में लग रहा है कि अमित ने बच्चों और पत्नी को जहर देकर मारा होगा और उसके बाद खुद भी फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को संदेह है कि व्यक्ति ने फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त करने से पहले अपने दो बच्चों और पत्नी को जहर दिया होगा। पुलिस को अभी तक इस मामले में किसी बाहरी व्यक्ति के शामिल होने के सबूत नहीं मिले हैं।

पुलिस इस वारदात के पीछे पारिवारिक कलह को वजह मान रही है। दरअसल, अमित की पत्नी निक्की पिछले 2 महीने से अमित और बच्चों से दूर हो गई थी अभी कुछ दिन पहले ही वो वापस आई थी।

राजपूत महिलाओ पर अभद्र टिप्पणी के विरोध में जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

बिसाहूलाल को मंत्री पद से तुरंत बर्खास्त किया जाए- रश्ती तोमर

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/सीहोर/शिव कुमार यादव/उमेश कुमार सिंह/- सीहोर से अखिल वैश्विक क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट की महिला प्रदेश अध्यक्ष मध्यप्रदेश द्वारा मंत्री बीसाहूलाल द्वारा की गई राजपूत महिलाओ पर अभद्र टिप्पणी के विरोध मे, अखिल वैश्विक क्षत्रिय महासभा की अन्य मातृशक्तिओ के साथ जाकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा और मांग की गई कि माननीय मुख्यमंत्री महोदय जी आपके मंत्री बिसाहूलाल खाद्य एवं नागरिक अपूर्ति मंत्री द्वारा ग्राम फुनगा जिला अनूपपुर मे अपने भाषण में सवर्ण और क्षत्रीय ठाकुर महिलाओ के बारे मे उनको घर से खीच के निकालो जैसे बयान दिया था, महिला सशक्तिकरण के कार्यक्रम में इस तरह की दूषित मानसिकता की बाते करना किसी मंत्री पद के व्यक्ति की गरिमा के खिलाफ है। अखिल वैश्विक क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट आपसे अनुरोध करते है कि ऐसे कलुषित मानसिकता के व्यक्ति देश सेवा योग्य नहीं है, इसलिए इन्हें मंत्री पद से बर्खास्त किया जाए और भारतीय दंड संहिता की धारा 153(क), 153(ख), और 505(2) के अंतर्गत लोक गणराज्य में रहने वाले किसी वर्ग को

भयाक्रांत करने, शांति भंग करने, सामाजिक संरचना सौहार्दपूर्ण वातारण को बिगाड़ने का अपराधी मान कर कार्यवाही की जाए।

प्रदेष महिला अध्यक्ष रश्मी तोमर का कहना है कि माननीय सीएम साहब से निवेदन है कि विसाहु लाल साहू ने जो महिलाओं के लिए अभ्रद टिप्पणी की है वह बहुत ही निंदनीय है और उस टिप्पणी से मातृ शक्ति को बहुत आघात पहुंचा है। हम सरकार से कहना चाहते हैं कि बिसाहूलाल को मंत्री पद से तुरंत बर्खास्त किया जाए और बंद कमरे में माफी मांगने को हम माफी नहीं मानते जिस तरह सार्वजनिक मंच से मातृ शक्ति के बारे में बोला है उसी तरह से या तो सार्वजनिक स्थल पर माफी मांगे नहीं तो पद से इस्तीफा दिलवाया जाए। अगर सरकार हमारी बात को नहीं मानती है तो दो हजार अट्ठारह का इतिहास दोबारा दोहराना पड़ेगा। सारा राजपूत समाज इसका विरोध करेगा। प्रदेश अध्यक्ष योगेन्द्र पाल सिंह ने कहा कि इस तरह का व्यावहार कर माफी मांग लेना अस्वीकार्य है, मंत्री जी को इस्तीफा देकर राजनीति से सन्यास ले लेना चाहिए। रश्मि तोमर के साथ मातृशक्ति प्रमिला राठौर, रजनी जादौन, मंजू चौहान, सरिता राठौर, अनिता राजपूत, रूबी तोमर, प्रीति बेस, चंद्रा जादौन, संतोष बेस, सरिता राठौर, धन सिंह हाड़ा,कुंवर पवन प्रताप सिंह सिसोदिया, नितेश सिंह पीपाड़ा, सुंदरपाल सिंह सांखला कुंवर कृष्णपाल सिंह हाड़ा, यशपाल सिंह सांखला, राकेश सिंह तंवर आदि उपस्थित थे।

न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए कोहली तैयार, जिम में जमकर पसीना बहाया

नई दिल्ली। क्रिकेट जगत में फिलहाल विराट कोहली से ज्यादा फिट कोई खिलाड़ी नहीं है। भारतीय कप्तान लगातार अपने वर्कआउट के फोटो सोशल मीडिया पर डालते रहते हैं। इसी कड़ी में उन्होंने इंस्टाग्राम पर जिम में वर्कआउट करने का वीडियो डाला। पिछले कुछ सालों में कोहली फिटनेस के मामले में भारत के आइकन बनकर उभरे हैं। इसके साथ ही उनका अपने काम के प्रति समर्पण देखकर भी फैंस काफी खुश हैं। इस पोस्ट के साथ ही कैप्शन में कोहली ने ऑस्कर विजेता अभिनेता डेंजिल वॉशिंग्टन द्वारा कहे गए लाइंस को भी शेयर किया। वॉशिंग्टन ने कहा था कि मेहनत का रास्ता छोड़कर आसानी से आगे बढ़ना कामयाबी के लिए बड़ा खतरा है। इस लाइन का मतलब है कि व्यक्ति को कभी भी कामयाबी के लिए आसान रास्ता नहीं चुनना चाहिए। उसे मेहनत करते रहना चाहिए और उससे मिलने वाली कामयाबी से संतुष्टि मिलती है। कोहली ने टी-20 विश्व कप के बाद टी-20 की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया। हालांकि, वह इस छोटे फॉर्मेट में खेलते रहेंगे। वहीं, वनडे और टेस्ट में कोहली कप्तानी संभालते रहेंगे। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट से कोहली का आराम दिया गया था। मुंबई में होने वाले दूसरे टेस्ट में वह वापसी करेंगे और टीम इंडिया की कमान संभालेंगे। यह टेस्ट तीन से सात दिसंबर के बीच खेला जाएगा।

पंजाब किंग्स रिलीज कर सकता है अपने सभी प्लेयर्स, किसी भी खिलाड़ी को रिटेन करने के मूड में नहीं है फ्रेंचाइजी

नई दिल्ली। डियन प्रीमियर लीग 2021 में पंजाब किंग्स का प्रदर्शन शर्मनाक रहा। यही वजह रही कि केएल राहुल की कप्तानी वाली टीम प्ले ऑफ में पहुंचने में विफल रही। अगले कुछ महीनों में आईपीएल 2022 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी होगी।. इस मेगा ऑक्शन से पहले पंजाब किंग्स की टीम बड़ा फैसला ले सकती है। ऐसा कहा है जा है कि पंजाब किसी भी खिलाड़ी को रिटेन नहीं करेगा। यह दावा एक रिपोर्ट में किया गया है। अगर ऐसा हुआ तो पंजाब किंग्स 90 करोड़ की धनराशि के साथ ऑक्शन में उतर सकता है। जहां पंजाब किसी खिलाड़ी के रिटेन के मूड में नहीं वहीं दूसरी फ्रेंचाइजी मेगा ऑक्शन से पहले अपने प्रमुख खिलाड़ियों को रिटेन कर रही हैं।

30 दिसंबर अंतिम तारीख

आईपीएल की सभी आठ फ्रेंचाइजी से कहा गया है कि वे रिटेन किए गए खिलाड़ियों की सूची 30 नवंबर तक सौंप दें। आईपीएल में 2022 में 10 टीमें हिस्सा लेंगी। इस बार लखनऊ और अहमदाबाद की टीमें दुनिया की सबसे बड़ी लीग आईपीएल से जड़ने जा रही हैं। वहीं, बीते दो सीजन में जिस तरह से पंजाब किंग्स ने प्रदर्शन किया है उससे कप्तान केएल राहुल संतुष्ट नही हैं। वह अब टीम के साथ रहना नहीं चाहते हैं जिसके संकेत उन्होंने पहले ही दे दिए हैं। ऐसा माना जा रहा है कि दो नई जुड़ने वाली टीमों में से किसी एक साथ वह खेलने के इच्छुक हैं।

मेगा ऑक्शन से पहले बोले- इरफान पठान, कहा- सनराइजर्स को इन चार खिलाड़ियों को रिटेन करना चाहिए

मुंबई । भारत के पूर्व क्रिकेट इरफान पठान ने आईपीएल 2022 मेगा ऑक्शन से पहले सनराइजर्स हैदराबाद को लेकर बयान दिया है। उन्होंने फ्रेंचाइजी को सुझाव देते हुए उन चार खिलाड़ियों का नाम बताया है जिन्हें टीम को रिटेन करना चाहिए। पठान की इस पसंद में दो विदेशी और दो अनकैप्ड खिलाड़ी शामिल हैं। आईपीएल की सभी फ्रेंचाइजी को 30 नवंबर तक अपने रिटेन किए गए खिलाड़ियों की सूची बीसीसीआई को देनी है।

वार्नर नहीं होंगे सनराइजर्स का हिस्सा

आईपीएल 2022 में पूर्व कप्तान डेविड वार्नर सनराइजर्स हैदराबाद के लिए नहीं खेलेंगे। क्योंकि उन्होंने खुद ऑक्शन पूल में जाने को कहा है। इंडियन प्रीमियर लीग 2021 में वार्नर का प्रदर्शन खास नहीं रहा जिसके चलते उन्हें पहले कप्तानी से हटाया गया उसके बाद उन्हें टीम से भी ड्रॉप कर दिया गया। पठान का मानना है कि टी-20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने के बावजूद वार्नर को सनराइजर्स हैदराबाद रिटेन नहीं करेगा। टी-20 विश्व कप में वार्नर को धुआंधार प्रदर्शन करने के लिए प्लेयर ऑफ सीरीज के अवॉर्ड से नवाजा गया था।

मनिका बत्रा विश्व टेबल टेनिस में इतिहास रचने में नाकाम

ह्यूस्टन। भारत की स्टार खिलाड़ी मनिका बत्रा मिश्रित और महिला युगल मुकाबले के क्वार्टर फाइनल में हार के साथ विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप में पदक जीतने में नाकाम रहीं। एतिहासिक पदक से सिर्फ एक जीत दूर मनिका और जी साथियान को मिश्रित युगल स्पर्धा के अंतिम आठ मुकाबले में जापान के तोमाकाजु हरिमोतो और हिना हयाता के खिलाफ 1-3 (5-11 2-11 11-7 9-11) से शिकस्त झेलनी पड़ी।

मनिका के पास इतिहास रचने का एक और मौका था लेकिन वह एक बार फिर नाकाम रहीं जब उन्हें और अर्चना कामत को महिला युगल मुकाबले में सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा। मनिका और अर्चना को एकतरफा मुकाबले में साराह डि नुटे और नी शिया लियान की लग्जमबर्ग की जोड़ी के खिलाफ 0-3 (1-11 6-11 8-11) से हार मली।

रितु फोगाट के सामने एमएमए फाइनल में विश्व चैंपियन स्टैंप फेयरटेक्स, जोरदार होगा मुकाबला

नई दिल्ली। भारत की पूर्व पहलवान रितु फोगाट तीन दिसंबर को 'वन विमेंस एटम वेट (48 किग्रा वर्ग) वर्ल्ड ग्रां प्री चैंपियनशिप (मिक्स्ड मार्शल आर्ट) फाइनल' में किक-बॉक्सिंग विश्व चैंपियन थाईलैंड की स्टैंप फेयरटेक्स से भिड़ेंगी।

फेयरटेक्स 'मॉय थाई' की पूर्व विश्व चैंपियन भी हैं। 'मॉय थाई' भी मार्शल आर्ट का एक रूप है जिसकी उत्पत्ति थाईलैंड में हुई थी। इसे 'आठ अंगों की कला' कहा जाता है। विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज रितु ने कहा कि वह सिंगापुर इंडोर स्टेडियम में 48 किग्रा वर्ग के अपने आगामी मुकाबले की तैयारी में कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं।

रितु ने कहा, ' भारत से अब तक कोई महिला एमएमए चैंपियन नहीं बनी है और अब मेरे पास इस स्थिति को बदलने और वैश्विक मंच पर भारतीय महिला को पहचान दिलाने का मौका है। मैं भारत को गौरवान्वित करने की पूरी कोशिश करूंगा।''

जूनियर विश्व कप हॉकी : संजय, अरिजीत और सुदीप के गोल से भारत ने पोलैंड को 8-2 से हराया, एक दिसंबर को बेल्जियम से होगी टक्कर

भुवनेश्वर। संजय कुमार, अरिजीत सिंह और सुदीप चिरमाको के दो-दो गोलों की मदद से गत चैंपियन भारत ने पोलैंड को 8-2 से हराकर एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया, जहां उसकी टक्कर बेल्जियम से एक दिसंबर को होगी। बेल्जियम ने पूल ए में मलयेशिया को गोल अंतर से पछाड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया, हालांकि दोनों के 7-7 अंक थे।

पोलैंड को 8-2 से हराकर भारत क्वार्टर फाइनल में पहुंचा

पहले दो मैचों में हैट्रिक लगाने वाले संजय (04, 58वां मिनट) ने गोल अभियान जारी रखा जबकि अरिजीत (8वां, 60वां मिनट) और सुदीप (24वां और 40वां मिनट) ने भी शानदार प्रदर्शन किया। अन्य गोल उत्तम सिंह (34 वां मिनट) और शारदानंद (38वां मिनट) ने किए। पोलैंड ने अपने दोनों गोल रुतकोवस्की (50वां मिनट) और राबर्ट (54वां मिनट) की बदौलत किए। एजेंसी

फ्रांस की कनाडा पर 11-1 से बड़ी जीत

अन्य मैचों में पाकिस्तान ने मिस्र को पूल डी में 3-1 से जबकि अजेय फ्रांस ने कनाडा को 11-1 से हराकर पूल ए में शीर्ष स्थान हासिल किया। मलयेशिया ने दक्षिण अफ्रीका को 4-3 से हराकर पूल ए में दूसरा स्थान हासिल किया। बेल्जियम ने चिली को 3-0 से हराया।

मुंबई में होने वाले दूसरे टेस्ट में 25 प्रतिशत दर्शकों को अनुमति

वानखेड़े। भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में दर्शकों की संख्या को लेकर बड़ा फैसला लिया गया है। तीन दिसंबर से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट के दौरान वानखेड़े स्टेडियम की क्षमता के 25 प्रतिशत दर्शकों को ही अनुमति दी जाएगी और मेजबान संघ का कहना है कि वह संख्या बढ़ाने की कोशिश कर रहा है।

वानखेड़े स्टेडियम में 30,000 दर्शकों के बैठने की क्षमता है। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) के एक अधिकारी ने कहा कि वे इस सीमा को बढ़ाकर 50 प्रतिशत तक कराने की कोशिश करेंगे। अधिकारी ने कहा- महाराष्ट्र सरकार के मुख्य सचिव द्वारा हस्ताक्षरित आम आदेश के अनुसार अभी तक वानखेड़े टेस्ट के लिए 25 प्रतिशत दर्शकों को अनुमति दी जाएगी। एमसीए उम्मीद लगाये है कि वे 50 प्रतिशत दर्शकों की अनुमति भी दे सकते हैं। इस स्टेडियम में अंतिम टेस्ट इंग्लैंड के खिलाफ दिसंबर 2016 में हुआ था। इस मैच से इस स्थल पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी भी होगी क्योंकि कोविड-19 महामारी के कारण पिछले साल खेल गतिविधियां बंद हो गई थीं।

मलयेशिया ओपन : भारतीय स्क्वॉश खिलाड़ी सौरव घोषाल ने जीता तीन वर्षों में अपना पहला पीएसए खिताब

कुआलालंपुर । भारतीय स्क्वॉश खिलाड़ी सौरव घोषाल ने मलयेशिया ओपन में शीर्ष वरीय मिगुइल रोड्रिग्ज को 55 मिनट में 11-7, 11-8, 13-11 से हराकर अपना दसवां पीएसए खिताब जीता जो तीन वर्षों में उनका पहला खिताब है।पिछला खिताब उन्होंने 2018 में कोलकाता ओपन के रूप में जीता था। पैंतीस वर्षीय सौरव ने कहा कि यह मुकाबला काफी कड़ा था। इस हफ्ते मिगुइल अच्छी फॉर्म में चल रहे थे।

निशानेबाजी में सरबजोत ने जीता 10 मीटर एयर पिस्टल का स्वर्ण

भुवनेश्वर। हरियाणा के सरबजोत सिंह ने अपने छोटे से करियर में पहली बार पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा जीतकर राष्ट्रीय चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया, जबकि युवा सनसनी सौरभ चौधरी यहां चौथे स्थान पर रहे। 24 साल के सरबजोत फाइनल में अंतिम दो शॉट से पहले अपने राज्य के साथी शिव नरवाल से 0.5 अंकों से पीछे चल रहे थे, लेकिन वह 10 और 10.5 के स्कोर से यहां डॉ. कर्णी सिंह निशानेबाजी परिसर में 242.3 अंक जुटाकर विजयी हुए। शिव ने इस दौरान 10.1 और 9.3 अंक का स्कोर किया।

241.7 अंक के साथ रजत पदक जीता। दिल्ली के हर्ष गुप्ता (221.2) तीसरे जबकि शीर्ष रैंकिंग और एशियाई चैम्पियन सौरभ 200.9 अंक के साथ चौथे स्थान पर रहे। शिवा ने हालांकि जूनियर पुरुष वर्ग के फाइनल में सौरभ चौधरी को 0.2 अंक के मामूली अंतर से हराकर स्वर्ण पदक हासिल किया।

उन्होंने फाइनल में 246.7 अंक बनाये जो नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी हैं। पिछला रिकॉर्ड (245.30) सौरभ के नाम था। उन्होंने यहां 246.5 अंक के साथ अपने रिकॉर्ड में सुधार किया लेकिन पहले स्थान पर नहीं रह सके।

सरबजोत ने इस वर्ग में 225.4 अंक के साथ कांस्य जीता। शिव (243.1) ने इसके बाद हरियाणा के सागर भार्गव (239.4) को पछाड़कर युवा पुरुष वर्ग का खिताब भी जीता। उत्तर प्रदेश के के आरिफ मलिक ने 216.2 अंक के साथ कांस्य पदक जीता।

जोकोविच ने दिलाई सर्बिया को ऑस्ट्रिया पर बढ़त, एकल मैचों में नोवाक की 15वीं जीत, स्पेन को इक्वाडोर पर बढ़त

इंसब्रक। शीर्ष रैंकिंग वाले नोवाक जोकोविच ने डेविस कप फाइनल्स में सर्बिया को जीत दिलाई जबकि 40 वर्ष के फेलिसियानो लोपेज ने गत चैंपियन स्पेन को शानदार शुरुआत दिलाई। जोकोविच ने डेनिस नोवाक को 6-3, 6-2 से मात देकर सर्बिया को मेजबान ऑस्ट्रिया पर 2-0 से बढ़त दिलाई। वहीं दुसान लाजोविच ने गेराल्ड मेल्जर को तीन सेटों में हराया। डेविस कप एकल मैचों में जोकोविच का विजय अभियान 15 मैचों का हो गया है। वहीं मैड्रिड में ग्रुप ए के मुकाबले में स्पेन को इक्वाडोर पर बढ़त मिल गई जब लोपेज ने राबर्टो किरोज को 6-3, 6-3 से मात दी। पाब्लो कारेनो बस्टा ने इसके बाद एमिलियो गोमेज को हराया।

लोपेज को एकल मुकाबला इसलिए खेलना पड़ा क्योंकि कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के कारण कार्लोस अलकाराज टीम से बाहर हो गए थे। ग्रुप ई में इटली ने 32 बार के चैंपियन अमेरिका को हराया। लोरेंजो सोनेगो ने रीली ओपेलका को 6-3, 7-6 से मात दी जबकि जानिक सिनेर ने जॉन इसनेर को 6-2, 6-0 से हराया। युगल में राजीव राम और जैक सॉक ने फेबियो फोगनिनी और लोरेंजो मुसेती को हराकर स्कोर 2-1 कर दिया।

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी जोकोविच के खाते में 35 डेविस कप जीत हो गई हैं। उन्होंने कहा कि हम एक व्यक्तिगत खेल के हिस्से हैं लेकिन सर्बिया के लिए खेलना फख्र की बात है। जब भी टीम को जरूरत होती है, मैं खेलना पसंद करता हूं। अतिरिक्त प्रेरणा मिलती है।

अश्विन को बार-बार चेतावनी देने पर भड़के गावस्कर, कहा- अंपायर के लिए इसका जुर्माना क्या है?

कानपुर। भारत और न्यूजीलैंड के बीच कानपुर में खेले जा रहे टेस्ट मैच के तीसरे दिन अंपायर नितिन मेमन और अनुभवी स्पिनर नितिन मेनन के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। अश्विन मैच के तीसरे दिन लय में थे और उनकी शानदार गेंदबाजी के चलते उन्होंने भारत को पहली सफलता दिलाई। टीम इंडिया के लिए खतरा बन रहे विल यंग को उन्होंने 89 रनों पर आउट किया। इसके बाद अश्विन टॉम लाथम को भी पवेलियन की रहा दिखाने में सफल रहे। इस दौरान अश्विन जब गेंदबाजी कर रहे थे तो अंपायर उनके फॉलो थ्रो से खुश नहीं थे। अंपायर नितिन मेनन ने कई बार उन्हें टोका। जिसके चलते अश्विन और उनकी बीच बहस हो गई। इस मामलें पर टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने बयान देते हुए अंपायर को आड़े हाथों लिया है। अश्विन को बार-बार वार्निंग देने से नाराज गावस्कर ने अंपायरों पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा क्या इसके लिए अंपायरों के लिए कोई सजा नहीं होनी चाहिए। स्टार स्पोर्ट्स के लिए कॉमेंट्री कर रहे गावस्कर ने आगे कहा, कप्तान अजिंक्य रहाणे अंपायर से यह कहने के लिए आ रहे थे कि अश्विन दूर हैं और वह पिच के खतरनाक एरिया में नहीं जा रहे हैं। गावस्कर के मुताबिक, मुझे लगता है, कि अंपायर के लिए यह मुश्किल है क्योंकि वह देख नहीं पाएगा, यह क्या होता है, क्या इसके लिए अंपायर को कोई सजा है, क्या ऐसा कहीं लिखा है कि वह देख नहीं पाएगा। गावस्कर ने आगे कहा कि खेल के दौरान अगर गेंद हेलमेट पर लगती है तो उसके लिए पेनल्टी है, अगर अश्विन ऐसा करना जारी रखेंगे तो उसके लिए क्या सजा है?

सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल से बेहद खफा हैं इरफान पठान, कहा- उन्हें अपनी तकनीक पर काम करना चाहिए

कानपुर। भारत ने कानपुर टेस्ट में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलते हुए तीसरे दिन का खेल समाप्त होने पर दूसरी पारी में एक विकेट पर 14 रन बना लिए। इससे पहले न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में 296 रन बनाए थे। टीम इंडिया की सलामी जोड़ी शुभमन गिल और मयंक अग्रवाल से उम्मीद थी कि शेष 25 ओवर तक बल्लेबाजी करे। लेकिन ऐसा हो न सका। कीवी पेसर काइल जेमीसन ने अपनी एक शानदार गेंद पर शुभमन गिल को एक रन पर बोल्ड कर दिया। गिल इस मुकाबले में जिस तरह से आउट हुए उसको लेकर टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान काफी खफा हैं।

अपनी तकनीक पर काम करें शुभमन

पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने गिल की तकनीक के लिए और दिन के खेल के नाबाद समाप्त करने में विफल रहने के लिए आलोचना की। उन्होंने कहा, यह बिल्कुल भी आसान नहीं है, लाइट्स चालू हैं, गेंद घूमती है और आप जानते हैं कि आपको वापस नॉट आउट जाना है, ओपनिंग करने वाले बल्लेबाज आमतौर पर वापस नॉट आउट जाने के दबाव के कारण आउट हो जाते हैं, लेकिन शुभमन गिल को अपनी तकनीक पर निश्चित ही जरूर काम करना होगा। उन्होंने शुभमन गिल की तकनीक में सटीक कमी को बताया। उन्होंने कहा, उनके हाथ राउंडअबाउट आते हैं, खासकर पिच-अप डिलीवरी के खिलाफ, अगर वह उस पर काम करते हैं तो उनके पास काफी क्षमता है, जेमीसन की गेंद के खिलाफ उनके पैर एक ही जगह रहे, जब तक बल्ला नीचे आया देर हो चुकी थी।

आकाश चोपड़ा बोले- टेस्ट ओपनर नहीं गिल

इस बीच, आकाश चोपड़ा ने पहले कहा था कि गिल उनके लिए टेस्ट ओपनर की तरह नहीं लगते हैं और उन्हें मध्य क्रम में बल्लेबाजी करनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा, जब मैं उनको खेलते हुए देखता हूं वह मुझे टेस्ट ओपनर नहीं लगते हैं, जिस तरह वह इनसाइड लाइन खेलते हैं उनका बाहरी और अंदरूनी किनारा दोनों उजागर होते हैं। मेरे हिसाब से उन्हें मध्यक्रम के बल्लेबाज हैं ओपनिंग के लिए उन्हें बनाया गया है, उन्होंने एक सलामी बल्लेबाज के रूप में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन उनका असली रंग और रूप तब देखा जाएगा जब वह मध्य क्रम में बल्लेबाजी करेंगे।

7 पारियों में 5वां फाइव विकेट हॉल लेकर अक्षर पटेल ने कही यह बात

कानपुर। कानपुर टेस्ट भारतीय स्पिनर अक्षर पटेल कभी भूल नहीं पाएंगे। न्यूजीलैंड ने अपने ओपनर्स की बदौलत जोरदार शुरूआत करते हुए पहले विकेट के लिए 151 रन जोड़े थे लेकिन इसके बाद अक्षर ने लगातार विकेट निकालकर न्यूजीलैंड को बड़े स्कोर तक जाने से रोक दिया। अक्षर के टेस्ट करियर की यह सिर्फ सातवीं पारी थी जिसमें उनके नाम 5वां फाइव विकेट हॉल दर्ज हुआ। रिकॉर्ड बनाने के बाद अक्षर पटेल ने कहा कि यह एक सपने की शुरुआत जैसा है। अक्षर ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट इतना आसान नहीं है। आज कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। न्यूजीलैंड का कल एक भी विकेट नहीं गिरा था। लेकिन आज हमने ढील नहीं दी। हमने हरगेंद पर विकेट लेने की कोशिश नहीं की। बस धैर्य रखा। मैं बेसिक्स पर कायम था और क्रीज का थोड़ा सा इस्तेमाल कर रहा था। मेरी राउंड-आर्म डिलीवरी ट्रैक से बाहर हो रही थी और मैं इसे बहुत अनुकूलित कर रहा था।

ठग सुकेश चंद्रशेखर के साथ वायरल हुई जैकलीन फर्नांडिस की रोमांटिक तस्वीरें

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस इस समय लगातार खबरों का हिस्सा बनी हुईं हैं. और उनके खबरों में आने की वजह सुन लोगों के कान भी खड़े हो गए है. क्योंकि उनका नाम किसी ऐसे शख्स से जुड़ रहा है जिसे सुनकर सभी के होश उड़ गए हैं. दरअसल, एक्ट्रेस का नाम ठग सुकेश चंद्रशेखर के साथ जुड़ा था. जिसे सुनने के बाद किसी को इस बात पर यकीन नहीं हुआ. हालांकि एक्ट्रेस ने भी इस बात से इनकार कर दिया था कि वो सुकेश को डेट कर रही थीं. लेकिन उनकी वायरल तस्वीर को देखने के बाद लोग समझ नहीं पा रहे हैं इसपर क्या रिएक्शन दें.

आपको बता दें सुकेश चंद्रशेखर पर 200 करोड़ की फिरौती का मामला भी चल रहा है. वहीं जैकलीन का नाम उनके साथ जुड़ने पर लोग हैरान भी हो रहे हैं. साथ एक्ट्रेस की सुकेश के साथ वायरल तस्वीर ने सभी के होश उड़ा दिए हैं. इनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई है. कहा जा रहा है कि यह तस्वीर इसी साल अप्रैल से जून के बीच की है जब सुकेश चंद्रशेखर अंतरिम जमानत पर जेल से बाहर आया था.

और दोनों की 4 बार चेन्नई में मुलाकात हुई. वहीं प्रवर्तन निदेशायल का यहां तक कहना है कि सुकेश ने जैकलीन के आने-जाने के लिए प्राइवेट जेट का भी इंतजाम किया था.बता दें एक्ट्रेस से ईडी ने लगभग 7 घंटे तक 200 करोड़ की फिरौती का मामले को लेकर पूछताछ भी की गई थी. सुकेश के साथ - साथ उसकी पत्नी मारिया पॉल पर भी फिरौती का मामला चल रहा है. हालांकि इन सभी आरोपों के बाद जैकलीन के मैनेजर ने कहा है कि जैकलीन को ईडी ने गवाह के तौर पर बुलाया गया था. और उन्होंने अपने बयान भी दर्ज करा दिया हैं. जैकलीन की बात करे तो वो अपने सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. फैंस उनके लुक को खूब पसंद करते है. ऐसे में इस तस्वीर को देखने के बाद उनको बड़ा झटका लगा होगा.

सोनाली सहगल ने लंदन में वर्धन पुरी और सिद्धांत कपूर के साथ की शूटिंग

प्यार का पंचनामा, सोनू के टीटू की स्वीटी और जय मम्मी दी जैसी फिल्मों के लिए पहचानी जाने वाली अभिनेत्री सोनाली सहगल ने वर्धन पुरी और सिद्धांत कपूर के साथ लंदन में अपनी नई फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है।

सोनाली ने इस रोमांटिक-हॉरर फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा, चरित्र अलग है। इस तरह की स्क्रिप्ट आपको पहले वर्णन के भीतर प्यार हो जाती है। मैं इसकी शूटिंग लंदन में कर रहा हूं, जहां दृश्य सेट है। मैं अद्भुत कलाकारों के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हूं।

फिल्म को मूल रूप से बहुत पहले फ्लोर पर जाना था, लेकिन महामारी के कारण चीजों को आगे बढ़ाना पड़ा, क्योंकि सभी तरह के परमिट और मंजूरी प्राप्त करने में समय लगा।

सोनाली ने कहा, लेकिन हमने आखिरकार सभी बाधाओं को पार कर लिया और मैं खुश हूं। यहां ठंड है, लेकिन स्थान उत्तम हैं और यह सब इसके लायक बनाता है। हम लंदन में और कार्डिफ, वेल्स के बाहरी इलाके में शूटिंग कर रहे हैं।

डिस्क्लेमर: यह आईएएनएस न्यूज फीड से सीधे पब्लिश हुई खबर है. इसके साथ न्यूज नेशन टीम ने किसी तरह की कोई एडिटिंग नहीं की है. ऐसे में संबंधित खबर को लेकर कोई भी जिम्मेदारी न्यूज एजेंसी की ही होगी.

भूमि जेंडर-न्यूट्रल प्रदर्शन कला पुरस्कारों के समर्थन में बोलीं

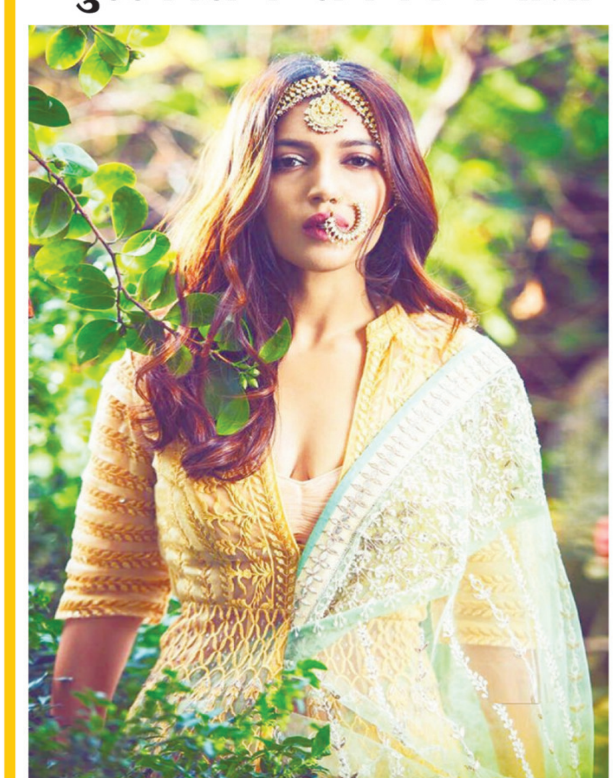

ब्रिटिश रॉक ग्रुप क्वीन के गिटारवादक ब्रायन मे द्वारा लिंग-विशिष्ट पुरस्कारों को खत्म करने के ब्रिट अवार्डस प्रबंधन के फैसले की आलोचना किए जाने के कुछ घंटों बाद बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर इस कदम के समर्थन में सामने आईं। उनका कहना है कि अब समय आ गया है कि कलाकारों को सम्मान शुरू कर दें, चाहे वे किसी भी लिंग के हों।

ब्रिटिश और अंतर्राष्ट्रीय संगीत में सर्वश्रेष्ठ को पुरस्कृत करने वाले ब्रिट अवार्डस ने वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष/महिला एकल कलाकार और वर्ष के सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय पुरुष एकल/महिला एकल कलाकार को दो लिंग-तटस्थ (जेंडर-न्यूट्रल) श्रेणियों के साथ क्रमशः सर्वश्रेष्ठ कलाकार और वर्ष के सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय कलाकार के रूप में बदल दिया है।

लिंग और पर्यावरण के मुद्दों पर अपनी राय व्यक्त करने के लिए जानी जाने वाली भूमि पेडनेकर का कहना है कि समाज को हर दिन सामने आने वाली वास्तविकता के प्रति अधिक खुला होना चाहिए।

समावेशिता की पैरवी करते हुए उन्होंने कहा, मैंने हमेशा महसूस किया है कि किसी कलाकार के कौशल या सृजन के मूल्य को निर्धारित करने के लिए लिंग महत्वपूर्ण नहीं होना चाहिए। कलाकारों को केवल उनके काम के कारण मनाया जाना चाहिए, न कि वे अपनी पहचान कैसे चुनते हैं।

जेंडरक्यूअर अंग्रेजी ग्रैमी पुरस्कार विजेता गायक और गीतकार सैम स्मिथ की भावनाओं को लगभग प्रतिध्वनित करते हुए भूमि ने कहा, लोग विविध लिंगों के साथ पहचान कर रहे हैं, इस सच्चाई से आंखें न मूंदें।भूमि ने पुरस्कारों से लिंगभेद को दूर करने के लिए ब्रिट पुरस्कार प्रबंधन की प्रशंसा की।

गोथम अवार्डस सोमवार, 29 नवंबर को आयोजित किया जाएगा।डिस्क्लेमर: यह आईएएनएस न्यूज फीड से सीधे पब्लिश हुई खबर है. इसके साथ न्यूज नेशन टीम ने किसी तरह की कोई एडिटिंग नहीं की है. ऐसे में संबंधित खबर को लेकर कोई भी जिम्मेदारी न्यूज एजेंसी की ही होगी.

दिशा पाटनी का चेहरा देख फैंस हुए गुस्सा, क्या एक्ट्रेस ने करवाई प्लास्टिक सर्जरी?

बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी का वीडियो काफी धमाल मचा रहा है. एक्ट्रेस को जिसने भी देखा वो उन्हें ट्रोल करने लगा, क्योंकि उनके चेहरे पर फैंस को कुछ अजीब दिखा जो फैंस को पच नहीं पाया.

प्रीमियर में पहुंची थीं दिशा

सलमान खान और आयुष शर्मा की फिल्म अंतिम 26 नवंबर को रिलीज हो चुकी है. रिलीज के पहले बॉलीवुड के कई सिलेब्रिटीज फिल्म की स्क्रीनिंग में शामिल हुए. इस मौके पर सलमान की राधे को-स्टार दिशा पाटनी भी पहुंची थीं. इवेंट के फोटोज और वीडियोज वायरल होने के बाद लोग उनके लुक्स पर कॉमेंट्स कर रहे हैं. कुछ लोगों को लग रहा है कि दिशा ने सर्जरी करवाई है.

दिशा के नाक की चर्चा अंतिम के प्रीमियर पर दिशा पाटनी येलो टॉप और आइस ब्लू जींस पहनकर पहनकर पहुंची थीं. उन्होंने फोटोग्राफर्स को पोज भी दिए. लेकिन उनका ये वीडियो सामने आने के बाद लोग उनकी नाक को लेकर उन्हें ट्रोल करने लगे. कई लोगों ने दावा किया कि एक्ट्रेस ने अपनी नाक को थोड़ा और मोटा दिखान के लिए प्लास्टिक सर्जरी करवाई है.

दिशा की फिल्में

वर्क फ्रंट की बात करें तो दिशा जॉन अब्राहम, तारा सुतारिया और अर्जुन कपूर के साथ एक विलेन रिटर्न्स में दिखाई देंगी. इसके अलावा वह मोहित सूरी निर्देशित फिल्म एक विलेन देयर इज वन इन एवरी लव स्टोरी का सीक्वल में नजर आएंगी. वह कथित तौर पर सिद्धार्थ की हाल ही में घोषित फिल्म योद्धा में भी अभिनय करेंगी.

स्वामी.प्रकाशक व मुद्रक शिव कुमार तथा संपादक भावना शर्मा व प्रबंधक वीरेंद्र कुमार सोनी ने नाहरगढ़ प्रिंटिंग प्रेस आर जेड 32 कश्मीरी कालोनी खैरा विलेज नजफगढ़ नई दिल्ली 110043 से मुद्रित कर कार्यालय सी-1167 टोडरमल कालोनी, मेन थाना रोड, नई दिल्ली-110043 से प्रकाशित
RNI NO .DELHIN/2009/28409, संपर्क: 9871096636/9205336006, Email: nazafgarhmetronews@gmail.com/समाचार पत्र सामग्री या विज्ञापन से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे